फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 321 प्रभात जयपुर, बुधवार 24 जून, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

FIFTY YEARS OF JANA ARANYA...

...Caught in semi-shadow as he leans against the wall near the entrance, spells out that he is not only a man defeated in the game called Life but is now, a Middleman

Mangoes Around the World

The Story of India's Oldest Spirit

मुख्यमंत्रियों को दबाकर राज्यसभा सीटें नहीं जीती जा सकतीं

कांग्रेस के अध्यक्ष खड़गे के दबाव के बाद भी झारखंड के मुख्यमंत्री सोरेन ने उनके प्रत्याशी को राज्यसभा नहीं जाने दिया

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 जून। झारखंड में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के उम्मीदवार की राज्यसभा चुनाव में हार के बाद पूरी तरह अराजक स्थिति पैदा हो गई है। कांग्रेस अपने गठबंधन सहयोगी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से नाराज़ है। उसका मानना है कि सोरेन ने रिलायंस से संबंधित नाथवानी की जीत को योजनाबद्ध तरीके से संभव बनाया।

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि इस घटनाक्रम ने झारखंड में इंडिया गठबंधन के भीतर दरारें पैदा कर दी हैं तथा इससे कांग्रेस अध्यक्ष की छवि और भावनाओं को भी ठेस पहुँची है, जिन्होंने हेमंत सोरेन से अपने उम्मीदवार प्रणव झा के लिए एक राज्यसभा सीट देने का अनुरोध किया था। हेमंत सोरेन ने अनिच्छा से इस पर सहमति भी दी थी।

दिलचस्प बात यह है कि इंडिया ब्लॉक के पास कुल 56 वोट थे, जिससे वह आसानी से दो राज्यसभा सीटें जीत सकता था।

- झारखंड में इंडिया ब्लॉक की सरकार है, सोरेन की पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा के साथ कांग्रेस भी सरकार में शामिल है। खड़गे के दबाव में सोरेन ने अनिच्छा से बात मान ली, पर परदे के पीछे खेल कर दिया।
- सोरेन ने नाथवानी के साथ गुप्त मीटिंग की, जिसकी भनक लगने से कांग्रेस कुछ चौकन्नी अवश्य हुई, पर ज्यादा कुछ नहीं कर सकी।
- झारखंड में इंडिया ब्लॉक के 56 विधायक हैं, मतलब वह दो सीटें आराम से जीत सकता था। इस लिहाज से कांग्रेस की जीत तय थी, पर हेमन्त सोरेन ने राजनैतिक चाल चली और निर्दलीय प्रत्याशी नाथवानी को जितवा दिया।
- इस घटनाक्रम ने इंडिया ब्लॉक में ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस का रूतबा घटा दिया और खड़गे व राहुल को अपमानित सा कर दिया।
- सवाल यह है कि क्या अब कांग्रेस झारखंड में सरकार से हटकर भाजपा का रास्ता साफ कर देगी या फिर अपमान को बर्दाश्त कर ''मूव ऑन'' कर जाएगी।

हेमंत सोरेन स्वयं दोनों सीटें चाहते थे और उन्होंने एक सीट कॉर्पोरेट समर्थित नाथवानी को देने का निर्णय लिया था।

लेकिन बताया जाता है कि मल्लिकार्जुन खड़गे ने हेमंत सोरेन पर दबाव डाला कि वे एक सीट प्रणव झा के लिए छोड़ें, जिसे उन्होंने अंतत: स्वीकार कर लिया।

कांग्रेस तब सतर्क हुई, जब उसकी जानकारी में आया कि हेमंत सोरेन की नाथवानी के साथ बंद कमरे में लंबी और विस्तृत बैठक हुई थी।

मतदान के दौरान, राजद नेता तेजस्वी यादव के आश्वासन के बावजूद, आरजेडी के 4 विधायकों में से 3 ने नाथवानी को वोट दिया, जबकि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रशासन प्रधानमंत्री की रिफाइनरी यात्रा की तैयारियों में जुटा

बालोतरा, 23 जून (निसं)। पचपदरा स्थित एचआरआरएल रिफाइनरी के उद्घाटन कार्यक्रम को लेकर प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गई हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रस्तावित दौरे की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए जिला प्रशासन, पुलिस विभाग और संबंधित एजेंसियों ने व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं शुरू कर दी हैं। रिफाइनरी परिसर के सामने बनाए गए हैलीपैड पर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है। इस क्षेत्र में पुलिस बल की तैनाती बढ़ाने के साथ-साथ अस्थायी पुलिस चौकी भी स्थापित की गई है।

- हेलीपैड की सुरक्षा मजबूत की, अस्थाई पुलिस चौकी स्थापित की गई।

प्रस्तावित जनसभा स्थल पर भी तैयारियां तेज कर दी गई हैं। यातायात, पार्किंग, सुरक्षा, पेयजल एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों की लगातार बैठकें हो रही हैं।

सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री के संभावित दौरे को देखते हुए केन्द्र एवं राज्य स्तर की विभिन्न एजेंसियां भी सक्रिय हो गई हैं। रिफाइनरी परियोजना क्षेत्र में सुरक्षा संबंधी सभी पहलुओं पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अजीबोगरीब नीति है, भाजपा को कमज़ोर कर एनडीए को मजबूत करना

चर्चा है कि यह तैयारी इसलिए की जा रही है ताकि मोदी के बाद सरकार की कमान अमित शाह को ही मिले

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 जून। हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों में एक असामान्य पैटर्न देखने को मिला है: तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के टूटे हुए समूह का विलय एक अत्यन्त कम चर्चित दल, एनसीपीआई में हो गया, जबकि भाजपा के लिए यह आसान होता कि वह बागी सांसदों को स्वयं में शामिल कर लेती। इसी तरह, शिवसेना यूबीटी के टूटे हुए गुट ने भाजपा में जाने के बजाय एकनाथ शिंदे गुट के साथ विलय का फैसला किया।

इन घटनाओं से स्पष्ट होता है कि भाजपा नेतृत्व ने भाजपा को मजबूत करने के बजाय, एनडीए को मजबूत करने पर ध्यान केन्द्रित किया है। ऐसे समय, जब लोकसभा में भाजपा के पास पूर्ण बहुमत नहीं है, इस स्थिति का क्या कारण हो सकता है।

इसका उत्तर कुछ हद तक नरेन्द्र मोदी के बाद उत्तराधिकार की योजना में छिपा है।

यह बात कहना जरूरी है कि पार्टी के भीतर या बाहर नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व को कोई चुनौती नहीं है, और यदि वे कभी पद छोड़ने का निर्णय लेते हैं, तो वह उनका अपना निर्णय होगा। हालांकि भाजपा के भीतर हल्की-फुल्की चर्चा यह है कि मोदी की उम्र बढ़ रही है और वे शायद 2029 के लोकसभा चुनाव जीतने के बाद राजनीति से सन्यास लेना चाहेंगे। संभावित उत्तराधिकारी की संख्या कई हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि मोदी के करीबी, और गृह मंत्री अमित शाह इस बड़ी जिम्मेदारी मिलने की स्थिति के लिए खुद को तैयार रखने की कोशिश कर रहे हैं। उदाहरण के लिए भाजपा के बजाय, एनडीए को मजबूत करने की चालों को, शाह को मोदी की स्वाभाविक पसंद के तौर पर स्थापित करने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है।

विचार करने योग्य बात है: अगर शिवसेना यूबीटी के सांसद भाजपा में शामिल होते, तो महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- हाल ही में जिस तरह से तृणमूल के बागी सांसदों को भाजपा की बजाय एक गुमनाम सी पार्टी में शामिल कराया गया और महाराष्ट्र में भी शिवसेना के 6 बागी सांसदों को एकनाथ शिंदे की पार्टी में शामिल कराया गया, उसे लेकर काफी चर्चा है।
- विशेषज्ञों का कहना है कि इन बागियों को भाजपा में भी शामिल कराया जा सकता था और ऐसा होता तो लोकसभा में भाजपा की ताकत बढ़ती।
- लेकिन साथ ही उन राज्यों के क्षत्रपों, जैसे बंगाल में शुभेन्दु अधिकारी और महाराष्ट्र में देवेन्द्र फड़नवीस की ताकत भी बढ़ जाती, जो मोदी के उत्तराधिकारी की दौड़ में सबसे आगे खड़े अमित शाह के लिए चुनौती बन सकते थे।

विकास जैफ की प्रतिनियुक्ति और विभागीय जांच दोनों ही ''गोलमोल''

कौशल उद्यमिता विभाग में कार्यरत विकास जैफ को एनओसी के बिना बायोफ्यूल प्राधिकरण में संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी बनाने का मामला

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर 23 जून। कौशल उद्यमिता विभाग में कार्यरत सहायक निदेशक विकास जैफ की बायोफ्यूल प्राधिकरण में संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति मात्र 2 दिन में ही हो गई, जबकि उनके मूल विभाग को इस बारे में कानों-कान खबर तक नहीं थी। परंतु जैसे ही यह मामला खुला तो कौशल विकास विभाग ने एन.ओ.सी. देने से मना करते हुए प्रतिनियुक्ति आदेश रद्द कर डाले। अब इस प्रकरण में चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। मजेदार बात यह है कि जब विकास जैफ से इस संबंध में स्पष्टीकरण मांगा गया तो उन्होंने साफ मना कर दिया कि, ''उन्होंने इस प्रतिनियुक्ति के लिए कोई आवेदन नहीं दिया था।'' परंतु जांच रिपोर्ट में सामने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- हैरानी की बात यह है कि मात्र 2 दिन में जैफ को प्रतिनियुक्ति दे दी गई, लेकिन कौशल विकास विभाग से एनओसी नहीं मिली तो आदेश रद्द हो गए।
- विभाग के नोटिस के जवाब में जैफ ने कहा ''मैंने प्रतिनियुक्ति के लिए आवेदन नहीं दिया था'', जबकि जांच रिपोर्ट में सामने आया है कि ''ग्रामीण विकास मंत्री ने इस नियुक्ति के आदेश दिए थे, जैफ खुद प्रतिलिपि लेकर विभाग में पहुंचे थे।''
- चौंकाने वाली बात यह है कि, जांच कमेटी ने इस गंभीर प्रकरण को यह कहते हुए समाप्त करने की सिफारिश कर डाली कि ''विकास जैफ को प्रतिनियुक्ति इस शर्त पर दी गई थी कि वे अपने विभाग से एन.ओ.सी. लाएंगे, चूंकि वे इसमें असमर्थ रहे, इसलिए प्रतिनियुक्ति के आदेश रद्द कर दिए गए हैं, अब प्रकरण में किसी प्रकार की कार्यवाही अपेक्षित नहीं है।''

री-नीट परीक्षा में मोबाइल छुपाकर ले जाने वाली छात्रा की जमानत याचिका खारिज

जयपुर, 23 जून। जयपुर महानगर द्वितीय के न्यायिक मजिस्ट्रेट ने री-नीट परीक्षा, 2026 के दौरान परीक्षा कक्ष में मोबाइल छिपाकर ले जाने और नकल का प्रयास करने के आरोप में न्यायिक अभिरक्षा में चल रही छात्रा को जमानत देने से इनकार कर दिया है।

- राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बिंदायका में री-नीट परीक्षा के दौरान वीक्षकों ने छात्रा को मोबाइल फोन के साथ रंगे हाथ पकड़ा था।

जमानत अर्जी में अधिवक्ता एमके शर्मा ने कहा कि आरोपी छात्रा नवयुवती है और उसे मामले की गंभीरता की जानकारी नहीं थी। इसके अलावा, उसके कब्जे से प्रश्न पत्र से जुड़ी किसी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाम परिवर्तन कई बार भारी भी पड़ सकता है, राजनैतिक दृष्टि से

शेक्सपियर ने कहा था, ''नाम में क्या रखा है'', पर बंगाल की राजनीति में नाम परिवर्तन दूरगामी प्रभाव डाल सकता है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 जून। कुछ वर्ष पहले अमर्त्य सेन ने अपनी बेहद रोचक पुस्तक ''द आर्ग्युमेंटेटिव इंडियन'' लिखी थी। अब कोलकाता उस कथन को सच साबित करता दिखाई दे रहा है।

अपने पहले बजट की प्रस्तुति को लेकर उत्साह के बीच, नई-नई बनी भाजपा सरकार ने एक ऐसा बदलाव किया है, जिसने बंगाल में मानसून के आने के साथ ही एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है।

भाजपा सरकार ने कोलकाता के पार्क सर्कस क्षेत्र की एक महत्वपूर्ण सड़क का नाम बदल दिया। पार्क सर्कस मुख्यत: मुस्लिम बहुल इलाका है। कोलकाता नगर निगम ने पार्क सर्कस सुहरावर्दी एवेन्यू का नाम बदल दिया, जो एक मुख्य सड़क है।

- राज्य के मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने अपने पहले बजट में एक अहम फैसला करते हुए पार्क सर्कस एरिया की जानी मानी सुहरावर्दी रोड का नाम बदलकर गोपाल मुखर्जी रोड कर दिया है।
- भाजपा ने दावा किया कि बंगाल के कसाई के नाम से कुख्यात संयुक्त बंगाल के प्रधानमंत्री हुसैन शाहिद सुहरावर्दी ने पाकिस्तान बनने के बाद हिंदुओं का कत्लेआम करवाया था और गोपाल मुखर्जी ने अनेकों हिंदुओं की जान बचाई थी, इसलिए सुहरावर्दी रोड का नाम बदल कर गोपाल मुखर्जी रोड करना एक न्यायसंगत फैसला है।
- लेकिन इस नाम परिवर्तन को लेकर विवाद खड़ा हो गया है, कहा जा रहा है कि इस सड़क का नाम डॉ. हसन सुहरावर्दी के नाम पर था, जो कि हुसैन सुहरावर्दी के चाचा थे और कोलकाता युनिवर्सिटी के पहले मुस्लिम वीसी थे। उन्होंने एक क्रांतिकारी हमले में बंगाल के अंग्रेज गवर्नर की जान बचाई थी, जिस पर उन्हें अंग्रेजों ने यह पद दिया था और उनके नाम पर सड़क का नामकरण किया था, जिसे कभी बदला नहीं गया था।

इस सड़क का नया नाम ''गोपाल मुखर्जी रोड'' रखा गया। गोपाल मुखर्जी को उस समय हिंदुओं का रक्षक माना गया था, जब कोलकाता में दंगे (कलकत्ता किलिंग) हुए थे। अगस्त 1946 में कोलकाता में हुई सुनियोजित हिंसा के दौरान, जब उग्र मुस्लिम भीड़ द्वारा हिंदुओं पर हमले किए जा रहे थे, तब उन्होंने कई लोगों को बचाने का काम किया था।

कहा जाता है कि इस संगठित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केन्द्रीय मंत्री कुरियन ने इस्तीफा दिया

नई दिल्ली, 23 जून। केन्द्रीय अल्पसंख्यक कार्य और मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन ने मंगलवार को केन्द्रीय मंत्रिपरिषद से इस्तीफा दे दिया।

राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार,

- उनका राज्यसभा का कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो गया। भाजपा ने उन्हें वापस उम्मीदवार नहीं बनाया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उनका इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है। यह निर्णय भारत के संविधान के अनुच्छेद 75 के खंड (2) के तहत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सलाह पर लिया गया।

65 साल के कुरियन मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में अल्पसंख्यक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान के तेल पर अमेरिकी प्रतिबंध हटने से भारत को भारी लाभ

भारत कच्चे तेल का विश्व में सबसे बड़ा आयातक है और इस छूट से भारत के आयात बिल में कमी आएगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 जून। अमेरिका ने ईरान के तेल उद्योग को एक अप्रत्याशित राहत दी है।

एक बड़े नीतिगत बदलाव के तहत वॉशिंगटन ने 60 दिनों की छूट जारी की है, जिसके तहत 21 अगस्त तक ईरानी कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों के उत्पादन, बिक्री, आपूर्ति और आयात की अनुमति मिल गई है। यह कदम तेहरान के साथ चल रही वार्ताओं का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य एक व्यापक शांति समझौता सुनिश्चित करना और अंतरराष्ट्रीय परमाणु निरीक्षणों को फिर से शुरू करना है।

दुनिया के सबसे बड़े कच्चे तेल आयातकों में से एक भारत के लिए इस घटनाक्रम के महत्वपूर्ण प्रभाव हो सकते हैं।

हो सकता है कि इसका तुरंत मतलब यह न हो कि ईरानी कच्चा तेल लेकर टैंकर भारतीय बंदरगाहों पर पहुंचने लगें। लेकिन इससे नई दिल्ली के सामने एक ऐसी संभावना खुलती है, जिसका लाभ कई वर्षों से नई दिल्ली को नहीं मिला था- ऐसे समय में तेल के एक और बड़े स्रोत तक पहुँच, जब वैश्विक ऊर्जा बाजार भू-राजनीतिक झटकों के प्रति संवेदनशील बने हुए हैं।

अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने एक अस्थायी सामान्य लाइसेंस जारी किया है, जो ईरानी कच्चे तेल, पेट्रोलियम उत्पादों और पेट्रोकेमिकल्स से जुड़े लेन-देन की अनुमति देता है। इस छूट में शिपिंग, बीमा और बैंकिंग जैसी संबंधित सेवाएं भी शामिल हैं। यह अनुमति 21 अगस्त तक प्रभावी रहेगी।

- अमेरिका ने ईरान को तेल उत्पादन, तेल निर्यात के लिए 60 दिन, यानि 21 अगस्त तक के लिए छूट दी है। यह कदम तेहरान के साथ चल रही वार्ता के दौरान सकारात्मक संकेत है।
- पर, इसका मतलब यह नहीं है कि तुरंत ही ईरान से तेल टैंकर भारत आने लगेंगे, लेकिन, इससे संभावनाओं के नए द्वार खुलेंगे।
- अमेरिका की घोषणा के बाद, कच्चे तेल के दाम कम हुए हैं, इससे भारत में बढ़ती महंगाई में कुछ राहत मिल सकती है।

यह फैसला तब आया है, जब ईरान ने अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) को निरीक्षण की अनुमति देने और व्यापक कूटनीतिक वार्ताओं में भाग लेने पर सहमति जताई है। इस छूट को, प्रतिबंधों को स्थायी रूप से हटाने के बजाय विश्वास बहाली के कदम के रूप में देखा जा रहा है।

तेल बाजारों ने इस फैसले पर तुरंत प्रतिक्रिया दी। अतिरिक्त आपूर्ति बाजार में आने की उम्मीद के कारण कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई।

भारत के लिए यह क्या मायने रखता है?

भारत अपनी जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है, इसलिए वह वैश्विक तेल कीमतों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है।

कच्चे तेल की कीमतों में हर बढ़ोतरी भारत के आयात बिल, महंगाई की दिशा, सरकारी वित्तीय गणनाओं और अंतत: उपभोक्ताओं द्वारा चुकाई जाने वाली ईंधन कीमतों को प्रभावित करती है।

पिछले चार वर्षों में देश के तेल सोर्सिंग पैटर्न में भारी बदलाव आया है।

रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद, भारत रियायती रूसी कच्चे तेल के सबसे बड़े खरीदारों में से एक बन गया। वर्तमान में भारत के कुल कच्चे तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी लगभग एक-तिहाई से 40 प्रतिशत तक है, जिससे रूस भारत का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन गया है।

साथ ही, भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा पूरा करने के लिए सऊदी अरब, इराक और संयुक्त अरब अमीरात सहित, खाड़ी क्षेत्र के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एसआईटी ने अयोध्या चढ़ावा प्रकरण पर रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपी

लखनऊ, 23 जून। अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के चढ़ावे में कथित अनियमितता की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने अपनी प्रारंभिक जांच रिपोर्ट मंगलवार को उत्तर प्रदेश सरकार को सौंप दी। एसआईटी के सदस्यों ने अपर मुख्य सचिव (गृह) संजय प्रसाद को यह रिपोर्ट सौंपी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुरोध पर राज्य सरकार ने 13

- श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुरोध पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एसआईटी का गठन किया था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

संसार में सबसे दयनीय कौन है? जो धनवान होकर भी कंजूस है। –विद्यापति

सायबर अपराध नियंत्रण के उपाय बताते अदालती निर्देश

डिजिटल समय से पहले, आम आदमी का जीवन ही नहीं सरकारी और प्राइवेट संस्थानों में भी व्यवस्था धीमी गति से चल रही थी क्योंकि बदलाव सामान्य गति से हो रहे थे और लोग और सिस्टम आसानी से उसके साथ अपना तालमेल बिठा पा रहे थे। लेकिन जिस गति से डिजिटल दुनिया आगे बढ़ रही है, उसने पूरे सिस्टम को, जिसमें आम आदमी भी शामिल है, को मुश्किल में डाल दिया है। बहुत से लोग इसके साथ तालमेल बिठाकर आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं, बल्कि विभिन्न कारणों से बहुत पीछे छूट रहे हैं। सभी की चिंता इस बात की है कि नई, न रुकने वाली और तेजी से बढ़ती हुई उस समस्या से कैसे निपटा जायेजिसे टेक्नोलॉजी ने उनके सामनेलाकर खड़ी कर दी है। डिजिटल दुनिया/सूचना प्रौद्योगिकी ने समाज और आम आदमी का व्यक्तिगत जीवन, देश की अर्थव्यवस्था, कानून व्यवस्था, शिक्षा प्रणाली तथा बैंकिंग प्रणाली आदि को जबरदस्त प्रभावित किया है। ऐसे में साइबर अपराध भी अचानक सुरसा के मुंह की भांति विराट हो चले हैं। पैसे ठगे जाने, प्रतिष्ठा को गिराने,या बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाने, की डिजिटल सेंध के जो मामले सामने आ रहे हैं, वह डराते हैं। साइबर अपराधों से बैंकिंग प्रणाली का झूंझना तो सबके सामने है ही, जहां साइबर अपराधी सिस्टम से बहुत आगे नज़र आते हैं। सभी सावधानियों के बाद भी, डिजिटल अपराधों से निपटने में बैंक मुश्किल में लगते हैं। बैंकों के अधिकतर खाताधारकों की डिजिटल साक्षरता शून्य है, जिससे वे धोखाधड़ी के आसान शिकार बन जाते हैं। ऐसा भी नहीं है कि साइबर अपराधों से निबटने के लिये कदम नहीं उठाए गए हों। भारत में साइबर कानून, वर्ष 2000 में बनाया गया था। मगर 25 साल से ज़्यादा समय बीत जाने के बाद भी, पारंपरिक अपराधों को संभालने और जांच करने के लिए प्रशिक्षित पुलिस मशीनरी और जांच एजेंसियां डिजिटल युग की गंभीर चुनौतियों से निपटने में सफल नहीं हो पायी हैं। साइबर अपराधों से निबटने के लिये भारत सरकार ने साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर बनाये हैं। यह केंद्र डिजिटल तकनीक का उपयोग करके विभिन्न साइबर और अन्य अपराध से जमा किए गए धोखाधड़ी के पैसे को फ्रीज करने और ऐसे अपराधों को रोकने के लिए काम करते हैं। भारत सरकार ने फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट भी बना रखी है, जो साइबर अपराधियों की मनी ट्रेल पर नज़र रखती है। गृह मंत्रालय ने एक टोल-फ्री नंबर भी बना रखा है जिस पर डिजिटल वित्तीय धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कराई जा सकती है। मगर राज्य पुलिस अभी इसमें पिछड़ रही है। इस मुद्दे पर कुछ समय पहले राजस्थान उच्च न्यायालय ने संज्ञान लिया तो पाया कि इस संबंध में राज्य की एजेंसियां पूरी तरह गृह मंत्रालय पर निर्भर करती हैं। जिस तेज़ी से डिजिटल टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके ऐसे अपराध किए जाते हैं उसके सामने इन अपराधों को समझने और संबंधित इलाके की लोकल पुलिस/साइबर पुलिस को रिपोर्ट करने में लगने वाला समय और उसके बाद गृह मंत्रालय और उसकी एजेंसियों को रिपोर्ट करने के बीच समय के गंभीरअंतर के कारण इसका महत्व खत्म हो जाता है। राज्यों की केन्द्रीय एजेंसियों पर पूरी निर्भरता दिखाती है कि राज्य और उसकी सभी एजेंसियां इन अपराधों को अपने दम पर संभालने के लिए अभी तक तैयार नहीं हैं।

राजस्थान उच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण विस्तृत आदेश देकर बढ़ते साइबर अपराधों को नियंत्रित करने के वास्ते राज्य सरकार को खुद अपना एक सिस्टम बनाने की ज़रूरत बताई है, जिससे निगरानी, नियंत्रण, जांच और दूसरे ज़रूरी कदम उठाए जा सकें। अदालत ने माना है कि प्रदेश में साइबर अपराधों को नियंत्रित करने और जांच करने के लिए डिजिटल विशेषज्ञों और निरीक्षकों की जरूरत है। हालांकि राजस्थान में वर्ष 2024 में साइबर अपराधों से निपटने के लिए महानिदेशक, साइबर अपराध का ऑफिस विशेष रूप से बनाया गया है। मगर, जिस गति और बुनियादी ढांचे के साथ यह ऑफिस काम कर रहा है उससे राज्य में साइबर अपराधों को नियंत्रित करने, जांच करने और अन्य उपाय करने के लिए कोई उचित प्रणाली नहीं बन पाई है। राज्य में मेवात जैसे इलाके साइबर अपराधों के गढ़ के रूप में सामने आने के बाद राज्य में ऐसे अपराधों को नियंत्रित करने के लिए विशेष अभियान जरूर शुरू किए गए हैं, जैसे ऑपरेशन एंटी वायरस, ऑपरेशन साइबर शील्ड आदि। लेकिन राजस्थान उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने यह रेखांकित किया है कि मौजूदा मशीनरी/सिस्टम न केवल पारंपरिक साइबर अपराधों, बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डीप फेक और ऐसी अन्य तकनीकी चुनौतियों से निपटने के लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं है। इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए अदालत ने राज्य में साइबर अपराध से संबंधित वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए एक उचित सिस्टम और इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए, विस्तृत निर्देश जारी किए हैं। अदालत ने निर्देश दिया वे कि अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) को इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर की तर्ज पर राजस्थान साइबर क्राइम कंट्रोल सेंटर की स्थापना के लिए एक नोटिफिकेशन या सर्कुलर जारी करे तथा यह सुनिश्चित करे उस सेंटर के पास केन्द्रीय इकाई जैसी सभी शक्तियां हों। शिकायत मिलने पर एफआईआर के ऑटोमैटिक रजिस्ट्रेशन के लिए एक टोल फ्री नंबर शुरू किया जाए। संबंधित एफआईआर के इस पोर्टल पर पंजीकरण के बाद अधिकार क्षेत्र वाले संबंधित साइबर पुलिस स्टेशन में ट्रांसफर कर देने की व्यवस्था की जाए। यह टिप्पणी करते हुए कि आईटी एक्ट, 2000 की धारा 78 के अनुसार, साइबर अपराधों की जांच इंस्पेक्टर और उससे ऊंचे अधिकारी कर सकते हैं। चूंकि राज्य की पूरी जांच मशीनरी में कोई भी तकनीकी रूप से योग्य, सक्षम और पात्र इंस्पेक्टर नहीं है, इसलिए विशेष रूप से ऐसे इंस्पेक्टरों की नियुक्ति की जाए जिनके पास साइबर अपराधों को संभालने, मॉनिटर करने, पता लगाने, रोकने और जांच करने के लिए की ज़रूरी आईटी योग्यताएं हों। अदालत ने कहा है कि अगर ज़रूरी हो, तो मौजूदा भर्ती नियमों में ज़रूरी बदलाव किए जाएं या नए नियम बनाए जाएं ताकि आईटी एक्ट के हिसाब से साइबर अपराधों की जांच के लिए आईटी इंस्पेक्टरों की भर्ती की जा सके। सरकारी विभागों, अधिकारियों आदि के लिए डिजिटल ऑडिट के संबंध में भी निर्देश दिए गए हैं कि विभागों के सभी डिजिटल लेनदेन और डिजिटल गतिविधियों का मासिक ऑडिट किया जाए ताकि सरकारी/विभागीय मशीनरी में किसी भी वित्तीय और अन्य डिजिटल धोखाधड़ी का पता लगाया जा सके और सार्वजनिक धन के गबन को रोका जा सके।

डिजिटल दुनिया/सूचना प्रौद्योगिकी ने समाज और आम आदमी का व्यक्तिगत जीवन को जबरदस्त प्रभावित किया है। ऐसे में साइबर अपराध भी अचानक सुरसा के मुंह की भांति विराट हो चले हैं। पैसे ठगे जाने, प्रतिष्ठा को गिराने,या बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाने, की डिजिटल सेंध के जो मामले सामने आ रहे हैं, वह डराते हैं। साइबर अपराधों से बैंकिंग प्रणाली का झूंझना तो सबके सामने है ही, जहां साइबर अपराधी सिस्टम से बहुत आगे नज़र आते हैं। सभी सावधानियों के बाद भी, डिजिटल अपराधों से निपटने में बैंक मुश्किल में लगते हैं।

लोगों को डिजिटल अरेस्ट का शिकार होने से बचाने के लिए बुजुर्ग दंपत्ति या कमजोर खाता धारकों के खातों में अचानक किए गए बड़े मूल्य के लेनदेन पर कड़ी नज़र रखने तथा अचानक हुए किसी भी बड़े मूल्य के लेनदेन को देखने पर, खाताधारक के घर पर 48 घंटे के भीतर अनिवार्य रूप से व्यक्तिगत रूप से दौरा करके संदिग्ध गतिविधि की जांच करने की सलाह देते हुए अदालत ने सरकार से कहा है कि वह डिजिटल अरेस्ट और अन्य साइबर अपराधों के बारे में नियमित रूप से लोगों को शिक्षित करने की व्यवस्था बनाए। कमजोर खाताधारक/वरिष्ठ नागरिक द्वारा उच्च मूल्य की एफडी के अचानक उपयोग के लिए, बैंकों द्वारा उचित सावधानी बरती जाने का भी कहा गया है। एसीएस होम, तथा निदेशक अभियोजन, निर्देशदिए गए हैं कि प्रत्येक जिले में कम से कम एक विशेष लोक अभियोजक, जिसके पास तकनीकी और अन्य ज्ञान के साथ-साथ जिला अदालतों में साइबर अपराधों, मुकदमों और अन्य मुद्दों से निपटने का अनुभव हो लगाया जाए तथा उसके नियमित प्रशिक्षण दिया जाए व उसे अन्य बुनियादी ढांचा प्रदान किया जाए। जोधपुर में राजस्थान उच्च न्यायालय की प्रधान पीठ और जयपुर में पीठ के लिए भी एक-एक विशेष पीपी नियुक्त करने का भी अदालत ने कहा है। निदेशक अभियोजन के कार्यालय में एक साइबर कानून सलाहकार लगे, जिसके पास साइबर कानून, साइबर अपराधों और सभी डिजिटल कानूनों की व्यापक समझ हो। 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए स्कूल में मोबाइल फोन, ऑनलाइन गेम, सोशल नेटवर्किंग साइट्स वगैरह के इस्तेमाल के लिए भी सर्कुलर/एसओपी जारी करने के निर्देश भी दिए गए हैं। राज्य में डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट, 2023 और डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन रूल्स, 2025 और अन्य डिजिटल कानूनों का समय पर और सख्ती से पालन/अनुपालन सुनिश्चित करने का कहा गया है। साथ ही सदस्य सचिव, राजस्थान राज्य, कानूनी सेवा प्राधिकरण से साइबर सुरक्षा जागरूकता सेल बनाने तथा जागरूकता अभियान शुरू करने की सलाह दी है। हालांकि, जैसा कि अदालत ने भी माना है, ये निर्देश संपूर्ण नहीं हैं और सरकार के विभागों को एक-दूसरे के साथ समन्वय रख कर राज्य के लोगों की डिजिटल सुरक्षा और संरक्षा तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डीप फेक जैसे मुद्दे के अलावा साइबर अपराधों के मुद्दे से निपटने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाना हैं। किसी भी अच्छे लोकतान्त्रिक शासन में ऐसी व्यवस्थाएं करने के लिये नीति निर्माताओं तथा प्रशासन व पुलिस तंत्र को खुद ही आगे बढ़ कर फैसले लेने की दरकार होती है लेकिन हमारी विडंबन यह है इसके लिये भी अदालतों को सक्रिय होकर राह दिखानी पड़ती है। अब जब अदालत ने एक राह दिखाई है तो आशा की जानी चाहिए कि शासन प्रशासन तत्परता से इन निर्देशों पर अमल करेगा। अनुभव बताता है कि अदालतों के निर्देश आने के बाद भी राज्य मशीनरी की खुमारी टूटती नहीं है। मगर बढ़ते साइबर अपराध ऐसा मुद्दा है जिस पर कठोरता से तटपर कार्यवाही अपेक्षित है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा,
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

सामान्य व्यक्ति के लिए कुरान, हदीस, शरीयत की सरसरी जानकारी

महावीर सिंह

मानव इतिहास में धार्मिक ग्रंथों और ईश्वरीय संदेशों का गहरा प्रभाव रहा है। विश्व की एक बड़ी आबादी के मार्गदर्शक ग्रंथ कुरान, उसके व्यावहारिक रूप हदीस और जीवन पद्धति शरीयत को लेकर अक्सर आम लोगों के मन में कई जिज्ञासाएँ होती हैं।

इस लेख का उद्देश्य यह है कि एक सामान्य व्यक्ति के लिए इनमें लिखी अवधारणाओं को, इनके आपसी संबंधों को और आधुनिक लोकतांत्रिक देशों में इनकी स्थिति को समझना सरल हो। कुरान, हदीस और शरीयत तीनों मिलकर इस्लाम की पूरी जीवन-प्रणाली और कानून व्यवस्था का निर्माण करते हैं। कुरान को इस्लामिक जीवन जीने के तौर तरीके का 'संविधान' समझो, हदीस उसकी 'व्याख्या' है, और शरीयत इन दोनों से मिलकर बना 'कानून' है।

1. कुरान (अल्लाह का मूल संदेश) क्या है? यह इस्लाम की सर्वोच्च और सबसे पवित्र किताब है, जो इस्लामिक मान्यतानुसार अल्लाह के हूबहू शब्द माने जाते हैं। जैसा कि हिंदू वेदों के बारे में या यहुदी तोरा या इसाई बाइबल को मानते है। अल्लाह ने अपने फरिश्ते जिब्रईल (गैब्रियल) के माध्यम से यह संदेश पैगंबर हज़रत मुहम्मद तक पहुँचाया। इस ईश्वरीय प्रेरणा को वही कहा जाता है। पैगंबर मुहम्मद लिखना-पढ़ना नहीं जानते थे। जब भी कोई संदेश उतरता, वे उसे अपने साथियों (सहाबा) को सुनाते थे। उनके विशेष लेखक (जैसे ज़ैद बिन साबित) इसे तुरंत खजूर की पत्तियों, पत्थरों और चमड़े पर लिख लेते थे।

आम तौर पर मौखिक से लिखित रूप में आने पर संदेशों में बदलाव की गुंजाइश होती है, लेकिन कुरान के मामले में यह शून्य है, ऐसा इस्लामिक विद्वानों का मानना है। इसके पीछे पैगंबर की विलक्षण याददाश्त, सैकड़ों लोगों द्वारा इसे तुरंत कंठस्थ (हिफ़्ज़) कर लेना, और लिखने के तुरंत बाद पैगंबर द्वारा री-चेक (क्रॉस-वेरिफिकेशन) कराना, माना जाता है। पैगंबर के देहांत के बाद, कड़े ऐतिहासिक नियमों और गवाहों के आधार पर इसे एक पुस्तक का रूप दिया गया। कुरान के मुख्य सामाजिक और नैतिक संदेश क्या है? कुरान एक संपूर्ण जीवन-नियमावली है। इसके मुख्य सामाजिक सिद्धांत निम्नलिखित हैं:–

मानव प्रेम और भ्रातृत्व: कुरान पूरी मानवता को एक मानती है। इसमें स्पष्ट कहा गया है कि किसी एक निर्दोष की हत्या पूरी इंसानियत की हत्या है, और एक जान बचाना पूरी इंसानियत को जीवन देना है।

पड़ोसी के अधिकार: अपने आस-पास रहने वाले लोगों (चाहे वे किसी भी धर्म के हों) के साथ भलाई और सम्मान का व्यवहार करने का सख्त निर्देश है।

महिलाओं का सम्मान: कुरान ने महिलाओं को संपत्ति का अधिकार, विवाह में सहमति का अधिकार और पुरुषों के समान न्यायसंगत अधिकार देकर समाज में उनका दर्जा ऊँचा किया।

दान और परोपकार (ज़कात): गरीबों, अनाथों और बेसहारा लोगों की आर्थिक मदद करना इस्लाम का एक अनिवार्य स्तंभ है, जिसे आध्यात्मिक कर्तव्य माना गया है।

जिहाद का वास्तविक अर्थ: जिहाद का अर्थ है संघर्ष। सबसे बड़ा जिहाद अपने भीतर के अहंकार और बुराइयों से लड़ना है। हथियार उठाने की अनुमति केवल आत्मरक्षा और अत्याचार को रोकने के लिए ही है, वह भी कड़े युद्ध-नियमों के दायरे में।

पारिवारिक और वैवाहिक जीवन: पति-पत्नी के रिश्ते को प्रेम, दया और एक-दूसरे के सम्मान (लिबास) पर टिका हुआ बताया गया है।

शासकों के कर्तव्य: सत्ता को एक जिम्मेदारी (अमानत) माना गया है। शासक का कर्तव्य है कि वह अमीर-गरीब या दोस्त-दुश्मन का भेद किए बिना पूरी तरह से न्याय करे। संक्षेप में कहे तो इसमें जीवन जीने के बुनियादी सिद्धांत, आदेश और नियम संक्षिप्त रूप में दिए गए हैं। जैसे कि कुरान में आदेश है– "नमाज़ स्थापित करो।"

2. हदीस क्या है? पैगंबर मुहम्मद में जो कुछ कहा, जो कुछ किया, या जिसके लिए अपनी बोलकर या मूक सहमति दी, उनके संग्रह को हदीस कहा जाता है। हदीस, कुरान के व्यावहारिक रूप को दिखाती है। पैगंबर का जीवन ही कुरान की जीती-जागती व्याख्या था। जैसे कि नमाज़ के आदेश को पूरा करने के लिए पैगंबर ने खुद नमाज़ पढ़कर दिखाई और कहा– "नमाज़ वैसे ही पढ़ो जैसे तुमने मुझे पढ़ते देखा है।" यह विवरण हमें हदीस से मिलता है।

3. शरीयत क्या है? इस शब्द को लेकर और इसकी व्याख्याओं और उनके क्रियान्वयन को लेकर काफी कुछ सकारात्मक, नकारात्मक, लिखा व सुना जाता है। मोटे तौर पर यों समझे कि यह इस्लामिक जीवन पद्धति और उस से संबंधित कानून, आदेश आदि है। यह कुरान और हदीस को मिलाकर तैयार की गई एक कानूनी और नैतिक नियमावली है। यह एक इंसान के जन्म से लेकर मृत्यु तक के सभी मामलों यथा इबादत, व्यापार, विवाह, तलाक, विरासत, राजा के कर्तव्य, और न्याय का मार्गदर्शन करती है।

जब कुरान और हदीस से सीधे किसी नए आधुनिक मसले का हल नहीं मिलता, तो विद्वान इज्मा (विद्वानों की आम सहमति) और क़ियास (तार्किक तुलना) का उपयोग करके शरीयत के दायरे में फैसला लेते हैं। कुरान से सारे बुनियादी नियम निकलते हैं। हदीस उसे सामान्य आदमी के समझने योग्य बनाती है। शरीयत इंसानों को व्यावहारिक जीवन जीने के लिए कानून और शांति का माहौल देती है। बिना हदीस के कुरान को पूरी तरह नहीं समझा जा सकता। बिना कुरान-हदीस के शरीयत का कोई अस्तित्व नहीं है।

कुरान के जुड़ी कुछ रोचक जानकारियां :- छापेख़ाने से पहली कुरान की अरबी में किताब 1537-38 में इटली के वेनिस शहर में छपीं। इसका विरोध हुआ। मुसलमानों द्वारा कुरान छपाई 1786 में रूस के कजान शहर में हुई। अरबी से भिन्न भाषा में अनुवाद सिंधी भाषा में 09वीं शताब्दी में हुआ। 1143 में लैटिन भाषा में अनुवाद हुआ। इस से यह समझा जा सकता है कि किसी भी धर्म के धर्म ग्रंथों को बिना किसी तर्क-वितर्क के मानने वाले रूढ़िवादियों की मानसिकता, आस्थाएं इतनी गहरी, कठोर होती है कि उनके मूल स्वरूप में मात्र भौतिक परिवर्तन करना भी कितना कठिन होता है।

एक लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष संविधान वाले देश में शरीयत के नियम पूरी तरह से लागू नहीं हो सकते, लेकिन वे नागरिकों के व्यक्तिगत मामलों में संविधान के दायरे में रहकर लागू हो सकते हैं। संविधान से चलने वाले भारत जैसे देशों में व्यक्तिगत मामलों को यों समझ सकते है कि उनमें विवाह (निकाह), तलाक, गुजारा भत्ता, गोद लेना, दत्तक लेने देना, गार्जियनशिप और संपत्ति का बंटवारा (विरासत) आदि शामिल हैं। फौजदारी मामले जिनमें चोरी, हत्या, शारीरिक नुकसान और सजाएं शामिल हैं उन पे संविधान के अंतर्गत बने नियम ही लागू होंगे। शरीयत अथवा हदीस में इन मामलों पर कुछ भी लिखा हो वह लागू नहीं होते।

भारत जैसे देशों का संविधान अपने नागरिकों को धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार देता है। इसके तहत मुस्लिम समाज को अपने पारिवारिक मामलों को मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरीयत) एप्लीकेशन एक्ट, 1937 के तहत संचालित करने की अनुमति है। अदालतें भी इन मामलों में शरीयत के स्थापित नियमों और संविधान में उल्लेखित मूल अधिकारों को ध्यान में रखकर फैसला सुनाती हैं। भारत के संदर्भ में कुछ रोचक बाते है कि मुस्लिम पर्सनल ला एप्लिकेशन एक्ट 1937 जम्मू कश्मीर में और कृषि भूमियों के संबंध में लागू नहीं होता। भारत में प्रत्येक व्यक्ति को अपनी धार्मिक पसंद या संवैधानिक हक हकूकों के अनुसार जीवन जीने का अधिकार है और उसके लिए न्यायालयों में जाकर उन्हें स्थापित करवा सकते हैं। सबसे साधारण उदाहरण है कि कोई दो वयस्क आदमी-महिला, स्थापित निकाह प्रथा के बजाए कोर्ट मैरिज कर सकते है। भरण पोषण की मांग की जा सकती है।

चोरी, मर्डर या किसी भी अपराध के लिए शरीयत के फौजदारी कानून जैसे हाथ काटना या पत्थर मारना किसी भी लोकतांत्रिक देश में लागू नहीं होते। इन मामलों में देश का संविधान और दंड संहिता जो अब भारत में भारतीय न्याय संहिता - के नाम से जानी जाती है वही सभी नागरिकों पर समान रूप से लागू होती है, चाहे उनका धर्म कोई भी हो।

यदि शरीयत के किसी नियम और देश के संविधान (मौलिक अधिकारों) के बीच कोई विवाद या टकराव होता है, तो हमेशा देश का संविधान ही सर्वोच्च माना जाता है।

शरीयत के कुछ पारंपरिक व्याख्याकारों के अनुसार एक बार में तीन तलाक (तलाक-ए-बिद्दत) को वैध माना जाता था। लेकिन भारतीय सुप्रीम कोर्ट ने इसे संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) और महिलाओं के सम्मान के खिलाफ पाते हुए असंवैधानिक और अवैध घोषित कर दिया।

संविधान वाले देशों में मुस्लिम समाज के आपसी पारिवारिक विवादों को सुलझाने के लिए दारुल कज़ा (शरिया अदालतें) होती हैं। यह कोई सरकारी अदालत नहीं होती और न ही इसके पास किसी को जेल भेजने या सजा देने का अधिकार होता है। यह केवल एक मध्यस्थता केंद्र की तरह काम करता है, जहां दोनों पक्ष आपसी सहमति से पारिवारिक विवाद सुलझाते हैं। अगर कोई पक्ष इसके फैसले से खुश नहीं है, तो वह देश की सरकारी अदालत में जाने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र है।

कौन से मुस्लिम देशों में शरीयत के अनुसार कानून बने और लागू होते है और कहां नहीं :- अपराधिक मामलों में तुर्क में 1924 से शरीयत लागू नहीं। कजाकिस्तान, उजबेकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, किर्गिस्तान, तजाकिस्तान में धर्मनिरपेक्ष कानूनों के अनुसार अपराधिक मामलों का फैसला होता है।

अल्बानिया, हर्जेगोविना, इंडोनेशिया (एक उच्चे प्रांत को छोड़ कर) में भी अपराधिक मामले धर्मनिरपक्षता पर आधारित कानून कैदों के अनुसार तय होते है। मलेशिया में संघीय सर्वोच्च न्याय प्रणाली धर्मनिरपेक्ष है। राज्यों के स्तर पर शरिया कानूनों की सीमाएं तय है। बहुत से अफ्रीकी देशों यथा सेनेगल, माली नाइजर आदि में भी अकेले शरिया कानूनों की दंडिक व्यवस्था नहीं है। इन देशों में मिश्रित कानूनी ढांचा है।

लेकिन वर्तमान विश्व में अब भी कुछ देश है जहाँ शरीयत के अनुसार ही अपराधिक मामले तय किए जाते है। ऐसे देश ईरान, अफगानिस्तान यमन, सऊदी अरब, सूडान, मॉरितानिया हैं। पाकिस्तान, कुवैत, कतर संयुक्त अरब अमीरात में अपराधिक व नागरिक मामलों मे शरीयत और यूरोपीय कानूनों का मिलाजुला उपयोग होता है।

सभ्य संसार को कुछ अत्यंत तर्कहीन अमानुषिक दिखने वाले शरीयत वाले दंड:--

अंग के बदले अंग ओर कोड़े लगाने जैसे शारीरिक दंड कानून को किसास (जैसे को तैसा, वाला बदला लेना) कहते हैं। ये मुख्यत पूरी तरह इस्लामिक शरिया कानून वाले देशों में लागू है जैसे सऊदी अरब जहां हाथ काटना, सर्वाजनिक रूप से कोड़े मारना, सिर कलम करना, चोरी पर हाथ काटना के दंड दिए जाते है। हत्या पर 'किसास' होता है अर्थात बदले में मौत। शराब/व्यभिचार पर कोड़े का प्रावधान है। ईरान में हाथ-पैर काटना, कोड़े, पत्थर मारना, अंधा करना जैसे दंड चोरी, डकैती, व्यभिचार, शराबखोरी आदि के मामलों में दिये जाते है। आँख के बदले आँख के केस भी हुए हैं। तालिबानी अफगानिस्तान में हाथ काटना, सरेआम कोड़े/फांसी के दंड चोरी, व्यभिचार, समलैंगिकता मामलों में दिये जाते है। चोरी, शराबखोरी आदि के मामलों में हाथ काटना जैसे दंड उतरी सूडान, उतरी नाइजीरिया, सोमालिया, यमन में भी प्रचलित हैं। ईरान और सऊदी अरब में आंख के बदले आंख का दंड भी है। ईरान में ऐसा दंड दिया गया किंतु संबंधित शिकायत कर्ता लड़की ने माफी दे दी तो माफ कर दिया गया। सऊदी अरब में हत्यारे को भी शिकायत कर्ता खून का पैसा लेकर अर्थात दियत लेकर माफी दे सकता है। एक ओर दंड है सिर्फ सार्वजनिक रूप से कोड़े मारकर दंडित करना। सिंगापुर में तोड़फोड़, ड्रग्स, वीजा ओवरस्टे पर 24 बेंत तक का दंड प्रावधान है। मलेशिया में व्यभिचार, शराब पर कोड़ों का दंड और ब्रुनेई में चोरी पर हाथ काटना, समलैंगिकता पर पत्थर मारने का कानून है। पाकिस्तान में इसी प्रकार के दंडों वाला हुदूद ऑर्डिनेंस है किंतु 1980 के बाद से लागू नहीं। यूएई, कतर, ओमान हाथ काटना बहुत कम और कोड़े/जेल का दंड ज्यादा दिया जाता है।

शारीरिक दंड देने से पहले जरूरी शर्तें बहुत सख्त हैं। इस्लाम में 20 से अधिक शर्तें हैं जैसे– चोरी मजबूरी में न की हो, माल छुपा हुआ हो, 4 गवाह हों, चोर बालिग हो। माफी का ऑप्शन: ज्यादातर 'किसास' केस में पीड़ित परिवार 'दियत' यानी मुआवजा लेकर माफ कर सकता है। अंतरराष्ट्रीय कानून: यूएन इन्हें 'अमानवीय दंड' मानता है। एमनेस्टी इंटरनेशनल विरोध करती है।

–महावीर सिंह, पूर्व आईएएस

भरत भूषण तिवारी : एक मृत्यु नहीं, व्यवस्था पर आरोप पत्र

डॉ. नीरज रावत

भरत भूषण तिवारी अब इस दुनिया में नहीं हैं। लेकिन यह कहना कि उनकी मृत्यु केवल एक व्यक्तिगत त्रासदी है, सच्चाई से आँख मूँदना होगा। यह मृत्यु उस व्यवस्था पर एक सीधा आरोप है, जिसके खिलाफ वे अंतिम सांस तक लड़ते रहे। यह केवल एक व्यक्ति का अंत नहीं, बल्कि उस विश्वास का क्षरण है जो एक नागरिक अपने लोकतंत्र से रखता है।

भरत भूषण तिवारी कोई बड़े पद या सत्ता के व्यक्ति नहीं थे। वे उन लाखों साधारण बिहारी नागरिकों की आवाज़ थे, जो रोज़ाना व्यवस्था की बेरुखी, भ्रष्टाचार और लालफीताशाही से जूझते हैं। वे उन गिने-चुने नागरिकों में थे, जिन्होंने व्यवस्था से सवाल पूछने का साहस किया, वो भी, सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि आमजन के अधिकारों के लिए। उनकी लड़ाई न धर्म के नाम पर थी, न जाति के नाम पर, और न ही किसी दलगत राजनीति के लिए। वे किसी भी संकीर्ण एजेंडे के वाहक नहीं थे। उनकी एकमात्र मांग थी कि व्यवस्था आम नागरिक के प्रति जवाबदेह बने। विडंबना यही है कि शायद यही उनका सबसे बड़ा दोष था। इस देश में व्यवस्था से जवाब मांगना अक्सर सबसे बड़ा अपराध बन जाता है।

प्रश्न यह नहीं है कि भरत भूषण तिवारी की मुठभेड़ हुई या नहीं। असली प्रश्न यह है कि क्या हमारी व्यवस्था ने उन्हें धीरे-धीरे खत्म कर दिया? क्या यह एक योजनाबद्ध चुप्पी थी, या फिर वही पुरानी लापरवाही, जो अंततः किसी की जान ले लेती है? जब न्याय की प्रक्रिया इतनी धीमी हो जाए कि वह स्वयं अन्याय का रूप ले ले, तब हत्या और उपेक्षा के बीच का फर्क मिट जाता है। भारत की नौकरशाही वर्षों से प्रक्रिया के नाम पर अपनी विफलताओं को छिपाती आई है। फाइलों का अंतहीन चक्र, नोटिंग्स का जाल, और निर्णय लेने की अनिच्छा – ये सब मिलकर एक ऐसी दीवार खड़ी करते हैं,जिसमें आम आदमी की आवाज़ दम तोड़ देती है। फाइल चल रही है इस देश का सबसे खतरनाक वाक्य बन चुका है, क्योंकि इसका अर्थ होता है कि काम अभी नहीं होगा।

उदाहरण दूर नहीं हैं। एक किसान अपनी जमीन के मुआवजे के लिए वर्षों तक दफ्तरों के चक्कर लगाता है, लेकिन फाइल प्रक्रिया में ही अटकी रहती है। एक बेरोजगार युवक नियुक्ति पत्र के लिए अदालतों और विभागों के बीच भटकता रहता है, जबकि पद खाली पड़े रहते हैं। अस्पतालों में इलाज के अभाव में लोग मर जाते हैं, लेकिन जिम्मेदारी तय नहीं होती। हाल के वर्षों में कई जगह पुल गिरने, सड़क धंसने और सरकारी योजनाओं के अधूरे रह जाने की घटनाएं सामने आईं और हर बार जांच बैठती है, रिपोर्ट बनती है, लेकिन सजा शायद ही किसी को मिलती है।

यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, -बल्कि एक संरचनात्मक बीमारी है- । सबसे बड़ी समस्या है – जवाबदेही का अभाव। कोई अधिकारी अपनी जिम्मेदारी स्वीकार नहीं करता। हर विभाग अपनी असफलता को दूसरे पर डाल देता है। यह एक ऐसा तंत्र बन चुका है, जहाँ गलती करना अपराध नहीं, बल्कि उसे छिपाना एक स्थापित परंपरा बन चुकी है। राजनीतिक नेतृत्व की भूमिका भी कम सवालों के घेरे में नहीं है। सत्ता में बैठे लोग प्रशासन को नियंत्रित करने के बजाय अक्सर उसके साथ समझौता करते नजर आते हैं। भाषणों में सुशासन और पारदर्शिता की बातें होती हैं, लेकिन जमीनी हकीकत में वही पुरानी ढिलाई और उदासीनता कायम रहती है। सवाल यह है कि क्या हमारे नेता व्यवस्था को ठीक करना चाहते हैं, या फिर उसी अव्यवस्था से राजनीतिक लाभ उठाना अधिक सुविधाजनक मानते हैं?

भरत भूषण तिवारी की मौत हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या यह वही लोकतंत्र है, जिसकी हमने कल्पना की थी? एक ऐसा लोकतंत्र, जहाँ एक जागरूक नागरिक, जो सिर्फ जवाबदेही की मांग करता है, व्यवस्था के बोझ तले दबकर दम तोड़ दे?

आज आवश्यकता है कि प्रशासन का मूलमंत्र स्पष्ट और कठोर शब्दों में तय किया जाए – नागरिक प्रथम। – यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि शासन की आत्मा होना चाहिए– । हर निर्णय, हर नीति, हर प्रक्रिया का केंद्र नागरिक हित होना चाहिए – न कि फाइलें, न नियमों की आड़, और न ही सत्ता की सुविधा।

जनतंत्र में नागरिक प्रथम का वास्तविक अर्थ सिर्फ इतना है कि समयबद्ध सेवा, पारदर्शी प्रक्रिया और स्पष्ट जवाबदेही की व्यवस्था हो। यदि किसी नागरिक का काम तय समय सीमा में नहीं होता, तो संबंधित अधिकारी जिम्मेदार माना जाए। यदि कोई विभाग काम में लापरवाही करता है, तो दंड सुनिश्चित हो। यदि किसी योजना में भ्रष्टाचार होता है, तो केवल जांच नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई हो।

तकनीक के इस युग में जवाबदेही सुनिश्चित करना असंभव नहीं है। सेवाओं की ट्रैकिंग, समयसीमा का पालन, और जिम्मेदार अधिकारियों की पहचान, ये सब आज आसानी से संभव है। फिर भी यदि व्यवस्था नहीं बदलती, तो इसका अर्थ है कि समस्या क्षमता की नहीं, बल्कि इच्छाशक्ति की है।

यह केवल शोक का समय नहीं है, यह आत्ममंथन और निर्णायक बदलाव का समय है। यदि भरत भूषण तिवारी की मृत्यु के बाद भी हम नहीं जागे, तो यह केवल एक व्यक्ति की हार नहीं होगी, बल्कि पूरे समाज की पराजय होगी। क्योंकि तब यह स्पष्ट हो जाएगा कि इस देश में व्यवस्था से लड़ना व्यर्थ है। भरत भूषण तिवारी चले गए, लेकिन उनका संघर्ष एक सवाल बनकर हमारे सामने खड़ा है। क्या यह व्यवस्था कभी बदलेगी, या फिर हर भरत भूषण तिवारी इसी तरह चुपचाप कुचल दिया जाएगा? इस सवाल का जवाब अब सरकार, प्रशासन और बुद्धिजीवि समाज – तीनों को मिलकर देना होगा। वरना इतिहास गवाह रहेगा कि हमने एक और जिम्मेदार नागरिक को खो दिया, और फिर भी कुछ नहीं बदला।

यह लेख केवल एक श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि एक चेतावनी है – यदि नागरिक प्रथम को व्यवहार में नहीं उतारा गया, तो व्यवस्था और जनता के बीच की खाई और गहरी होती जाएगी। और तब हर अगली त्रासदी केवल एक खबर बनकर रह जाएगी, जब तक कि कोई और भरत भूषण तिवारी इस सिस्टम से टकराकर चुप न हो जाए।

–डॉ. नीरज रावत, जयपुर

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 24 जून, 2026

द्वितीय ज्येष्ठ मास (शुद्ध), शुक्ल पक्ष, दशमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2083, चित्रा नक्षत्र दिन 11:59 तक, परिघ योग दिन 10:23 तक, गर करण सायं 6:13 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-तुला, मंगल-वृष, बुध-कर्क, गुरू-कर्क, शुक्र-कर्क, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज रवियोग सम्पूर्ण दिन-रात रहेगा। आज बटुक भैरव जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ अमृत सूर्योदय से 9:04 तक, शुभ 10:46 से 12:29 तक, चर 3:54 से 5:37 तक, लाभ 5:37 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:38, सूर्यास्त 7:20

मेष
परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज आपसी सहयोग-समन्वय से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद दूर होने लगेंगे। आज रिश्तेदारों के सहयोग-समन्वय से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा।

कर्क
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी और व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

सिंह
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

कन्या
आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। चलते कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आज मन:स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
आज धार्मिक-मांगलिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। आज आवश्यक और महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है।

मकर
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक-मांगलिक कार्यों में आज भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

डोडा-चूरा तस्करी का नेटवर्क चलाने वाला तस्कर केरल से गिरफ्तार

2500 किमी. दूर मालाबार तक पीछा करके पहुंची एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान 'मदाविकाढ़त' के तहत मध्यप्रदेश से गिरफ्तार किए गए तस्कर रमेश बंजारा से मिली जानकारी के आधार पर एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने ऑपरेशन 'यमलकमली' चलाकर उसके समधी एवं मुख्य सहयोगी रणजीत दायमा उर्फ रंजीत बंजारा निवासी मनासा जिला नीमच (मध्यप्रदेश) को केरल से गिरफ्तार किया है। 25 हजार रुपए का इनामी यह अपराधी पिछले सात वर्षों से फरार चल रहा था और फलोदी पुलिस को लगातार चकमा दे रहा था। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

एएनटीएफ पुलिस महानिरीक्षक विकास कुमार ने बताया कि पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में टीम ने राजस्थान से केरल तक करीब 2500 किलोमीटर का सफर तय कर इस शातिर तस्कर को गिरफ्तार किया। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई नशे के कारोबार के खिलाफ एएनटीएफ की प्रतिबद्धता का बड़ा उदाहरण है।

जांच में सामने आया कि रणजीत दायमा भले ही अधिक शिक्षित नहीं है, लेकिन वह कन्नड, तेलुगु और मलयालम भाषाओं पर अच्छी पकड़ रखता था। केरल के शोरानूर क्षेत्र में फरारी के दौरान उसने स्थानीय लोगों के बीच

गिरफ्तार आरोपी रमेश बंजारा

खुद को पूरी तरह घुला-मिला लिया था। वह इतनी धाराप्रवाह स्थानीय भाषाएं बोलता था कि लोग उसे स्थानीय निवासी ही समझते थे, जिससे उसकी वास्तविक पहचान छिपी रही। एएनटीएफ की जांच में खुलासा हुआ कि रणजीत और हाल ही में गिरफ्तार किया गया रमेश बंजारा आपस में समधी हैं तथा पिछले आठ वर्षों से डोडा-चूरा तस्करी के कारोबार में साझेदार थे। रमेश जहां सौदे तय करता था, वहीं रणजीत माल की व्यवस्था कर उसे सुरक्षित तरीके से बाहर भेजने का काम करता था। पुलिस के अनुसार रणजीत को प्रति किलो डोडा-

- समधी के साथ चला रहा था नशे का कारोबार, आरोपी पर 25 हजार रुपए का इनाम भी घोषित
- आरोपी ने पुलिस पूछताछ में कबूल किया कि वह राजस्थान, मध्यप्रदेश सहित कई राज्यों में डोडा-चूरा की सप्लाई करता था

चूरा पर 500 रुपए कमीशन मिलता था। एक बार में 100 से 500 किलो तक माल की आपूर्ति होने पर उसे 50 हजार से लेकर दो लाख रुपए तक की कमाई हो जाती थी। फरारी के दौरान रणजीत ने केरल के शोरानूर जिले के वडकनचेरी क्षेत्र में कंबल की दुकान संचालित कर रखी थी। वह मोटरसाइकिल पर कंबल लेकर आसपास के इलाकों में घूम-घूमकर बिक्री करता था और प्रतिदिन करीब 150 किलोमीटर तक का सफर तय करता था। पुलिस जांच में सामने आया कि वह समय-समय पर राजस्थान और मध्यप्रदेश आकर तस्करी के नेटवर्क को संचालित करता और फिर वापस केरल लौट जाता था।

रमेश बंजारा से पूछताछ के दौरान एएनटीएफ को रणजीत के केरल में छिपे होने की सूचना मिली। इसके बाद टीम के सदस्य राजस्थानी कारीगरों के वेश में शोरानूर पहुंचे और कई दिनों तक उसके ठिकानों की रेकी की।

सूचना मिली कि रणजीत उस दिन शोरानूर से करीब 100 किलोमीटर दूर नीलयांमती पहाड़ियों के दुर्गम क्षेत्र में कंबल बेचने गया हुआ है। टीम वहां पहुंची और ग्राहक बनकर उससे कंबल खरीदने का नाटक किया। बड़ी खरीदारी का लालच देकर उसे एक वाहन तक बुलाया गया, जहां एएनटीएफ टीम ने अपना परिचय देते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तारी के बाद प्रारंभिक पूछताछ में रणजीत ने स्वीकार किया कि वह राजस्थान, मध्यप्रदेश सहित कई राज्यों में डोडा-चूरा की सप्लाई करता था। उसने पुलिस को बताया कि उसका नेटवर्क कई क्षेत्रों में फैला हुआ था और उसे स्वयं यह जानकारी नहीं थी कि उसके खिलाफ किन-किन राज्यों में मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तारी के बाद एएनटीएफ की टीम आरोपी को केरल से राजस्थान लेकर आई। सात वर्षों से फरार चल रहा यह इनामी तस्कर अब पुलिस की गिरफ्त में है। आईजी विकास कुमार ने बताया कि इस चुनौतीपूर्ण और लंबी कार्रवाई को सफलतापूर्वक अंजाम देने वाली एएनटीएफ टीम को मुख्यालय में आयोजित विशेष कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा।

72 हजार प्रतिबंधित "ट्रामाडोल" कैप्सूल की खेप जब्त

जयपुर। नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) राजस्थान यूनिट ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 72 हजार प्रतिबंधित ट्रामाडोल कैप्सूल की खेप जब्त की है। यह खेप उत्तर प्रदेश के आगरा से राजस्थान के महवा लाई जा रही थी। कार्रवाई के दौरान एक आरोपी को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

सीबीएन अधिकारियों के अनुसार ब्यूरो को खुफिया सूचना मिली थी कि एक तस्कर उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपी रोडवेज) की बस के जरिए प्रतिबंधित दवाओं की बड़ी खेप लेकर आगरा से महवा की ओर आ रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए सीबीएन जयपुर की एक विशेष टीम गठित की गई और संदिग्ध बस की निगरानी शुरू की गई।

टीम ने आगरा-महवा मार्ग पर भरतपुर बाइपास के निकट महवा (जिला दौसा) में बस को रुकवाकर तलाशी ली। जांच के दौरान एक यात्री के कब्जे से तीन पॉलीबैग बरामद हुए, जिनमें छिपाकर रखे गए कुल 72 हजार ट्रामाडोल कैप्सूल मिले। ट्रामाडोल एक प्रतिबंधित दवा है, जिसकी अवैध तस्करी पर एनडीपीएस अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई का प्रावधान है। सीबीएन ने मौके पर ही पूरी खेप जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक पूछताछ के बाद उसके खिलाफ एनडीपीएस

- केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो ने तस्कर को गिरफ्तार किया
- आगरा से महवा लाई जा रही थी यह प्रतिबंधित दवाएं

अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई केंद्र सरकार के 'नशा मुक्त भारत अभियान' के तहत मादक पदार्थों और प्रतिबंधित दवाओं की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान का हिस्सा है। सीबीएन अब यह पता लगाने में जुटी है कि जब्त खेप कहां से लाई गई थी, इसे किसे सप्लाई किया जाना था और इसके पीछे कौन-सा तस्करी नेटवर्क सक्रिय है। अधिकारियों का मानना है कि पूछताछ और तकनीकी जांच के आधार पर इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों तक भी पहुंचा जा सकेगा।

केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो ने आमजन से अपील की है कि मादक पदार्थों, प्रतिबंधित दवाओं की तस्करी या किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत सीबीएन को दें। ब्यूरो ने भरोसा दिलाया है कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

8317 वाहन चालकों पर कार्रवाई की

जयपुर । सड़क सुरक्षा को लेकर राजस्थान पुलिस का विशेष अभियान लगातार प्रभावी साबित हो रहा है। राज्यभर में 1 जून से 30 जून तक चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत 8 हजार 317 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक यातायात डॉ. बी.एल. मीना ने बताया कि इस अभियान के दौरान उन वाहनों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है, जिनमें अनधिकृत लाल-नीली बत्ती, फ्लैशर, स्ट्रोब लाइट, हूटर, एयर हॉर्न, प्रेशर हॉर्न, काली फिल्म, नियम विरुद्ध नंबर प्लेट, वाहन पर अनधिकृत शब्द एवं चिन्ह तथा वाहन की संरचना में अवैध परिवर्तन जैसे उल्लंघन पाए जा रहे हैं।

नम्बर मिलाइए 8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

आम जाहिर सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 3/74 बनास विहार आवासीय योजना टोंक क्षेत्रफल 42.187 वर्गमीटर का आवंटन मूलतः श्री रमेश सिंह पुत्र श्री पदम सिंह को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 250 दिनांक 29.06.1996 जारी किया गया था। श्री रमेश सिंह पुत्र श्री पदम सिंह द्वारा पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक टोंक में दिनांक 09.12.2010 को करवाया गया। श्री रमेश सिंह पुत्र श्री पदम सिंह द्वारा उक्त आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र के श्री मनीष कुमार पुत्र श्री भगवान दास को किया गया। श्री मनीष कुमार पुत्र श्री भगवान दास द्वारा पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक टोंक में दिनांक 09.12.2010 को करवाया गया। श्री मनीष कुमार पुत्र श्री भगवान दास द्वारा उक्त आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र के श्रीमति सुनीता बाला पत्नी श्री शिवराज बैरवा को किया गया। श्रीमति सुनीता बाला पत्नी श्री शिवराज बैरवा द्वारा पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक टोंक में दिनांक 23.09.2020 को करवाया गया। श्रीमति सुनीता बाला पत्नी श्री शिवराज बैरवा द्वारा नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने हेतु मण्डल नियमानुसार वांछित दस्तावेज यथा आवेदन पत्र मय प्रशासनिक शुल्क जमा चालान रसीद, शपथ पत्र, स्वयं, व गवाहान के पहचान संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत कर आवास संख्या 3/74 बनास विहार आवासीय योजना टोंक का स्थानान्तरण/हस्तानान्तरण अपने पक्ष में करने हेतु निवेदन किया है।
अतः उक्त हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति/बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर आवेदिका श्रीमती सुनीता बाला पत्नी श्री शिवराज बैरवा के पक्ष में उक्त आवास के स्थानान्तरण/ हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी।

आवासीय अभियन्ता, खण्ड-13, जयपुर

वार्डों का परिसीमन मतदाताओं की संख्या से नहीं जनसंख्या के आधार पर : राजस्थान हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने स्थानीय निकाय चुनाव को लेकर वार्डों के परिसीमन से जुड़े मामले में कहा है कि नगरपालिका अधिनियम 2009 के तहत वार्डों का विभाजन और निर्धारण क्षेत्र की कुल जनसंख्या के आधार पर किया जाता है, न कि मतदाताओं की संख्या के आधार पर। इसके साथ ही अदालत ने टोडाभीम नगर पालिका के वार्ड परिसीमन को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया है। एक्टिंग सीजे एसपी शर्मा और जस्टिस शुभा

- अदालत ने टोडाभीम नगर पालिका के वार्ड परिसीमन को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज किया

मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश अमृता मीणा की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि नगर पालिका अधिनियम की धारा 9 में कहीं भी मतदाता शब्द का इस्तेमाल नहीं हुआ है, बल्कि कानूनन प्रत्येक वार्ड का प्रतिनिधित्व उस वार्ड की कुल जनसंख्या के आधार पर होता है। अदालत ने कहा कि हो सकता है कि किसी वार्ड की कुल आबादी बहुत अधिक हो, लेकिन वहां मतदाताओं की संख्या बेहद कम हो। याचिका में कहा गया कि राज्य सरकार ने गत वर्ष अधिसूचना जारी कर कुछ गांवों को टोडाभीम नगर पालिका से बाहर कर दिया था। जिसके बाद जिला कलेक्टर ने 35 वार्डों का गठन किया। वहीं परिसीमन के समय प्रति वार्ड 790 व्यक्तियों की आबादी का मानक तय किया गया था, जिसमें दस फीसदी के अंतर की अनुमति थी। गत मार्च माह में राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जारी प्रारूप मतदाता सूची में वार्डों के बीच भारी असमानता देखी गई। वार्ड संख्या 25 में जहां 973 मतदाता थे, वहीं वार्ड संख्या 30 में केवल 217 मतदाता रह गए। याचिका में कहा गया कि मतदाताओं की यह असमानता सरकार के 10 प्रतिशत के नियम की अवहेलना करती है और संविधान के अनुच्छेद 14 व 243आर के तहत समान प्रतिनिधित्व के प्रावधान के भी खिलाफ है। याचिका में कहा गया कि वार्डों का विभाजन अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ा वर्ग को उचित अनुपात में रखे बिना किया गया है, जिससे कुछ मतदाताओं को दूसरों की तुलना में अधिक प्रतिनिधित्व मूल्य मिल गया है। जिसका विरोध करते हुए अतिरिक्त महाधिवक्ता जीएस गिल ने कहा कि हाईकोर्ट परिसीमन को लेकर गत 14 नवंबर को आदेश दे चुका है। ऐसे में याचिका को खारिज किया जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने जनहित याचिका को खारिज कर दिया है।

वनपाल सीधी भर्ती परीक्षा 28 जून को

जयपुर । राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर द्वारा 28 जून को आयोजित वनपाल सीधी भर्ती परीक्षा-2026 के सफल एवं सुचारू संचालन के लिए जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट जयपुर संदेश नायक के निर्देशानुसार जिला कलक्ट्रेट परिसर में जिला स्तरीय परीक्षा नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है।

जिला कलक्टर के आदेशानुसार परीक्षा को सफलतापूर्वक एवं निर्बाध रूप से संपन्न कराने के लिए नियंत्रण कक्ष 26 एवं 27 जून को प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक तथा 28 जून को प्रातः 9 बजे से परीक्षा समाप्ति एवं संबंधित समस्त कार्य पूर्ण होने तक संचालित रहेगा।

देवनानी ने किए गिरिराज के दर्शन

जयपुर । राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को श्री गोवर्धन धाम पहुंचकर दानघाटी स्थित मंदिर में श्री गिरिराज महाराज के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। उन्होंने प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति एवं कल्याण की कामना करते हुए गिरिराज महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया।

देवनानी ने श्रद्धापूर्वक दण्डवत प्रणाम कर गोवर्धन परिक्रमा का शुभारंभ किया तथा संपूर्ण परिक्रमा मार्ग पर श्रद्धा एवं भक्ति भाव से परिक्रमा की। इस दौरान उन्होंने सनातन संस्कृति एवं आध्यात्मिक परंपराओं के संरक्षण के संवर्धन के महत्व पर भी बल दिया। देवनानी ने कहा कि गोवर्धन धाम आस्था, भक्ति और आध्यात्मिकता का महत्वपूर्ण केंद्र है।

यहां की परिक्रमा व्यक्ति को आत्मिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा और ईश्वर के प्रति समर्पण की अनुभूति कराती है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण द्वारा धारण किए गए गिरिराज गोवर्धन भारतीय संस्कृति में प्रकृति संरक्षण, लोककल्याण और सनातन की रक्षा के प्रतीक हैं। इस अवसर पर मंदिर के संतों ने देवनानी को श्री गिरिराज महाराज का प्रसाद एवं आशीर्वाद प्रदान किया।

हेतुक दर्शित करने के लिए सूचना

(साधारण प्रारूप)

व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4

न्यायालयः SDO स्थान मौजमाबाद

मुकेश वर्मा विरूद्ध तहसीलदार

वाद/प्रार्थना पत्र 128 LR act

प्रार्थना-पत्र संख्या 36/2025

नाम ओमप्रकाश पुत्र डूंगाराम जाति खटीक पता राजोरिया भवन मण्डी खटीकान जयपुर, जिला जयपुर

उक्त प्रार्थी ने इस न्यायालय में पत्थरगढ़ी हेतु आवेदन किया है।

अतः आपको यह चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दि. 30 माह 06 सन् 2026 को 10.00 पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।

यह आज ता. 23 माह 06 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

आज्ञा से

(न्यायालय की मोहर) रीडर, उपा. खण्ड अधिकारी मौजमाबाद न्यायालय

राजस्थान आवासन मण्डल वृत-तृतीय

जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर -0141-4901853

क्रमांकः- 1828 **आम जाहिर सूचना** दिनांकः- 22.06.26

आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा आवास संख्या 1/ट/10 जवाहर नगर जयपुर, क्षेत्रफल 196.00 वर्ग गज का आवंटन कुमारी मोहिनी लालवानी पुत्री श्री करम चन्द को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 1730 दिनांक 06/04/1976 जारी किया गया था। उनके द्वारा आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 14/09/1976 को प्राप्त कर लिया गया था। कुमारी मोहिनी लालवानी की मृत्यु दिनांक 06/09/1993 को हो जाने के कारण कुमारी लाजवन्ती लालवानी पुत्री स्व. श्री करम चन्द लालवानी के द्वारा आवेदन पत्र के साथ जमा प्रशासनिक शुल्क की छाया प्रति, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र की प्रति, नोटरी पब्लिक द्वारा दिनांक 14/12/1992 को सत्यापित इच्छा पत्र (वसीयतनामा) की छाया प्रति एवं इच्छा पत्र में अंकित गवाहों का शपथ पत्र एवं पहचान पत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास का प्रतिस्थापन अपने पक्ष में करने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के प्रतिस्थापन के संबंध में किसी भी व्यक्ति/बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त कुमारी लाजवन्ती लालवानी पुत्री स्वश्री करम चन्द लालवानी के पक्ष में आवास के प्रतिस्थापन की कार्यवाही कर दी जावेगी। सम्पदा प्रबंधक, वृत तृतीय, रा. आ. मण्डल, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर

क्रमांक:1551 **जाहिर आम-सूचना** दिनांक:23.06.2026

राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 251/21 (HIG), (एरिया 202.300 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्रीमती बबीता पाहवा पत्नी श्री सुधीर पाहवा को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 5728 दिनांक 21.02.2008 को जारी किया गया। श्रीमती बबीता पाहवा के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 27.07.2010 को उप पंजीयक सांगानेर-प्रथम, जयपुर, के यहां पंजीकृत करवाये गये। श्रीमती बबीता पाहवा द्वारा उक्त आवास को दिनांक 06.08.2013 के द्वारा श्री प्रदीप कुमार तोलानी एचयुएफ जरिये कर्ता श्री प्रदीप कुमार तोलानी पुत्र स्व. श्री किशन चन्द तोलानी को विक्रय कर सब रजिस्ट्रार जयपुर पंचम, के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। श्री प्रदीप कुमार तोलानी एचयुएफ जरिये कर्ता श्री प्रदीप कुमार तोलानी द्वारा उक्त आवास को दिनांक 06.04.2018 के द्वारा श्री अशोक कुलहरि पुत्र श्री शेर सिंह को विक्रय कर उप पंजीयक जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। श्री अशोक कुलहरि द्वारा उक्त आवास को दिनांक 14.05.2024 के द्वारा श्री नरेन्द्र कुमार बंसल पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण बंसल को विक्रय कर उप पंजीयक - अष्टम, मानसरोवर, जयपुर, के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। क्रेता / केता श्री नरेन्द्र कुमार बंसल पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण बंसल द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवास में अपना नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्री नरेन्द्र कुमार बंसल पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण बंसल का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।

सम्पदा प्रबन्धक वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

मुहाना मंडी में फल व्यापारी पर हमला, लूट का प्रयास

जयपुर। मुहाना मंडी में मंगलवार दोपहर फल व्यापारी पर जानलेवा हमला और लूट के प्रयास का मामला सामने आया है। बदमाशों ने मंडी स्थित एक फल फर्म में घुसकर व्यापारी और उसके भाई पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। वारदात का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है।

पीड़ित महेंद्र सिंह ने मुहाना थाने में दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह मुहाना मंडी स्थित अपनी लक्ष्मी फ्रूट कंपनी के कार्यालय में बैठा था। इसी दौरान वृंदावन विहार कपूरावाला निवासी रोहिताश उर्फ राहुल करीब 20 साथियों के साथ वहां पहुंचा और विवाद करते हुए हमला कर दिया। आरोप है कि कई बदमाशों ने चेहरे कपड़े से ढंक रखे थे।

हमले में महेंद्र सिंह के भाई बलवीर सिंह के सिर पर डंडे से वार किया गया, जिससे उन्हें गंभीर चोट आई और सिर में 10 टांके लगाने पड़े। बीच-बचाव में महेंद्र सिंह भी घायल हो गए तथा उनके हाथ का अंगूठा टूट गया। उस समय कार्यालय में दिनभर की बिक्री के करीब छह लाख रुपए बैंक में जमा कराने की तैयारी चल रही थी। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि आरोपी नशे की हालत में थे और लूट की नीयत से आए थे।

शोर-शराबा होने पर अधिकांश हमलावर मौके से फरार हो गए, जबकि व्यापारियों ने मुख्य आरोपी रोहिताश को पकड़ लिया। घटना के विरोध में बड़ी संख्या में व्यापारी मुहाना थाने पहुंचे और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

COLLEGE OF AGRICULTURE

(S.K.N. AGRICULTURE UNIVERSITY)

Kumher, Distt. - Deeg, PIN- 321201, E-Mail : dean.coabharatpur@sknau.ac.in

No. :- F. /OT/COA-K/2026/7192 Date :- 20/06/2026

NOTICE INVITING BID

Bid for open tender regarding Kachha Farm Pond Digging are invited from interested bidders upto 12:00 PM of 27.06.2026 and the tender will be opened on 27.06.2026 at 01.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal **(http://sppp.raj.nic.in)** of the Rajasthan state; and **www.sknau.ac.in** University Website.

NIB code: SKN2627A0097 and UBN is: SKN2627SSRL00111

Raj.Samwad/C/26/5473 DEAN

कार्यालय भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर (राज.)

क्रमांक : भू.वि.शाखा/2026/9086 सार्वजनिक विज्ञप्ति दिनांक : 18.06.2026

प्राधिकरण की योजना एस.पी. जैड (मैडीकल कॉलेज) में आवासीय भूखण्ड संख्या H-22 (क्षेत्रफल-282.00 वर्गमीटर) की लीजडीड श्री मुकेश चन्द जैन पुत्र श्री रमेश चन्द जैन जाति वैश्य निवासी-हीरोपुक ऐजेन्सी के पीछे दुर्गा नगर कुम्हेर गेट भरतपुर तहसील व जिला भरतपुर को जारी की गई थी। प्राधिकरण द्वारा दस्तावेजों के आधार पर श्री मुकेश चन्द जैन पुत्र श्री रमेश चन्द जैन द्वारा उक्त भूखण्ड का रजिस्टर्ड मुख्त्यारनामा- आम दिनांक 11.05.2015 को श्री माधव मित्तल पुत्र स्व. श्री शिवचरन लाल मित्तल जाति वैश्य निवासी-घास की मण्डी पुरोहित मौहल्ला भरतपुर तहसील व जिला भरतपुर के पक्ष में कर दिया गया गया। श्री माधव मित्तल पुत्र स्व. श्री शिवचरन लाल मित्तल द्वारा उक्त भूखण्ड का विक्रय जरिये रजिस्टर्ड वयनामा दिनांक 20.10.2015 को श्री मनीष मित्तल पुत्र श्री मोहन लाल मित्तल जाति वैश्य निवासी-बजाज हाऊस नमक कटरा भरतपुर तहसील व जिला भरतपुर को कर दिया गया। श्री मनीष मित्तल पुत्र श्री मोहन लाल मित्तल द्वारा नाम परिवर्तन कराने हेतु ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर आवासीय भूखण्ड संख्या H-22 का नाम परिवर्तन श्री मनीष मित्तल पुत्र श्री मोहन लाल मित्तल के पक्ष में करने पर किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति सात दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करें, अन्यथा बाद गुजरने म्याद आवासीय भूखण्ड संख्या H-22 योजना एस.पी. जैड (मैडीकल कॉलेज) भरतपुर का नाम परिवर्तन श्री मनीष मित्तल पुत्र श्री मोहन लाल मित्तल जाति वैश्य निवासी-बजाज हाऊस नमक कटरा भरतपुर तहसील व जिला भरतपुर के पक्ष में कर दिया जावेगा।

उपायुक्त, भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर (राज.)

कार्यालय नगर परिषद, किशनगढ़ जिला - अजमेर (राज)

क्रमांक/नपकि/उद्यान/2026/10 दिनांक 19.06.2026

ई-निविदा सूचना संख्या 01/2026-2027

नगर परिषद किशनगढ की ओर से नगर परिषद किशनगढ एवं राजकीय विभाग में नियमानुसार निर्धारित श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्रों में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रकिया सेनगर परिषद क्षेत्र में लगे पार्को मे लगे पौधो की देखरेख व पानी पिलाने का कार्य हेतु बागवान आपूर्ति कार्य। हेतु ऑन लाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 20/06/2026 को प्रातः 09.00 बजे से तथा प्राप्त करने की दिनांक 30/06/2026 को सायं 06.00 बजे तक एवंनिविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in/ व https://eproc.rajasthan.gov.in/ पर देखी जा सकती है।

यूबीएन नं. DLB2627A3343

राज.संवाद/सी/26/5514 आयुक्त, नगर परिषद, किशनगढ

प्रसार शिक्षा निदेशालय

(श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय), जोबनेर, जिला-जयपुर (राजस्थान) 303329

No. :- DEE/Acctt/Tender/2026/384 Date :- 20/06/2026

खुली निविदा सूचना

प्रसार शिक्षा निदेशालय, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर पर चल रहे कार्यक्रमों एवं पाठ्यक्रमों के दौरान विभिन्न प्रशिक्षणों, मासिक बैठकों, संगोष्ठियों, क्षेत्र दिवसों एवं किसान मेलों में अधिकारियों, प्रशिक्षणार्थियों, किसानों एवं आमंत्रित सदस्यों के लिए नाश्ता, दोपहर व रात्रि भोजन के लिए दरें आमंत्रित की जाती है। निविदा सम्बन्धित सभी अर्हताएं एवं शर्ते निविदा प्रपत्र में दर्शायी गयी है कार्यालय सूचना पट्ट तथा विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.sknau.ac.in व http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। इच्छुक केटर्स, कैन्टीन मालिक, ढाबा व्यवसाई व हलवाई प्रसार शिक्षा निदेशालय से निविदा प्रपत्र निर्धारित शुल्क द्वारा दिनांक 01.07.2026 को दोपहर 1.00 बजे तक प्राप्त कर मोहरबंद निविदाएं निम्नानुसार कार्यालय में दिनांक 01.07.2026 को दोपहर 2.00 बजे तक प्रस्तुत कर सकता है।

UBN : SKN2627SSOB00192

राज.संवाद/सी/26/5471 निदेशक प्रसार शिक्षा

काम सिखाने के बहाने बुलाकर छात्र से दरिंदगी

जयपुर। राजधानी में एक बार फिर रिश्तों को शर्मसार करने वाली सनसनीखेज वारदात सामने आई है। स्कूल की गर्मियों की छुट्टियों में काम सिखाने के बहाने उत्तर प्रदेश से जयपुर लाए गए 9वीं कक्षा के एक 15 वर्षीय छात्र के साथ उसके ही परिचित युवक द्वारा कुकर्म करने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित नाबालिग की सजगता और पुलिस की तत्परता से आरोपी को गिरफ्तार कर सोमवार को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत (जेल) भेज दिया गया है।

पुलिस के अनुसार मूल रूप से उत्तर प्रदेश का रहने वाला पीड़ित छात्र गर्मियों की छुट्टियां होने के कारण घर पर था। आरोपी परिचित ने उसके परिजनों को झांसा दिया कि वह बच्चे को जयपुर ले जाकर कोई अच्छा काम सिखा देगा। परिजनों ने आरोपी पर भरोसा कर अपने मासूम बेटे को उसके साथ जयपुर भेज दिया।

दर्ज शिकायत के मुताबिक बीते 20 जून को दोपहर करीब 12 बजे आरोपी युवक ने कमरे पर छात्र को अकेला पाकर उसके साथ अश्लील

- पुलिस ने मामले में तुरन्त कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया

हरकतें की और कुकर्म (गलत काम) किया। नाबालिग ने जब इसका कड़ा विरोध किया, तो आरोपी ने उसे किसी को कुछ न बताने के लिए डराया-धमकाया। इसके बाद सहमा हुआ मासूम किसी तरह आरोपी के चंगुल से छूटकर कमरे से बाहर भागा और सड़क पर चलते राहगीरों से रास्ता पूछकर सीधे पुलिस स्टेशन पहुंच गया। मासूम की आपबीती सुनने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत पॉक्सोएक्ट व अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए पीड़ित का मेडिकल मुआयना करवाया और तत्काल दबिश देकर आरोपी परिचित युवक को धर-दबोच कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे सीधे जेल भेज दिया गया है। पुलिस मामले की आगे की कड़ियों को जोड़ते हुए गहन जांच कर रही है।

अलवर की 16 पंचायत समितियों में 4.65 करोड़ के गबन का मामला सामने आया

300 से अधिक पूर्व सरपंच और पूर्व उप सरपंचों के चुनाव लड़ने पर संकट मंडराया

- पूर्व सरपंच व पूर्व उप सरपंच पर विकास कार्य के लिए भेजी राशि को गबन करने का आरोप है
- पंचायत चुनावों से ठीक पहले अलवर जिला परिषद ने भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया, सभी को नोटिस जारी किए

अलवर, (निसं)। प्रदेश में पंचायत चुनावों से ठीक पहले अलवर जिला परिषद ने भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। 16 पंचायत समितियों में विकास कार्यों के बजट में करीब 4.65 करोड़ रुपये के गबन का मामला सामने आया है। इसके चलते 300 से अधिक पूर्व सरपंच और पूर्व उप सरपंचों के चुनाव लड़ने पर संकट मंडरा गया है।

अलवर और खैरथल-तिजारा जिला समेत बहरोड़ के 300 से अधिक पूर्व सरपंच व पूर्व उप सरपंच आगामी पंचायत चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। इन पर विकास कार्य के लिए भेजी गई राशि को गबन करने का आरोप है। अलवर जिला परिषद की ओर से इन सभी को नोटिस जारी किए गए हैं, जिसमें कहा गया है कि ये जब तक गबन की राशि जमा नहीं कराएंगे, तब तक इनको चुनाव लड़ने के लिए एनओसी (अनापत्ति प्रमाण-पत्र) नहीं दी जाएगी। गबन की राशि जमा न कराने पर प्रॉपर्टी भी सीज की जा सकती है।

गौरतलब है कि पिछले 20 साल में गांवों के विकास के लिए केंद्र व प्रदेश सरकार से करोड़ों रुपए भेजे। यह राशि ग्राम पंचायतों के खाते में पहुंची, तो जनप्रतिनिधियों ने इसे ठिकाने लगाना शुरू कर दिया। ऑडिट में खुलासा हुआ कि 16 पंचायत समितियों के 633 मामले ऐसे हैं, जिन्होंने 4.65 करोड़ रुपए का गबन किया गया। ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार, रामगढ़ व लक्ष्मणगढ़ पंचायत समिति से जुड़ी ग्राम पंचायतों में 4 करोड़ रुपए से अधिक का गबन हुआ। कार्रवाई की जद में आ रहे सभी पूर्व सरपंचों व पूर्व उप सरपंचों से वसूली करने की संस्तुति की गई थी। शुरुआत में इनमें से कुछ ने राशि जमा कर दी, लेकिन शेष ने अब तक ऐसा नहीं किया। अब ये सभी पंचायती राज चुनाव की तैयारी में जुटे हैं। इसी बीच जिला परिषद की ओर से नोटिस जारी होने से इनकी नींद उड़ी हुई है। एनओसी नहीं मिलेगी, तो ये चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। पिछले 20 साल के दौरान ग्राम पंचायतों और पंचायत समितियों में 50 हजार से अधिक के 602 गबन और 50 हजार रुपए से अधिक के 31 गबन के मामले सामने आए थे। कुछ मामलों में वसूली हुई, जो बहुत कम राशि की है। इस दौरान 20 साल तक जिला परिषद के एक-दो ही अधिकारियों ने पत्राचार किया, लेकिन एक्शन किसी ने नहीं लिया गया।

पंचायती राज विभाग के एक रिटायर्ड अधिकारी रोहित सिंह के मुताबिक, वसूली से बचने के लिए ज्यादातर पूर्व सरंपच व उप सरपंच अपने ही परिवार के दूसरे सदस्य को चुनाव में खड़ा कर देते हैं।

सालुखे गौरव रविंद्र, सीईओ, जिला परिषद का कहना है कि ऑडिट टीम की संस्तुति के आधार पर गबन के मामलों में वसूली होगी। इन सभी को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। जरूरत पड़ने पर संपत्ति भी सीज़ होगी। चुनाव से पहले यदि गबन करने वाले एनओसी मांगेंगे, तो बिना राशि जमा किए, एनओसी जारी नहीं की जाएगी।

झुंझुनूं में 11 केवी विद्युत लाइन की चपेट से मिस्त्री की मौत

- निर्माणाधीन भवन की छत पर दीवार निर्माण कार्य के दौरान मिस्त्री को करंट लग गया था
- मांगों को लेकर बनीं सहमति, परिजनों को 23.50 लाख की सहायता और नौकरी का आश्वासन मिला

झुंझुनूं, (निसं)। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित अणगासर रोड पर मंगलवार को हुए दर्दनाक हादसे में 11 केवी विद्युत लाइन की चपेट में आने से मिस्त्री रतन नायक (45) की मौत हो गई। निर्माणाधीन भवन की छत पर दीवार निर्माण कार्य के दौरान करंट लगने से रतन नायक तेज धमाके के साथ करीब 16 फीट नीचे गली में बने नाले में जा गिरा। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें बाहर निकालने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल बन गया। शव को बीडीके अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया, जहां परिजन मुआवजे और कार्रवाई की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए। इस दौरान राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के नेता राजेंद्र फौजी ने परिजनों के साथ खड़े होकर प्रशासन और संबंधित विभागों से वार्ता की तथा मृतक परिवार को राहत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

धरने के दौरान राजेंद्र फौजी के नेतृत्व में प्रशासनिक अधिकारियों एवं बिजली विभाग के प्रतिनिधियों के साथ लंबी वार्ता हुई। वार्ता के बाद मृतक के परिजनों को विभिन्न योजनाओं एवं विभागों के माध्यम से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने पर सहमति बनी। समझौते के अनुसार मृतक के परिवार को बिजली विभाग की ओर से 11 लाख रूपए, चिरंजीवी योजना के तहत 5 लाख रूपए, मजदूर कार्ड योजना से 5 लाख रूपए तथा जिस व्यक्ति के यहां रतन नायक कार्यरत थे उसकी ओर से 2.50 लाख रूपए की सहायता राशि दी जाएगी। इसके अलावा तहसीलदार महेंद्र मूंड ने मृतक के परिवार के एक सदस्य को योग्यता के अनुसार संविदा अथवा उपलब्ध अवसर पर रोजगार दिलाने का आश्वासन दिया।

राजेंद्र फौजी ने बिजली विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि संबंधित दुकान मालिक ने कई बार मौखिक रूप से जेईएन को बिजली लाइन के खतरे की जानकारी दी थी, लेकिन विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते शिकायतों पर ध्यान दिया जाता तो एक परिवार का सहारा नहीं छिनता। फौजी ने मामले की निष्पक्ष जांच कर संबंधित जेईएन और लाइनमैन के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि बार-बार होने वाले ऐसे हादसे विभागीय उदासीनता का परिणाम हैं। उन्होंने कहा कि हादसे के बाद कुछ दिनों तक सक्रियता दिखाई जाती है, लेकिन फिर व्यवस्थाएं पुराने ढर्रे पर लौट जाती हैं।

झील में डूबने से एक व्यक्ति की मौत

अजमेर, (कासं)। आनासागर झील की चौपाटी के पास पानी में डूबने से सागर कॉलोनी निवासी जतिन जोसवा की मौत हो गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची सिविल डिफेंस की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शव को पानी से बाहर निकाला और पुलिस के सुपुर्द किया। सिविल डिफेंस अजमेर की टीम ने बताया कि कंट्रोल रूम पर सूचना दी गई थी कि डेमो स्कूल के ठीक सामने स्थित चौपाटी पर एक व्यक्ति पानी की तरफ आगे बढ़ रहा था, जिसे पानी में गिरते हुए देखा गया। इस सूचना पर सिविल डिफेंस की रेस्क्यू टीम तुरंत हरकत में आई और बिना समय गंवाए मौके पर पहुंची। टीम ने घटनास्थल पर पहुँचने के साथ ही संबंधित थाना पुलिस को भी मामले की जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस बल भी मौके पर पहुंच गया। सिविल डिफेंस के जवानों ने पानी में खोजबीन कर डूबे हुए व्यक्ति के शव को सुरक्षित बाहर निकाला। रेस्क्यू टीम को मृतक के पास से उसका मोबाइल फोन बरामद हुआ है। पुलिस और सिविल डिफेंस ने मोबाइल के जरिए मृतक के परिजनों से संपर्क कर उन्हें हादसे की जानकारी दी और मौके पर बुलाया।

राजकीय जिला अस्पताल पावटा में भर्ती 6 प्रसूताओं का स्वास्थ्य सामान्य : खींवसर

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने मंगलवार को कहा कि जोधपुर में पावटा जिला अस्पताल और एम्स में भर्ती प्रसूताओं के उपचार में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि पावटा जिला अस्पताल में भर्ती 6 प्रसूताओं का स्वास्थ्य सामान्य है और एम्स में भर्ती हाई डायबिटीज एवं ब्लड प्रेशर की प्रसूता और पीलियाग्रस्त प्रसूता का स्वास्थ्य स्थिर है तथा सभी प्रसूताओं की 24 घंटे स्वास्थ्य एवं उपचार की मॉनिटरिंग की जा रही है।

खींवसर ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा पूरे प्रकरण को संवेदनशीलता के साथ मॉनिटर किया जा रहा है। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने सोमवार देर रात जोधपुर पहुंचकर भर्ती सभी प्रसूताओं के स्वास्थ्य एवं उपचार की प्रगति की जानकारी ली है और प्रसूताओं के पूरे प्रकरण की तथा स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं तथा मरीजों और उनके परिजनो से मुलाकात कर कुशलक्षेम पूछी तथा उन्हें राज्य सरकार की ओर से सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए आश्वस्त किया तथा भरोसा दिलाया कि उपचार में किसी भी प्रकार की शिथिलता नहीं बरती जाएगी।

उन्होंने बताया कि नागौर और डीडवाना में प्रसूताओं के दोनों प्रकरणों की रिपोर्ट विस्तार से प्राप्त की है। उपलब्ध तथ्यों और चिकित्सकीय रिपोर्ट के आधार पर किसी भी प्रकार की चिकित्सीय लापरवाही सामने नहीं आई है। नागौर की प्रसूता रुकमा देवी की डिलीवरी सफलतापूर्वक संपन्न हुई थी तथा प्रसव के बाद माता और शिशु दोनों का स्वास्थ्य सामान्य था। बाद में अचानक सीने में दर्द की शिकायत होने पर चिकित्सकों ने तत्काल आवश्यक उपचार देते हुए उन्हें उच्च चिकित्सा केंद्र के लिए रेफर किया, लेकिन दुर्भाग्यवश रास्ते में उनका निधन हो गया। चिकित्सकों के अनुसार प्रारंभिक तौर पर परिस्थिति में तत्काल प्रसव कराना जोखिमपूर्ण हो सकता था। दुर्भाग्यवश प्रसव से पूर्व ही उनका निधन हो गया।

उन्होंने बताया कि हमारे चिकित्सा संस्थान प्रदेशभर में हमेशा आमजन की सेवा के लिए निरंतर कार्यरत हैं। हमारे चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों के प्रति जनता के भरोसे का ही परिणाम है कि प्रतिदिन हजारों मरीज सरकारी चिकित्सा संस्थानों में उपचार प्राप्त कर रहे हैं। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में हमारे संस्थानों में प्रसव की सफलता दर 99.99 प्रतिशत है, जो हमारी चिकित्सा व्यवस्था की गुणवत्ता, चिकित्सकों की दक्षता और समर्पण को दर्शाती है। राज्य सरकार प्रत्येक मामले की पूरी संवेदनशीलता, पारदर्शिता और तथ्यात्मक आधार पर समीक्षा करती है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने जोधपुर में पावटा जिला अस्पताल और एम्स में भर्ती प्रसूताओं के उपचार को लेकर समीक्षा की।

- जोधपुर में पावटा जिला अस्पताल और एम्स में भर्ती प्रसूताओं के उपचार में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी : चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर
- हाई डायबिटीज प्रसूता एवं पीलिया ग्रस्त प्रसूता का एम्स में उपचार जारी, स्वास्थ्य स्थिर : खींवसर

शादी का झांसा देकर युवती से चार साल तक दुष्कर्म

अजमेर, (कासं)। कोतवाली थाना क्षेत्र में एक युवती से शादी का झांसा देकर लंबे समय तक दुष्कर्म करने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जानकारी देते हुए ड्यूटी ऑफिसर एएसआई रामधन मीणा ने बताया कि 22 जून को पीड़िता ने थाने में उपस्थित होकर एक लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई।

पीड़िता के अनुसार लगभग 4 साल पहले उसके पड़ोसी ने उससे दोस्ती की थी। इसके बाद आरोपी ने उसे शादी का झांसा देकर उसके साथ लगातार अनैतिक कार्य किया। पीड़िता की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की विस्तृत अनुसंधान थानाधिकारी अनिल देवड़ा द्वारा की जा रही है। एएसआई रामधन मीणा ने बताया कि मामला दर्ज होने के बाद एक महिला पुलिस अधिकारी द्वारा पीड़िता के बयान दर्ज कर लिए गए हैं। साथ ही पीड़िता का मेडिकल मुआयना भी करवा दिया गया है। पुलिस अब पीड़िता के धारा 183 के तहत न्यायालय के समक्ष बयान दर्ज कराने की प्रक्रिया पूरी कर रही है।

पुलिस के अनुसार पीड़िता की वर्तमान आयु 20 वर्ष है और वह अभी बालिग है। चूंकि यह घटना पिछले 4 वर्षों से लगातार हो रही थी, इसलिए घटना की शुरुआत के समय पीड़िता नाबालिग थी, यही कारण है कि मामले में पॉक्सो एक्ट की गंभीर धाराएं जोड़ी गई हैं। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है।

जाली नोट गिरोह का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

आरोपियों से 22 लाख 2 हजार के नकली नोट बरामद हुए थे

बीकानेर, (निसं) कोटगेट थाना पुलिस ने तीन साल से फरार चल रहे जाली नोट गिरोह के मास्टरमाइंड रामावतार शर्मा को गिरफ्तार किया है।

एसएचओ ने बताया कि साल, 2023 में पुलिस ने जाली नोट गिरोह का पर्दाफाश कर 22 लाख के जाली नोट बरामद किये थे। इस मामले में छह अभियुक्तों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपी रामवतार निवासी सारोठिया चुरू फरार चल रहा था। रविवार को आरोपी की लोकेशन ट्रेस होने पर पुलिस ने टीम ने उसे गिरफ्त में ले लिया। आरोपी को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया गया है। इस मामले में लूणकरणसर निवासी साहिल खान, सोनू उर्फ संदीप कुमार शर्मा, रामनिवास, बामनवाली निवासी प्रदीप सारस्वत, कालू निवासी राहुल सारस्वत और सेरूणा निवासी बंशीधर उर्फ जॉर्डन को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भिजवाया जा चुका है। कार्रवाई के दौरान आरोपियों से 22 लाख 2 हजार के नकली नोट बरामद हुए थे।

महिला की मौत

अजमेर, (कासं)। बकरा मंडी के सामने झाड़ियों में एक अज्ञात महिला अचेत अवस्था में पाई गई। महिला की हालत बेहद नाजुक थी और उसके मुंह से झाग निकल रहा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने महिला को अस्पताल पहुंचाने का प्रयास किया, लेकिन रास्ते में महिला ने दम तोड़ दिया। एएसआई रामदेव ने बताया कि सूचना मिली थी कि झाड़ियों में एक महिला बेहोश पड़ी है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। महिला तेज धूप के बीच झाड़ियों में पड़ी हुई थी। मौके पर मौजूद बकरी चराने वाले स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया कि यह महिला काफी समय से वहीं आसपास बैठी हुई थी और मानसिक रूप से कुछ विचलित लग रही थी। स्थानीय लोगों ने भी उसे पानी पिलाया था। फिलहाल महिला की पूरी तरह से शिनाख्त नहीं हो पाई है।

बालोतरा में रेवेन्यू इंस्पेक्टर बीस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

बालोतरा, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो बाडमेर की टीम ने मंगलवार को कार्रवाई करते हुए बालोतरा जिले के गुडामालानी क्षेत्र में तैनात नए नगर के रेवेन्यू इंस्पेक्टर नारायणलाल को 20 हजार 500 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

- नामांतरण प्रक्रिया पूरी करने के एवज में रिश्वत मांगी थी

जानकारी के अनुसार आरोपी रेवेन्यू इंस्पेक्टर ने एक मामले में नामांतरण (नेखमबंदी) की प्रक्रिया पूरी करने के एवज में परिवादी से रिश्वत की मांग की थी। शिकायत का सत्यापन होने के बाद एसीबी ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए खडाली गांव में ट्रैप ऑपरेशन अंजाम दिया। कार्रवाई के दौरान आरोपी को रिश्वत की राशि स्वीकार करते हुए रंगे हाथों दबोच लिया। यह कार्रवाई बाडमेर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरेंद्र कुमार अणखिया के नेतृत्व में की गई। ट्रैप के बाद टीम आरोपी से पूछताछ कर रही है तथा उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच जारी है और आरोपी की आय से अधिक संपत्ति सहित अन्य पहलुओं की भी जांच की जाएगी।

एसीबी टीम ने रेवेन्यू इंस्पेक्टर नारायणलाल को गिरफ्तार किया।

अजमेर में चलती रोडवेज बस में आग लगी, 37 यात्रियों को बचाया

प्राथमिक तौर पर आग लगने का कारण इंजन में हुआ शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है

अजमेर, (कासं)। किशनगढ़ थाना क्षेत्र में परासिया पुलिया के पास एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। अराईं से अजमेर जा रही राजस्थान रोडवेज की एक चलती बस में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने इतना विकराल रूप धारण कर लिया कि पूरी बस आग का गोला बन गई। गनीमत यह रही कि बस चालक की सूझबूझ से गाड़ी में सवार सभी 37 यात्रियों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राजस्थान रोडवेज की बस यात्रियों को लेकर अराईं से अजमेर की ओर आ रही थी। इसी दौरान परासिया पुलिया के पास अचानक बस के इंजन से तेज धुआं उठने लगा। ड्राइवर ने तुरंत गाड़ी को सड़क किनारे रोका और यात्रियों को नीचे उतरने के लिए कहा। यात्रियों के उतरते ही आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। अजमेर फायर ब्रिगेड के लीडिंग फायरमैन भानु सिंह ने बताया कि प्राथमिक तौर पर आग का कारण इंजन में हुआ शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। इंजन में चिंगारी उठने के बाद आग तेजी से पीछे की तरफ फैल गई। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर हड़कंप मच गया। तुरंत अजमेर और किशनगढ़ फायर स्टेशन को सूचित किया गया। आग की गंभीरता को देखते हुए किशनगढ़ से दो, अजमेर से एक और हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड से एक दमकल की गाड़ी को मौके पर भेजा गया। फायर फाइटर्स ने करीब चार गाड़ियों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया। हालांकि, तब तक बस जलकर पूरी तरह खाक हो चुकी थी।

माण्डलगढ़ में 60 टन बजरी के स्टॉक सहित जेसीबी व बजरी से भरा डंपर जब्त

पुलिस कार्रवाई के दौरान दोनों वाहनों के चालक मौके से फरार हो गये

- कार्रवाई के दौरान सामने आया कि बजरी माफिया ने रोब दिखाने के लिए डंपर पर सरपंच, बाजीगर, बगड़ावत जैसे शब्द लिखा रखे हैं
- बनास नदी से अवैध खनन कर ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से लाकर सुनसान जगह पर बजरी का स्टॉक किया था

माण्डलगढ़, (निसं)। अवैध खनन और बजरी परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत माण्डलगढ़ थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक जेसीबी मशीन और बजरी से भरा डंपर जब्त किया है। वहीं मौक़े पर करीब 60 टन बजरी के स्टॉक को भी जब्त किया गया है। पुलिस की दबिश के दौरान दोनों वाहनों के चालक मौके का फायदा उठाकर फरार हो गए, जिनकी तलाश की जा रही है। वाहनों को थाने तक लाने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस ने एमएमडीआर एक्ट में मामला दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई के लिए खनिज विभाग को सूचना दी है।

माण्डलगढ़ थानाधिकारी घनश्याम मीणा ने बताया कि गश्त के दौरान श्यामगढ़ पंचायत के पदमपुरा गांव के पास सरकारी भूमि में अवैध बजरी के स्टॉक पर जेसीबी मशीन से डंपर में बजरी भरे जाने की सूचना मिली। पुलिस टीम मौके पर पहुंची। इस दौरान एक जेसीबी मशीन और बजरी से भरा डंपर मिला, जिन्हें जब्त कर लिया गया। कार्रवाई के दौरान दोनों वाहन चालक मौके से फरार हो गए। जब्त वाहनों को थाने लाने के लिए पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस ने एमएमडीआर एक्ट के तहत मामला दर्ज कर फरार वाहन चालकों की तलाश में जुटी है।

कार्रवाई के दौरान यह भी सामने आया कि जब्त किए गए डंपर पर परिवहन नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही थीं। डंपर के पीछे निर्धारित स्थान पर वाहन का पंजीयन नम्बर तक अंकित नहीं था। इसके अलावा वाहन पर सरपँच, बाजीगर, मस्त गुर्जर और बगड़ावत जैसे बड़े-बड़े स्लोगन लिखे हुए थे, जो सड़क परिवहन नियमों के विपरीत पाए गए।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वाहन मालिकों और चालकों की पहचान की जा रही है। अवैध खनन, खनिज परिवहन और मोटर वाहन अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी। जब्त वाहन चित्तौड़गढ़ परिवहन कार्यालय से पंजीयन होने से बजरी का अवैध धंधा करने वाले सम्भवत बेगूं थाना क्षेत्र के बताए जा रहे हैं। फरार चालकों की तलाश के लिए पुलिस टीम जुटी हुई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बनास नदी में अवैध खनन कर ट्रैक्टरों से परिवहन के जरिए बजरी को यहां लाकर स्टॉक किया जाता है और यहां से डंपर, ट्रेलर में बजरी को भरकर मध्यप्रदेश और कोटा झालावाड़ तक पहुंचाया जाता है। ग्रामीणों ने बजरी स्टॉक हटाने की मांग की है।

डी.एल.एड. प्रथम वर्ष परीक्षा 30 से

बीकानेर, (निसं)। पंजीयक, शिक्षा विभागीय परीक्षाएं, बीकानेर द्वारा डी.एल.एड. प्रथम वर्ष परीक्षा-2026 का आयोजन 30 जून से 11 जुलाई तक किया जाएगा। छात्राध्यापक अपने प्रवेश पत्र शाला दर्पण आईडी के माध्यम से 22 जून से प्राप्त कर सकते हैं। प्रवेश पत्र प्राप्त करने के बाद परिक्षार्थियों को संस्था प्रधान से काउंटर हस्ताक्षर करवा परीक्षा में शामिल होना सुनिश्चित करना होगा।

कार्यालय नगर पालिका देई जिला बून्दी राज.
Email ID - deinagarpalika@gmail.com Ph. No. 07437294241
क्रमांक: न.पा.देई./26-27/678 दिनांक 20.06.2026
संशोधन पत्र
पालिका पत्रांक 551 दिनांक 04.06.2026 के द्वारा जारी आपत्ति विज्ञप्ति में आपत्ति दर्ज कराने की अवधि 3 दिवस के स्थान पर 7 दिवस बढी जायें।
राज.संवाद/सी/26/5435 अधिशाषी अधिकारी

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर
क्रमांक :- अविप्रा/प.2/तकनीकी/2026-27/राजकाज 22853806 दिनांक :- 19/06/2026
ई-निविदा सूचना संख्या 12-13/2026-27
अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर की ओर से विभिन्न कार्यों अनुमानित लागत राशि रु. 596.33 लाख की ई-निविदा 12 क्रम संख्या (1-3) दिनांक 29.06.2026 एवं ई-निविदा 13 क्रम संख्या (1) दिनांक 13.07.2026, एवं क्रम संख्या (2) दिनांक 02.07.2026 सांय 06:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in http://www.urban.rajasthan.gov.in/ada पर देखा जा सकता है।
UBN : NIT 12 - AJD2327SLOB00064, SSOB00065, WSOB00066 &
NIT 13 - AJD2627WSOB00067, AJD2627SLOB00068
राज.संवाद/सी/26/5462 अधिशाषी अभियन्ता

भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर
क्रमांक :- लेखा/भ.वि.प्रा./2026-27/9069 - 80 दिनांक :- 18/06/2026
ऑनलाईन निविदा सूचना सं. 22/2026-27
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भरतपुर विकास प्राधिकरण, में उपयुक्त श्रेणी एवं विभिन्न विभागों में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से कुल 04 कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।
उक्त कार्यों का विस्तृत विवरण, निविदा शर्तें, अनुमानित लागत राशि, निविदा बेचने, प्राप्त करने एवं खोलने की दिनांक आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, https://bda.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in portal पर देखा जा सकता है।
निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का संशोधन http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in portal का अवलोकन करें।
UBN विवरण : WAQ2627WSOB00067 To WAQ2627WSOB00070
राज.संवाद/सी/26/5458 अधिशाषी अभियन्ता

कार्यालय नगर परिषद् बाड़मेर (राज.)
E-mail : mbbarmerraj@gmail.com PH. NO. 02982-220098
क्रमांक : एफ-15/विकास/2026-27/2508 दिनांक : 16.06.2026
ई-निविदा सूचना संख्या - 10/2026-27
नगर परिषद् बाड़मेर की ओर से केन्द्र व राज्य सरकार के विभिन्न विभागों, उपक्रमों, संस्थानों में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान के नवीन नियमों के अन्तर्गत उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत एवं मान्यता प्राप्त समकक्ष श्रेणी की फर्मो/ठेकेदारों से 18 निर्माण कार्य के लिये मोहरबन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती है। उक्त निर्माण कार्यों निविदा फार्म दिनांक 22.06.2026 से दिनांक 13.07.2026 तक ऑन लाईन प्राप्त की जाकर दिनांक 14.07.2026 को उपापन समिति के समक्ष खोली जायेगी। निविदा को इलेक्ट्रोनिक फॉरमेट में वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर जमा करानी होगी। उपरोक्त निविदा सूचना के संबंध में समस्त जानकारी/विवरण/शर्तें राज्य सरकार की वेबसाईट https://sppp.rajasthan.gov.in Or http://eproc.rajasthan.gov.in पर भी देखी जा सकती हैं।
NIB CODE : DLB2627A3230
राज.संवाद/सी/26/5486 आयुक्त नगर परिषद, बाड़मेर

कार्यालय नगरपालिका मण्डल बसेडी, धौलपुर (राज.)
Email id :- baseri.jaipur21@gmail.com
क्रमांकः- न.पा.ब./स्टोर/2026-27/1084 दिनांकः- 18.06.2026
पुनः नीलामी सूचना
नगरपालिका क्षेत्र बसेडी द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु पशुहाट की नीलामी निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है:-

क्र. सं.	कार्य का नाम	न्यूनतम सरकारी बोली	निविदा में भाग लेने का शुल्क	अमानत राशि	अमानत शुल्क व निविदा में भाग लेने की शुल्क की दिनांक	ई-ऑक्शन पोर्टल पर बोली की दिनांक
1	पशु हाट ठेका	16.00 लाख	5000/-रू.	32000/-रू.	19.06.2026 से 28.06.2026 तक	29.06.2026 प्रातः 10.00 बजे से सांय 06.00 बजे तक

उक्त नीलामी ऑनलाईन ई-ऑक्शन पोर्टल से की जावेगी जिसकी लिंक https://lsgeauction.rajasthan.gov.in है।
राज.संवाद/सी/26/5385 अधिशाषी अधिकारी

फायर एन.ओ.सी. के बिना संचालित 17 कोचिंग सहित 25 संस्थान सील

नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि अब तक 1250 से अधिक संस्थानों को नोटिस जारी किए जा चुके हैं, जबकि शेष के खिलाफ भी कार्रवाई जल्द होगी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । भवनों में आग लगने की बढ़ती घटनाओं के बाद नगर निगम प्रशासन ने बिना अग्निशमन अनापत्ति प्रमाण-पत्र (फायर एनओसी) के संचालित संस्थानों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। निगम के सर्वे में जयपुर शहर में 1300 से अधिक संस्थान बिना फायर एनओसी के संचालित पाए गए हैं, जिनमें बड़ी संख्या कोचिंग संस्थानों, लाइब्रेरी और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की है।

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार अब तक 1250 से अधिक संस्थानों को नोटिस जारी किए जा चुके हैं, जबकि शेष के खिलाफ भी कार्रवाई की प्रक्रिया जारी है। हाल ही में खोह नागोरियान स्थित पटाखा गोदाम में आग लगने से आठ लोगों की मौत और लखनऊ में एक कोचिंग संस्थान में आग लगने की घटना के बाद निगम ने अभियान और तेज कर दिया है। अभियान के तहत मंगलवार को शहर में 25 संस्थानों को सील किया गया, जिनमें 17 कोचिंग संस्थान और लाइब्रेरी शामिल हैं।

निगम के मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ-2) देवेंद्र मीणा ने बताया कि उनके क्षेत्र में करीब 600 संस्थान बिना फायर एनओसी के संचालित पाए गए हैं। सभी को नोटिस जारी किए जा चुके हैं और आगामी दिनों में इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि मंगलवार को दो कोचिंग संस्थानों सहित 10 विभिन्न संस्थानों को सील किया गया। गोपालपुरा क्षेत्र में भी दो कोचिंग संस्थानों पर कार्रवाई की गई। वहीं मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ-1) गौतम ने बताया कि शहरभर में 1250 से अधिक भवन स्वामियों को बिना फायर एनओसी के व्यवसाय संचालन को लेकर नोटिस जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि आगामी समय में नियमों की अवहेलना करने वाले सभी संस्थानों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उनके क्षेत्र में मंगलवार को 15 से अधिक संस्थानों को सील किया गया। नगर निगम प्रशासन का कहना है कि नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बिना अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन किए संचालित किसी भी संस्थान को बख्शा नहीं जाएगा।

नगर निगम प्रशासन ने गोपालपुरा बाईपास क्षेत्र में बिना फायर एनओसी संचालित कोचिंग संस्थानों से बच्चों को बाहर निकालकर सभी को सीज किया। फोटो-राष्ट्रदूत

फायर सेफ्टी उपकरण नहीं लगाने पर देना होगा 50 हजार रु. जुर्माना

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । फायर सेफ्टी उपकरण नहीं होने पर सील बिल्डिंगों को राज्य सरकार ने राहत दी है। सरकार ने आदेश जारी करके ऐसी बिल्डिंग को जिन्हें नगरीय निकायों (नगर निगम, नगर परिषद या नगर पालिका) ने फायर एनओसी या फायर उपकरण नहीं होने पर सील कर रखा है। इन्हें तीन दिन में डी-सील किया जा सकेगा।

स्वायत्त शासन निदेशालय (डीएलबी) ने तीन दिन पहले आदेश जारी करके ऐसे भवनों को छूट दी है। दरअसल पिछले कुछ समय से प्रदेश के कई बड़े शहरों में रेस्टोरेंट, होटल समेत अन्य कॉमर्शियल एक्टिविटी वाले भवनों को सील किया। इनमें न तो फायर सेफ्टी उपकरण थे और न उनके पास फायर एनओसी। भवन मालिक को अपने भवन में फायर सेफ्टी उपकरण लगवा कर उसका नगरीय निकाय की फायर सेफ्टी विंग से निरीक्षण करवाना होगा। अगर 30 दिन में फायर सेफ्टी नहीं लगवाए जाते तो निकाय उस भवन को दोबारा सील कर सकेगी।

- **स्वायत्त शासन विभाग ने आदेश जारी किए हैं कि, "ऐसी बिल्डिंग को जिन्हें नगरीय निकायों ने फायर एनओसी या फायर उपकरण नहीं होने पर सील कर रखा है, उन्हें 3 दिन में डी-सील किया जा सकेगा।"**
- **हालांकि अगर 30 दिन में इन इमारतों में फायर सेफ्टी उपकरण नहीं लगवाए जाते तो संबंधित निकाय उस भवन को दोबारा सील करेगी।**

दिल्ली में आगजनी की घटना के बाद के बाद पिछले दिनों राजधानी जयपुर में कुछ बड़े रेस्टोरेंट, क्लब, बार आदि सील किए गए।

फायर एनओसी और पर्याप्त फायर फाइटिंग उपकरण नहीं होने के कारण इन्हें सील किया गया। डी-सील की अवधि 30 दिन की होगी। 30 दिन तक भवन मालिक अपने भवन में फायर सेफ्टी उपकरण लगवा कर उसका नगरीय निकाय की फायर सेफ्टी विंग से निरीक्षण करवाएगा। अगर 30 दिन में फायर सेफ्टी नहीं लगवाए जाते तो निकाय उस भवन को दोबारा सील करेगी।

राज्य सरकार के आदेशों में डी-सील की अवधि के दौरान रेस्टोरेंट, क्लब, होटल, बार इत्यादि में कॉमर्शियल एक्टिविटी पर रोक रहेगी। इस दौरान अगर किसी भवन में कॉमर्शियल एक्टिविटी होती मिली, तो उसे तुरंत सील करने की कार्रवाई की जाएगी। 30 दिन में सभी फायर सेफ्टी उपकरण लगाने, उसका इंस्पेक्शन (जांच) करवाकर फायर एनओसी जारी करवाने के बाद ही कॉमर्शियल गतिविधि शुरू की जा सकेगी।

5 जुआरियों संग दो कुख्यात बदमाश गिरफ्तार

- **हिस्ट्रीशीटर तेजपाल 52 पव्वों के साथ गिरफ्तार**
- **22 मुकदमों वाला विक्की सांसी भी दबोचा**

जयपुर (कासं)। जयपुर दक्षिण जिले में अपराधियों, जुआरियों और अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत श्याम नगर थाना पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाइयों में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने एक होटल में चल रहे जुआ रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए पांच जुआरियों को गिरफ्तार किया, वहीं दो कुख्यात हिस्ट्रीशीटरों को भारी मात्रा में अवैध शराब के साथ दबोच लिया।

पुलिस उपायुक्त (जयपुर दक्षिण) राजर्षि राज ने बताया कि विशेष पुलिस आयुक्त (ऑपरेशन्स) ओमप्रकाश के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ललित किशोर शर्मा तथा एसीपी सोडाला सत्येंद्र सिंह नेगी एवं सुनील प्रसाद शर्मा के सुपरविजन में श्याम नगर थानाधिकारी दलबीर सिंह के नेतृत्व में कार्रवाई की गई।

मुखबिर की सूचना पर न्यू सांगानेर रोड स्थित होटल सैफायर स्टे के कमरा नंबर-103 में पुलिस ने छापा मारा। यहां ताश के पत्तों पर रुपए की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे पांच लोगों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। मौके से 52 ताश के पत्ते और 36 हजार रुपए नकद बरामद किए गए। पुलिस होटल संचालक की भूमिका की भी जांच कर रही है। गिरफ्तार जुआरियों में रोहित मेहरा, फिरोज खान, इसराख खान, फिरोज खान एवं सलमान कुरेशी शामिल हैं। एरिया डोमिनेशन अभियान के दौरान पुलिस ने सुंदर नगर क्षेत्र में दबिश देकर हिस्ट्रीशीटर तेजपाल राजपूत को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 52 पव्वे अवैध देशी शराब बरामद हुई। जांच में सामने आया कि वह एक अन्य हिस्ट्रीशीटर कमली सांसी के मकान से अवैध शराब बेच रहा था। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के कई मामले पहले से न्यायालय में लंबित हैं। पुलिस ने कुख्यात हिस्ट्रीशीटर विक्की सांसी को 60 पव्वे अवैध देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया। विक्की सांसी के खिलाफ हत्या के प्रयास, मारपीट, एनडीपीएस एक्ट और आबकारी अधिनियम सहित 22 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। वह लंबे समय से अवैध गतिविधियों में संलिप्त बताया जा रहा है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमे दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में अपराधियों, हिस्ट्रीशीटरों और अवैध कारोबारियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

कोविड में दिवंगत आरएएस की संपत्ति हड़पने की साजिश करने वाले बाप-बेटा गिरफ्तार

जयपुर । श्याम नगर पुलिस ने करोड़ों रुपए के एक प्लॉट पर फर्जी दस्तावेजों के जरिए कब्जा करने की साजिश का खुलासा करते हुए बाप-बेटे को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने कोरोना काल में दिवंगत हुए एक आरएएस अधिकारी की संपत्ति हड़पने के लिए फर्जी अनुबंध पत्र, बैचाननामा और इकरारनामा तैयार कर जेडीए में पट्टा अपने नाम करवाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी थी।

पुलिस उपायुक्त राजर्षि राज ने बताया कि सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी विनीता बैरवा की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया। जहां जांच में सामने आया कि श्याम नगर क्षेत्र स्थित पार्वती नगर विस्तार के एक कीमती प्लॉट को लेकर आरोपी प्रेमचंद बैरवा और उसके बेटे विपुल सुलानिया ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर स्वामित्व का दावा किया था। जेडीए में रिकॉर्ड की जांच के दौरान फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की और अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ललित किशोर शर्मा तथा एसीपी सोडाला सत्येंद्र सिंह नेगी के सुपरविजन में गठित टीम ने प्रेमचंद बैरवा (56) और उसका पुत्र विपुल सुलानिया (28) को गिरफ्तार किया है। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि फर्जी दस्तावेजों को आगे बढ़ाने में किसी अधिकारी या अन्य व्यक्ति की भूमिका तो नहीं रही। मामले में अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

दुपहिया वाहन चोर गिरफ्तार

जयपुर । जवाहर नगर पुलिस ने वाहन चोरी के एक मामले का खुलासा करते हुए शातिर चोर मनीष कसोलिया को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल बरामद कर ली है। आरोपी नशे की लत पूरी करने के लिए कॉलोनियों में रैकी कर सूने स्थानों पर खड़े दुपहिया वाहनों को निशाना बनाता था। न्यायालय में पेश करने के बाद उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

पुलिस उपायुक्त रंजीता शर्मा ने बताया कि दुपहिया वाहन चुराने वाले शातिर वाहन चोर मनीष कसोलिया निवासी ज्योति नगर को गिरफ्तार करके उसकी निशानदेही पर चोरी की गई मोटरसाइकिल बरामद की।

खौलते पानी से झुलसी मोमोज विक्रेता ने लगाए पुलिसकर्मी पर गंभीर आरोप

जयपुर । रामनगरिया क्षेत्र के महल रोड स्थित कैपिटल हाई स्ट्रीट पर मोमोज का कार्ट लगाने वाली 27 वर्षीय रेशु गुप्ता ने आरोप लगाया है कि पुलिसकर्मियों द्वारा कार्ट हटाने के दौरान स्टीमर को धक्का देने से खौलता पानी उसके ऊपर गिर गया, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गई। घटना 19 जून की शाम करीब 6:45 बजे की बताई जा रही है।

प्रतापनगर स्थित व्यास अपार्टमेंट में रहने वाली रेशु ने बताया कि वह रोजाना की तरह 'हेल्दी आटा मोमोज' नाम से अपना कार्ट लगा रही थी। इसी दौरान पुलिस की गाड़ी पहुंची और कार्ट हटाने को कहा। उसने पुलिसकर्मियों को बताया कि स्टीमर में गर्म पानी है और वह कार्ट हटा रही है, लेकिन आरोप है कि एक पुलिसकर्मी ने स्टीमर को धक्का दे दिया, जिससे उबलता पानी उसके शरीर पर गिर गया।

रेशु के अनुसार हादसे में उसकी छाती का एक हिस्सा, हाथ और जांघ बुरी तरह झुलस गए। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने उसकी मदद नहीं की। बाद में उसकी बहन खुशबू गुप्ता उसे अस्पताल लेकर गई। पीड़िता और उसकी बहन का आरोप है कि घटना की रात रामनगरिया थाने पहुंचने के बावजूद तत्काल एफआईआर दर्ज नहीं की गई तथा समझौते का दबाव बनाया गया। बहन खुशबू ने यह भी आरोप लगाया कि शिकायत करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई।

रेशु ने कहा कि वह शारीरिक और मानसिक पीड़ा से गुजर रही है। अविवाहित होने के कारण वह अपने भविष्य को लेकर भी चिंतित है और मामले में निष्पक्ष जांच तथा न्याय की मांग कर रही है। रेशु ने बताया कि पिता के निधन के बाद परिवार की जिम्मेदारी उस पर और उसकी बड़ी बहन पर है। बीएससी करने के बाद नौकरी नहीं मिलने पर उसने करीब 25 दिन पहले ही महल रोड पर मोमोज का कार्ट शुरू किया था।

इस संवेदनशील मामले को लेकर पुलिस के उच्च अधिकारी मुस्तैद दिख रहे हैं। थानाप्रभारी चंद्रभान सिंह के मुताबिक गर्म पानी से झुलसने की घटना की गहनता से जांच की जा रही है। मामले की जिम्मेदारी एसआई गोवर्धन प्रसाद को सौंपी गई है। डीसीपी ईस्ट रंजीता शर्मा ने बताया कि घटना स्थल के आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। जांच में जो भी पक्ष दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्रमुख समाजसेवी सत्य सर्वेन्द्र भारद्वाज का निधन

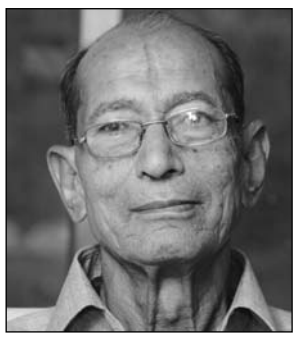

जयपुर । प्रमुख समाजसेवी सत्य सर्वेन्द्र भारद्वाज का 22 जून को निधन हो गया। वे अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए है। उनके पुत्र राजकीय जयपुरिया अस्पताल में दंत विभाग के विभागाध्यक्ष हैं। स्व. भारद्वाज राजस्थान ब्राह्मण महासभा के संस्थापक सदस्य व अखिल भारतीय ब्राह्मण फेडरेशन के पैट्रन मेम्बर रहे हैं। वे पिछले 30 वर्षों से कैलगिरी आई अस्पताल के सहयोग से राजस्थान के कई शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आई कैम्प लगाते रहे है।उन्होंने रोड सेफ्टी के लिए राजस्थान के राजमार्गों पर कहीं बार आमजन एवं वाहन चालकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। वे रोटरी इंटरनेशनल व सत्यकमल संस्थान जयपुर के साथ मिलकर जनसेवा कार्य करते रहे। उनका राजकीय सेवा का कार्यकाल उत्कृष्ट, प्रशंसनीय व अनुकरणीय रहा। भारद्वाज भारत स्काउट एवं गाइड से भी जुड़े थे।

सार-समाचार

कार की टक्कर से बाइक सवार घायल

जयपुर । नारायण विहार थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह तेज रफ्तार कार की टक्कर से एक बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा कीर्ति सागर कॉलोनी के मुख्य चौराहे पर सुबह करीब 10:30 बजे हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि युवक बाइक समेत करीब 20 फीट दूर जाकर एक मकान की दीवार से टकरा गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल चेतन सैनी (26) निवासी झोटवाड़ा को पहले निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां से गंभीर हालत होने पर उसे एसएमएस अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस के अनुसार हादसे में युवक के जबड़े में गंभीर चोट आई है और उसका उपचार जारी है। दुर्घटना के बाद कार चालक कुछ दूरी पर क्षितग्रस्त स्विफ्ट कार छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने कार और बाइक को जब्त कर लिया है। फिलहाल परिजनों की ओर से कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। शिकायत मिलने पर वाहन मालिक और चालक की पहचान कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महिला पर फेंका तेजाब

जयपुर । राजधानी में महिला पर एसिड अटैक का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि शादी का झांसा देकर जयपुर लाने वाले प्रेमी ने ही पार्क में बुलाकर महिला पर तेजाब फेंक दिया और फरार हो गया। झुलसी महिला का अस्पताल में उपचार कराया गया है। पुलिस के अनुसार 37 वर्षीय पीड़िता की आरोपी से पहचान के बाद दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं। आरोपी उसे शादी का भरोसा देकर करीब तीन माह पहले जयपुर ले आया और किराए के मकान में साथ रहने लगा। बाद में वह अपनी पत्नी और बच्चों के पास लौट गया। पीड़िता का आरोप है कि संपर्क करने पर आरोपी गाली-गलौच करता था और जान से मारने की धमकी देता था। महिला ने बताया कि 20 जून को आरोपी ने उसे बातचीत के बहाने सुबह करीब 11:30 बजे एक पार्क में बुलाया। मुलाकात के दौरान विवाद होने पर आरोपी ने बैग से तेजाब की बोतल निकालकर उसकी पीठ पर फेंक दी। महिला के चीखने पर आरोपी धमकी देकर मौके से फरार हो गया। घटना के बाद पीड़िता ने परिचित की मदद से थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने उसे जयपुरिया अस्पताल में भर्ती कराया और विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

शिविर में जेडीए ने 1199 पट्टे जारी किए

जयपुर । जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) द्वारा आयोजित शहरी सेवा शिविरों में आमजन के विभिन्न लंबित मामलों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जा रहा है। शिविरों के माध्यम से नागरिकों को पट्टा, नामांतरण, लीज मुक्ति प्रमाण पत्र, उपविभाजन एवं पुनर्गठन जैसे मामलों में मौके पर राहत प्रदान की जा रही है। जेडीए आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने बताया कि शिविरों के दौरान ई-फाइलिंग प्रक्रिया और ऑनलाइन मॉनिटरिंग प्रणाली के माध्यम से नागरिक सेवाओं से जुड़े प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जा रहा है। इससे लोगों को समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं और लंबित मामलों के समाधान में तेजी आई है। उन्होंने बताया कि शिविरों में प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अब तक कुल 1,519 प्रकरणों का निस्तारण किया जा चुका है। इनमें 1,199 पट्टे जारी किए गए, 224 नामांतरण किए गए, 53 उपविभाजन एवं पुनर्गठन प्रकरणों का निस्तारण किया गया तथा 20 लीज मुक्ति प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं। जेडीए ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने संबंधित जोन में निर्धारित तिथियों पर आयोजित शिविरों में उपस्थित होकर पट्टा, नामांतरण, लीज, उपविभाजन, पुनर्गठन तथा अन्य लंबित प्रकरणों का मौके पर निस्तारण करवाएं और राज्य सरकार की इस जनहितकारी पहल का अधिकतम लाभ उठाएं।

लंपी प्रतिरोधक टीकाकरण का आज से

जयपुर । पशुपालन, गोपालन और देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत बुधवार को ब्यावर जिले के श्री तिजारती सर्राफान गौशाला से लंपी रोग प्रतिरोधक टीकाकरण अभियान का शुभारंभ करेंगे। अभियान का आरंभ गोशाला परिसर में शाम पांच बजे किया जाएगा। दो महीने तक चलने वाले इस अभियान में गौवंशीय पशुओं के टीकाकरण का लक्ष्य रखा गया है। मंत्री कुमावत ने कहा कि लंपी रोग पशुओं के लिए एक जानलेवा संक्रामक रोग है। इससे मुख्य रूप से गोवंश प्रभावित होते हैं और पशुपालकों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ता है। प्रदेश पूर्व में इस रोग का दंश झेल चुका है। इसलिए अब इस रोग से बचाव के लिए एहतियात के रूप में सरकार ने लंपी रोग को नियंत्रित करने के लिए कई कदम उठाए हैं जिनमें से टीकाकरण और जागरूकता अभियान मुख्य हैं। पिछले दो वर्षों में चलाए गए टीकाकरण अभियान के तहत राज्य की लगभग 95 प्रतिशत गौवंश का टीकाकरण किया गया जिससे रोग को समय रहते नियंत्रित कर लिया गया और गौवंश की हानि लगभग नही के बराबर हुई थी। वर्ष 2025-26 में 108.95 लाख गौवंश पशुओं का टीकाकरण किया गया। विभाग के निदेशक डॉ सुरेशचंद मीना ने कहा कि इस रोग के सर्वेक्षण, निदान और नियंत्रण के लिए आवश्यक तैयारियां तथा जिला एवं ब्लॉक स्तर पर टीकाकरण के लिए माइक्रोलेवल प्लानिंग तैयार करने के लिए विभाग द्वारा पूर्व में ही दिशानिर्देश जारी किए जा चुके हैं और जिले की माइक्रोलेवल कार्ययोजना के अनुरूप संस्थाओं को उनके कार्य क्षेत्र में अवस्थित गौवंश पशुओं की संख्या के अनुसार टीकाकरण के लक्ष्य आवंटित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इस बार राज्य में पहली बार लंपी स्किन डिजीज वैक्सीन होमोलोगस रांची स्ट्रेन का उपयोग किया जाएगा।

पुलिस ने 10 शराब तस्कर दबोचे

जयपुर । खोह नागोरियान थाना क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार और अपराधियों के खिलाफ चलाए गए विशेष सर्च अभियान में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 10 अवैध शराब विक्रेताओं को गिरफ्तार किया है। इस अभियान के दौरान 528 अवैध देशी शराब के पव्वे जब्त किए गए। वहीं एक हिस्ट्रीशीटर और एक चालानशुदा चैन स्नैचर को भी सुरक्षात्मक कार्रवाई के तहत गिरफ्तार कर पाबंद किया गया। पुलिस उपायुक्त (जयपुर पूर्व) रंजीता शर्मा ने बताया कि जिले में चलाए गए विशेष सर्च अभियान में खोह नागोरियान थानाधिकारी प्रकाशराम के नेतृत्व में थाने के जाब्ते से 10 विशेष टीमें गठित की गईं। जहां गठित टीम ने 22 जून की रात 11 बजे से 23 जून की सुबह 11 बजे तक चले 12 घंटे के अभियान के दौरान थाना क्षेत्र में संदिग्ध ठिकानों एवं अवैध शराब बिक्री केंद्रों पर एक साथ दबिश दी गई। इस कार्रवाई में आबकारी अधिनियम के तहत 10 प्रकरण दर्ज कर 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया तथा उनके कब्जे से 528 देशी शराब के पव्वे बरामद किए गए। इसके अलावा दो लंबित स्टैंडिंग वारंटों का भी निस्तारण किया गया। वहीं आबकारी अधिनियम के तहत तारा देवी, सीमा देवी, सीता देवी, नगीना सांसी, अंजलि सांसी, लाली सांसी, रामनारायण सांसी, राजेश सांसी, सूरज तथा कुमर सिंह को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा इस अभियान के दौरान शांति भंग की आशंका के मद्देनजर बीएनएसएस की धारा 170 के तहत क्षेत्र के चिन्हित हिस्ट्रीशीटर बाबू खान (45) को गिरफ्तार कर पाबंद किया गया।

कालवाड़ व निवारू रोड पर पेवर मशीन बनानी थी सीमेंट सड़क, ठेकेदार अपने मुनाफे के लिए मजदूरों से बनवा रहा

समय पर सड़क निर्माण नहीं होने का खामियाजा भुगत रही जनता, ट्रेफिक जाम और खड्ढ़ों से लोग परेशान

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । जेडीए के इंजीनियर्स और ठेकेदार की मनमानी के कारण कालवाड़ रोड पर सीमेंटेड सड़क बनाने का काम समय पर पूरा होने के बजाय अटका हुआ है। सुबह से लेकर देर रात तक ट्रेफिक जाम और जगह-जगह खोदी गई सड़क के गड्ढ़ों में गिरकर आये दिन दुपहिया वाहन चालक गिरकर चोटिल हो रहे है। जोन-12 के अभियंताओं और ठेकेदार की लापरवाही से कालवाड़ रोड के हजारों लोगों को प्रतिदिन अलसुबह से देर रात तक भारी ट्रेफिक जाम से जूझना पड़ रहा है।

दरअसल कालवाड़ और निवारु रोड पर जलभराव वाली जगहों पर सीमेंटेड सडक़ निर्माण कार्य समय पर पूरा नहीं होने से बरसाती पानी से जाम लगने लगा है। दो दिन पहले आई तेज बारिश से आधी-अधूरी सड़क निर्माण कार्य से जगह-जगह पर पानी भर गया। अब आधी सड़क बनी है तो आधी खुदी पड़ी है, जिससे भी जाम की स्थिति बिगड़ी हुई है। सुबह से देर रात तक सडक़ पर वाहनों की कतारें लगी रहती है। बावजूद इसके ठेकेदार और जोन 12 के अभियंता सड़क निर्माण कार्य में तेजी नहीं ला रहे हैं।

ज्ञात रहे कि कालवाड़ रोड पर हाथोज और निवारु रोड पर जलभराव की जगह पर पेवर मशीन से सड़क निर्माण कार्य के दो अलग-अलग टैंडर निकाले थे। यह कार्य 4 महीने में पूरा करना था। सीमेंटेड सडक़ पेवर मशीन से बनाई जानी थी, ताकि समय पर टिकाऊ सडक़ बन सके। ठेकेदार अपनी लागत बचाने के लिए पेवर मशीन के बजाय सड़क बनाने का काम मजदूरों से करवा रहा है। जिसके चलते सड़क निर्माण की गति कछुआ चाल जैसी है।

इसका खामियाजा कालवाड और निवारु रोड की सैकड़ों कॉलोनियों के हजारों लोगों को झेलना पड़ रहा है। आधी अधूरी सडक़ बनाने, जगह जगह पर सडक़ खुदी होने के कारण चौपहिया और दोपहिया वाहन की कतारें सुबह से ही लगने लगती है, जो देर रात तक जाम में फंसी रहती है। ऑफिस टाइम पर जाम के हालात ओर खराब हो जाते हैं। दो तीन किलोमीटर तक वाहनों की कतारें लग जाती है। पुलिस की व्यवस्था भी पर्याप्त नहीं है। जिससे जाम की स्थिति ज्यादा खराब हो जाती है।

कालवाड़ रोड पर मंगलम सिटी के सामने सीमेंट रोड बनाने के लिए ठेकेदार पेवर मशीन के बजाय मजदूरों से काम करवा रहा।

- **कालवाड़ रोड पर जगह-जगह खड्ढ़ों में बारिश का पानी भरा है, जिनमें गिरकर आये दिन दुपहिया वाहन चालक चोटिल हो रहे**

पेवर मशीन से नहीं बन रही है सड़क

जेडीए जोन 12 में कालवाड एवं निवारु रोड पर सीमेंट सडक़ निर्माण कार्य में भारी धांधली हो रही है। टैंडर शर्तों एवं जी शेड्यूल को धत्ता बताते हुए ठेकेदार यहां पर पेवर मशीन के बजाय मजदूरों से कार्य करवा रहा है। जबकि जेडीए जोन 12 के अभियंता, ठेकेदार फर्म को पेवर मशीन के हिसाब से भुगतान करने में लगे हुए है।

दोनों टैंडर में स्पष्ट है कि संपूर्ण कार्य पेवर मशीन से होना है। जेडीए ने बीसीआर रेट भी अच्छी रखी, अब हाथों से कार्य होने से सवाल उठ रहे हैं। अगर पेवर मशीन से कार्य होता तो समय पर ही दोनों ही स्थानों पर सड़क बन चुकी होती। परंतु अभी भी 30-40 फीसदी काम बाकी बचा हुआ है, मानसून शुरू हो चुका है।

ARBiT
it happens here...

Creating Something New

Upcycling is a growing trend that's still under the radar for some. Simply, it's all about taking old objects and furniture, and adding your own creativity and craft to make it something new, unique and beautiful. National Upcycling Day is all about celebrating this amazing art of making something old into something new again! However, with that art also comes the focus on sustainable use of household goods, recycling items instead of being wasteful, and the many different ways we can reuse things that we might think are completely useless at first glance.

राष्ट्रदूत
WEDNESDAY
24 June 2026
A-B

#SPIRIT

The Story of India's Oldest Spirit

Have you heard of world's only flower spirit, a drink that has existed for millennia and celebrated in the Vedas and woven into India's social culture?

Long before Whiskey made its way to royal tables, Indian glasses held something else, a wild floral spirit, not from grain but from the Mahura flower, a sweet, heady bloom found deep in our forest. It was the six brothers who first commercially distilled it, carrying forward the tradition, not luxury, no fancy labels, no global acclaim, just a flower that could make magic.

But history took a turn. The colonials, eager to push whiskey, gin and rum, quietly banned Mahura and India's original spirit faded into silence. Until now, the same family has brought it back. Six brothers Mahura is double distilled by South Seas Distillery, one of India's oldest malt distilleries and the oldest commercial distillers of this flower spirit. Using the same copper pot stills that birthed into India's first single malts, they have reimagined the Six Brothers Mahura with unmatched sophistication. The result? The world's only flower spirit and Indian heritage spirit, sweet, earthy, lightly spiced, smooth as silk with a whisper of the wild. It doesn't come from vineyards or highlands. It comes from Indian soil. Indian folklore, Indian craft and proudly Indian. The world forgot Mahura but six brothers didn't.

You can now experience it as it is taken to its maximum potential by making it available in this luxurious and versatile format for a contemporary experience. So, the next time you pour a drink, skip the imports. Take pride in sipping India's own.

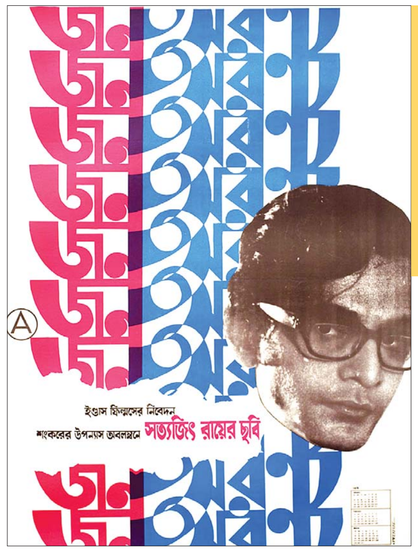

The Bengali title "Jana Aranya," literally translated to "The Forest of peopled Crowds," is symbolic but the better translation to "The Middleman" is more apt. The film opens with the hero, Somnath (Pradip Mukherjee), taking his B.A. examinations in History. Circumstances, he is not responsible for in any way, robs him of a good result, though he was a very good student and his struggle to get a respectable but ordinary job begins. Jana Aranya (The Middleman) is a scathing comment on an erosion of values arising partly out of a decadent education system and partly out of unemployment and associated corrupt practices encroaching into the lives of the urban middle-class in Kolkata.

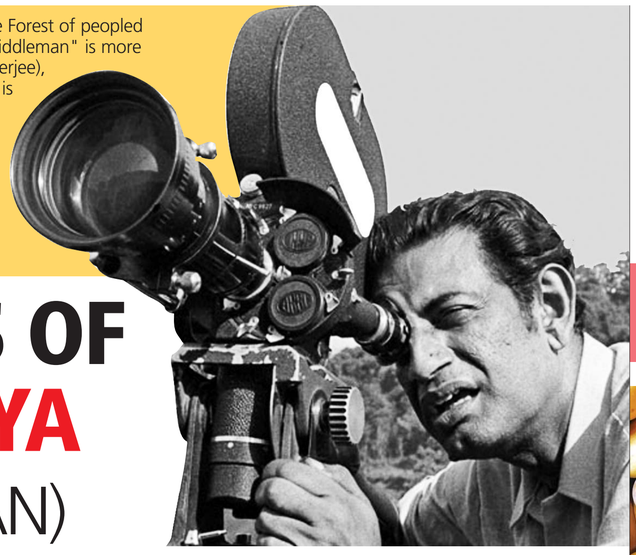

FIFTY YEARS OF JANA ARANYA (THE MIDDLEMAN)

#SATYAJIT RAY

Dr. Shoma A. Chatterji
Film Scholar, Journalist & Author

Jana Aranya (The Middleman) was released in 1976. It is the last among Satyajit Ray's *Calcutta Trilogy* composed of Pratidwandi, Seemabaddha and Jana Aranya. The first of the three was adapted from a novel by Sunil Gangopadhyay. The latter two were screen adaptations of another reputed author Mani Sankar Mukhopadhyay (Pen name-Shankar) who passed away recently in Kolkata.

All three films explore the changing scenario of the city of Calcutta (its old nomenclature remained during these films) through the perspective of a young, educated, urban man struggling to establish himself as a confident young man living independent of financial woes. Satyajit, always the most perceptive anatomist of the Bengali psyche, recognised that the tragedy of his time was not poverty alone but the corrosion of belief, of honesty, of integrity and commitment.

The Bengali title "Jana Aranya," literally translated to "The Forest of peopled Crowds," is symbolic but the better translation to "The Middleman" is more apt. The film opens with the hero, Somnath (Pradip Mukherjee), taking his B.A. examinations in History. Circumstances, he is not responsible for in any way, robs him of a good result, though he was a very good student and his struggle to get a respectable but ordinary job begins. *Jana Aranya* (The Middleman) is a scathing comment on an erosion of values arising partly out of a decadent education system and partly out of unemployment and associated corrupt practices encroaching into the lives of the urban middle-class in Kolkata.

His constant search for jobs comes to naught each time he finds himself facing a high wall that he finds tough to climb over and across. He is forced to take up any job that does not command him to compromise on his honesty and integrity. But he is not the only victim. The economic environment shows the sameness as happened in Ray's first Calcutta trilogy Pratidwandi, where the hero, Siddhartha, is finally forced to accept the mediocre job of a medical representative away from Calcutta, the city he had no intentions to quit. He gets it, much against his wishes, through the good offices of a local political party friend whose earlier offer for the same job he had rejected.

After knocking on several doors, Somnath finally bags a job which he sadly discovers has a tag attached to it. He is told that he has to get hold of a 'woman' for his boss' contractor to get the contract the contractor will give him. The reason? The contractor, Mr. Agarwal, is married to a rich man's polio-stricken daughter. Ray's command over minimalism does everything by suggestion as this wife is never shown and nor is Mr. Agarwal shown as a bad man. This is one more pointer to the financial circumstances the city of Calcutta has submerged into, unemployment among the educated urban middle class being the biggest yet invisible villain in the entire scenario.

Siddhartha and Sutapa.

Somnath later discovers that a close friend of his, a graduate, is forced to drive a taxi to make both ends meet. Somnath's father, whose older son is very brilliant and successful in a corporate job, helplessly watches his younger son's frustrations for not able to get a good job.

As the hero Somnath, along with his friend, a brilliant performance by Robi Ghosh, goes from door to door in search of a woman for the 'reward' of a prized contract, Ray, with his subtle sense of sharp-edged black humour, cracks the facade of the bhadralok Bengali society in Calcutta to expose the incredibly dirty goings-on in girl-running. A tutorial class doubles up as a rendezvous for call-girls, the watchman, a devout Hindu, functions as a procurer in the evenings. A mother of two young girls is pushed them into sex work, a husband who drinks and lives off his wife's earnings, is actually a pimp pretending to be "respectable" and "honest."

Ray offers a critique on the system of disguised prostitution in Calcutta. The first house Somnath and his friend visit to arrange for a girl' to service the former's client is Mrs. Ganguly. It is a typical middle-class home where we are introduced to this very attractive woman. The home reflects the middle-class status with a small piano in the sitting room and Sukumar referring to how helpful her new telephone connection has been for her business and for those who seek her services. There is a power cut and we find a candle lighting the room and Sukumar reclining on the sofa, airs himself with a hand-fan. But as she is readying herself, her husband, reportedly a clerk in the municipality, enters, completely drunk and stops her from stepping out for "business."

Mrs. Ganguly, Somnath and Mr. Mitter.

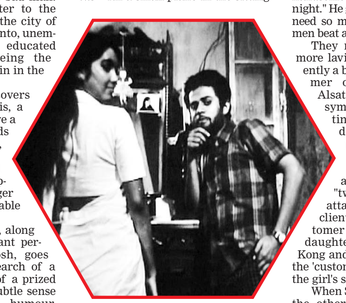

"The Adversary"- Satyajit Ray (1970).

He drinks off her earnings and doubles up as her pimp and decides on which assignment she will accept and which she will not. He puts his foot down, not allowing to accompany the two men "as she has already been out the previous two days and has a handsome appointment the following night." He goes on to ask, "What do we need so much money for?" The two men beat a hasty retreat.

They next visit another home, more lavishly decorated, in apparently a better locality than the former one. The lady has an Alsatian which was a status symbol during the time setting of the film. She has two daughters and she has pushed both into prostitution. She seems to have redecorated the well-appointed apartment with "two rooms, each, with an attached bath" for visiting clients. She laments that a customer has taken one of her daughters to Singapore/Hong Kong and the girl jumped at it but the 'customer' is now earning out of the girl's services there.

When Sukumar informs her that the other daughter, who is busy servicing a client in her room, needs to go with them to a posh hotel, she vehemently refuses to let the girl step out to visit a client.

The third place they visit is a seedy looking coaching class where the watchman is reading out from the Ramayana. Kawna, now named Juthika, is the sister of Somnath's friend. She symbolises a world of crumbling morals among the lower middle class on the one hand and the upper class on the other in different ways. She operates as a "call girl" through telephonic appointments done by the watchman of a coaching class. She is a freelancer and visits her clients instead of it being the other way round.

> The climax of *Jana Aranya* suggests that the hero has reduced himself to prostituting his conscience to eke out a livelihood through meagre contracts gained at the cost of procuring a woman for the contractor. He therefore, is as much, if not more, a prostitute than the prostitute he procures for his prospective clients. For example, if Kawna had not been Somnath's friend's sister...

The classrooms of the coaching class are used as a waiting room for girls waiting for a call. The watchman tells Sukumar that Juthika, the girl he has fixed for him, is only three months into the business but her rates have jumped from Rs. 50 to Rs. 250 within that short time. But she is "invisible" and belongs clearly to the mainstream, comes of lower middle class Bengali stock with her brother, a graduate, and once a close friend of Somnath is reduced to driving a taxi.

Kawna accepts her vocation in a no-nonsense, matter-of-fact way, refusing to recognise the hero. She denies that she is Kawna, Somnath's friend's sister, and tells him repeatedly that her name is Juthika. She does not stoop to narrate a sob story to evoke his sympathy. She insists that he should not turn the taxi back to where they came from because she says that it will be a loss for both of them. Kawna's prostitution in this film is a bribe in human form for a big contract to be gained by Somnath, the hero, while the 'taker' of the bribe is personified in the diabetic Mr. Goenka who married the polio-afflicted daughter of a rich businessman, shows another side of the ugly face of corruption. The film sometimes subtly, sometimes not quite so subtly, depicts a masquerading social and moral universe. When Somnath hands her the payment, she points out that he is overpaying her but he insists, so, she pockets it quietly. Jana Aranya spells out that over time, the sex worker works as much in the mainstream as she does in her professional ghetto of Sonagachhi and Harkata Goli. For people living within the mainstream, it is difficult to identify a sex worker on the basis of where she lives. The whole city, in other words, is a "red light area" and is no longer constrained within the limits of a marked ghetto.

The climax of Jana Aranya suggests that the hero has reduced himself to prostituting his conscience to eke out a livelihood through meagre contracts gained at the cost of procuring a woman for the contractor. He therefore, is as much, if not more, a prostitute than the prostitute he procures for his prospective clients. For example, if Kawna had not been Somnath's friend's sister, would he have suggested turning the taxi around and going back without going to the hotel for the fixed appointment? Is he sorry for the girl? Or, is he sorry for himself? The deal is done and Somnath bags the very handsome contract. But when he returns home, his body language, caught in semi-shadow as he leans against the wall near the entrance, spells out that he is not only a man defeated in the game called Life but is now, a Middleman.

Jana Aranya is a scathing comment on an erosion of values arising partly out of a decadent education system and partly out of unemployment and associated corrupt practices encroaching into the lives of the urban middle-class.

rajeshsharma1049@gmail.com

Somnath returns home.

#VARIETIES

Mangoes Around the World

Haden mango, Alphonso mango, Ataulfo mango, Carabao mango, and Miyazaki mango stand out for their unique characteristics and global recognition

Ataulfo mango.

Miyazaki mango.

Mango, widely celebrated as the "king of fruits," is cherished across the globe for its rich flavour, vibrant colour, and delightful aroma. Cultivated in tropical and subtropical regions, mangoes come in hundreds of varieties, each differing in taste, texture, and appearance. Among these, five varieties, Haden mango, Alphonso mango, Ataulfo mango, Carabao mango, and Miyazaki mango, stand out for their unique characteristics and global recognition.

The Haden mango, originating in Florida, USA, is one of the earliest commercially cultivated mango varieties in the Western hemisphere. It is easily identified by its bright red skin mixed with green and yellow shades. Known for its sweet yet slightly tangy flavour, the Haden mango has a firm texture with moderate fiber content. Its historical significance lies in the fact that it became the parent of many modern mango cultivars, influencing mango production across the Americas.

In contrast, the Alphonso mango, grown primarily in India, is often regarded as one of the finest mango varieties in the world. Popularly known as Hapus, it is famous for its rich, creamy taste and smooth, fiberless pulp. Its strong, pleasant aroma and vibrant golden-yellow colour make it highly desirable, both domestically and internationally. Alphonso mangoes are widely used in desserts, beverages, and premium food products, contributing significantly to India's mango exports.

Carabao mango.

The Ataulfo mango, native to Mexico, is another prized variety known for its exceptional sweetness and buttery texture. Often referred to as the "Honey mango" or "Champagne mango," it is smaller in size and has a distinct golden-yellow skin. Its fiber-free flesh and smooth consistency make it especially popular for fresh consumption, as well as in salads and smoothies.

Equally noteworthy is the Carabao mango from the Philippines, celebrated as one of the sweetest mango varieties in the world. Its tender, juicy flesh and mild aroma make it highly appealing. This variety has gained international recognition and is a major export product of the Philippines, particularly in dried mango form. Its consistent sweetness has even earned it a place in global records for fruit quality.

Finally, the Miyazaki mango from Japan represents the luxury segment of mango cultivation. Known for its deep red or purplish skin and exceptionally high sugar content, it is considered one of the most expensive fruits in the world. Carefully cultivated under controlled conditions, Miyazaki mangoes are often sold as premium gifts, symbolizing exclusivity and refinement.

In conclusion, these five mango varieties highlight the diversity and richness of mango cultivation across different regions of the world. Each variety reflects its local climate, agricultural practices, and cultural importance. From the widely cultivated Haden to the luxurious Miyazaki, these mangoes collectively demonstrate why this fruit continues to be adored by people everywhere.

Haden mango.

THE WALL

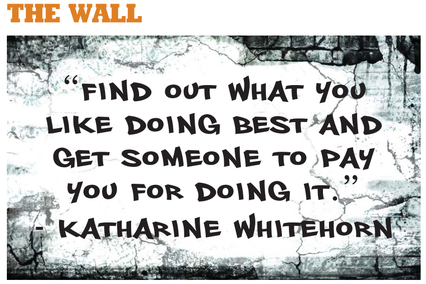

BABY BLUES By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS By Jerry Scott & Jim Borgman

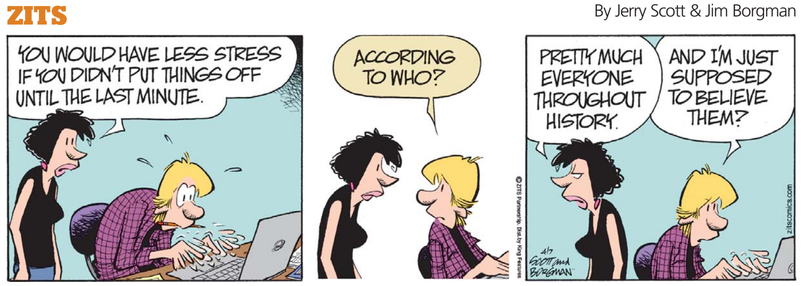

हिण्डौन सिटी में भंडारे के लिए खरीदे गए 100 पीपे तेल नकली होने का संदेह

''सोना सिक्का'' ब्रांड के रिफाइंड तेल की गुणवत्ता और पैकिंग पर सवाल उठने से ग्रामीणों में रोष

हिण्डौन सिटी, (निसं)। क्षेत्र में आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम के लिए खरीदी गई खाद्य सामग्री में कथित रूप से नकली रिफाइंड तेल मिलने का मामला सामने आने के बाद हड़कंप मच गया। मासलपुर के सीलौती-काछीपुरा में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के भंडारे के लिए खरीदे गए करीब 100 पीपा ''सोना सिक्का'' ब्रांड के रिफाइंड तेल की गुणवत्ता और पैकिंग पर सवाल उठने से मंगलवार को ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया। खरीदे गए रिफाइंड तेल के पीपो को पिकअप में भरकर ग्रामीण बड़ी संख्या में बयाना रोड पर मनीराम पार्क के पास स्थित विक्रेता व्यापारी की दुकान पर पहुंच गए तथा धार्मिक आयोजन में नकली रिफाइंड तेल बेचने के आरोप दुकानदार पर लगाते हुए हंगामा करने लगे। सूचना पर कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची एवं ग्रामीणों से समझाइश की। शिकायत मिलने पर करौली से खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तेल के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिए।

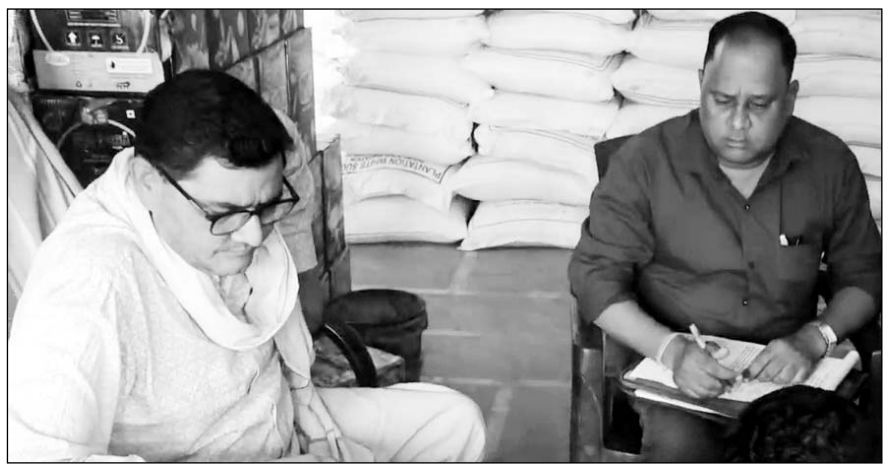

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तेल के नमूने लेकर प्रयोगशाला भेजे।

- ग्रामीणों ने विक्रेता व्यापारी की दुकान पर पहुंचकर हंगामा किया, खाद्य विभाग ने लिए नमूने

ग्रामीणों के अनुसार श्रीमद्भागवत कथा के भंडारे के लिए बयाना रोड स्थित शुभम इंटरप्राइजेज से लगभग 3 लाख 37 हजार 309 रुपये की खाद्य सामग्री खरीदी गई थी। इसमें चीनी, चना दाल, चावल, पोहा, करकल-खीला, देसी घी और करीब 100 टिन सोना सिक्का रिफाइंड तेल शामिल था। बताया गया कि सामग्री की खरीद 18 जून को आयोजन समिति की ओर से की गई थी। भंडारे की तैयारियों के दौरान कुछ लोगों को तेल की पैकिंग, लेबलिंग और गुणवत्ता पर संदेह हुआ। इसके बाद ग्रामीणों ने सामग्री की जांच कराने की मांग उठाई और बड़ी संख्या में लोग व्यापारी के प्रतिष्ठान पर पहुंच गए। करीब तीन घंटे तक व्यापारी की दुकान के बाहर हंगामा चलता रहा। स्थिति तनावपूर्ण होने पर कोतवाली थाना हिण्डौन सिटी का पुलिस जाप्ता मौके पर पहुंचा और समझाइश कर मामला शांत कराया। शिकायत के बाद खाद्य सुरक्षा विभाग के फूड इंस्पेक्टर विजय सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। विभागीय टीम ने संदिग्ध बताए जा रहे तेल के नमूने लेकर प्रयोगशाला जांच के लिए भेज दिए। अब जांच रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि तेल मानकों के अनुरूप है या नहीं तथा उसमें किसी प्रकार की मिलावट अथवा अनियमितता है।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि खाद्य सामग्री की खरीद नकद भुगतान के माध्यम से की गई, लेकिन उन्हें जीएसटी बिल उपलब्ध नहीं कराया गया। इससे कर चोरी की आशंका भी जताई जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि लाखों रुपये की सामग्री बेची गई है तो उसका विधिवत बिल उपलब्ध कराया जाना चाहिए।

वहीं शुभम इंटरप्राइजेज के संचालक वेद प्रकाश ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उनके प्रतिष्ठान से ऐसा कोई तेल न तो बेचा गया है और न ही सप्लाई किया गया है। उन्होंने मामले में लगाए जा रहे आरोपों को निराधार बताया है।

बदमाशों ने हथियार दिखाकर मुनीम से छह लाख रुपये लूटे

कोटपूतली, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम मोहनपुरा माईनिंग क्षेत्र से दिनदहाड़े कट्टे की नोक पर लाखों रुपये की सनसनीखेज लूट का मामला सामने आया है। बदमाशों ने मुनीम बजरंग लाल गुर्जर निवासी ग्राम टोरडा को निशाना बनाते हुए 6 लाख 10 हजार रुपये की नकदी लूट ली। हालांकि वारदात के तुरंत बाद मुस्तैदी दिखाते हुए पुलिस ने त्वरित नाकेबंदी की और घटना स्थल से कुछ ही दूरी पर बदमाशों को चारों तरफ से घेर लिया।

- पुलिस ने नाकाबंदी कर दो बदमाशों को दबोच लिया

जानकारी के अनुसार मोहनपुरा माइनिंग एरिया में सांवलिया एन्टरप्राईजेज कम्पनी का धर्मकांटा संचालित है। जहां कार्यरत मुनीम बजरंग लाल गुर्जर जब बाइक पर सवार होकर नकदी ले जा रहा था, तभी एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर आये तीन नकाबपोश बदमाशों ने उनका रास्ता रोक लिया। बदमाशों ने मुनीम की बाइक के आगे अपनी गाड़ी लगा दी और उन पर अवैध हथियार (कट्टा) तान दिया। इसके बाद बदमाशों ने मुनीम बजरंग लाल को चलती बाइक से जोरदार धक्का देकर नीचे गिरा दिया। मुनीम के संभलने से पहले ही बदमाशों ने उनके पास मौजूद 6 लाख 10 हजार रुपये से भरा बैग छीन लिया और मौके से रफूचक्कर हो गये। मुनीम के चिल्लाने पर मौके पर ग्रामीण एकत्रित हो गये, जिन्होंने पुलिस को लूट की सूचना दी। लूट की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत एक्शन मोड़ में आ गई। पुलिस की विशेष टीमों ने माइनिंग क्षेत्र और उसके आसपास के रास्तों पर सघन नाकेबंदी कराई। पुलिस की मुस्तैदी का नतीजा यह रहा कि वारदात के कुछ ही देर बाद घटनास्थल से कुछ दूरी पर ही बदमाशों को पुलिस ने चारों तरफ से घेर लिया। पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए गैंग के दो शातिर बदमाशों को पिंटू मीणा निवासी पंडितपुरा व नत्थूलाल गुर्जर निवासी रामपुरा मौके पर ही दबोच लिया। जबकि तीसरा बदमाश लोकेश मीणा निवासी पाथरेड़ी अभी अस्पताल में भर्ती हैं, जो घेराबंदी और धरपकड़ के दौरान घायल हो गया था, जिसे ईलाज के लिए तुरंत राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां पुलिस अभिरक्षा में उसका उपचार चल रहा है। पुलिस ने दोनों गिरफ्तार आरोपियों को कस्टडी में ले लिया है और उनसे लूटी गई राशि की रिकवरी व अवैध हथियारों के संबंध में कड़ी पूछताछ की जा रही है।

खान में भरे पानी में डूबने से मां-बेटी की मौत

उदयपुर, (कासं)। मवेशी चराने के दौरान खान में भरे पानी में नहाते समय डूबने से मां-बेटी की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार दोपहर में जावद सलूम्बर निवासी लोगरी पत्नी भूराराम अपनी पुत्री कंकू पुत्री भूराराम मीणा व आठ वर्षीय बच्चे को लेकर बकरियां चराने के लिए आई थी, जहां वह सरहद रोड़दा पशुपति ग्रेनाईट के समीप पत्थर की खान में भरे पानी में कंकू नहाने के लिए गई थी। जिसको डूबता देख मां लोगरी बचाने कूदी वो भी पानी में डूब रही थी। इस पर बाहर खड़े बच्चे के चिल्लाने पर आस पड़ोस खान में काम करने वालों ने दौड़कर पानी से मां-बेटी को बाहर निकाल कुराबड़ चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर कुराबड़ थानाधिकारी तेजुराम मय जाब्ता मौके पर पहुंच कर परिजनों को सूचना दी हैं। जिनके आने पर बुधवार को पोस्टमार्टम होगा।

- मवेशी चराने के दौरान हादसा हुआ

ट्रांसफर की सिफारिश के लिए विधायक भंसाली ने 'डिजायर मंदिर' बनवाया

जोधपुर, (कासं)। ट्रांसफर की सिफारिश के लिए नेताओं के दरवाजे खटखटाने का चलन पुराना है, लेकिन जोधपुर में शहर विधायक ने इसका नया 'आध्यात्मिक मॉडल' निकाल लिया। विधायक अतुल भंसाली ने बाकायदा 'डिजायर मंदिर' बनवा दिया है, जहां ट्रांसफर की अर्जी सीधे 'भगवान श्रीराम' के चरणों में डाली जाती है। विधायक का कहना है कि 'हम भगवान नहीं, सिर्फ डाकिया हैं।'

- विधायक अतुल भंसाली ने बताया कि रोजाना 17 से 18 घंटे तक फील्ड और ऑफिस में काम करते हैं, यदि दिनभर डिजायर के लिए ही बैठे रहेंगे तो जनता ने जिन मुद्दों के लिए चुनकर भेजा है, वो काम कैसे हो पाएंगे, इसलिए डिजायर मंदिर बनाया गया है

विधायक अतुल भंसाली ने बताया कि विधायक बनने के बाद से ही रोजाना 17 से 18 घंटे तक फील्ड और ऑफिस में काम करते हैं। यदि दिनभर डिजायर के लिए ही बैठे रहेंगे तो जनता ने जिन मुद्दों के लिए चुनकर भेजा है, वो काम कैसे हो पाएंगे। इसलिए डिजायर मंदिर बनाया गया है। करीब 10 साल पहले मेरे काका स्वर्गीय कैलाश भंसाली विधायक रहे थे। तब से मैं ये सब देख रहा हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर संगठन के पदाधिकारी ने भी यही कहा कि डिजायर की बीमारी से हमेशा दूर ही रहना। सभी सरकारी कर्मचारियों को जोधपुर में नहीं लगाया जा सकता है।

अतुल भंसाली ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कर्मचारियों के हित में ट्रांसफर से बैन हटाया है। राजस्थान में स्थानीय विधायक की अनुशंसा के आधार पर ही ट्रांसफर किए जाते हैं। मैं इस परंपरा के खिलाफ हूं। क्योंकि हर किसी के चरित्र का सर्टिफिकेट मैं नहीं दे सकता। 'भगवान' की मर्जी से ही सबका काम होगा।

खेतड़ी क्षेत्र में बारिश हुई

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी क्षेत्र में मंगलवार दोपहर मौसम ने अचानक करवट ली और तेज हवाओं के साथ हुई जबरदस्त बारिश ने लोगों को गर्मी से राहत दिलाई। सुबह से ही आसमान में काले बादल छाए रहे और कुछ ही देर में तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। बारिश का दौर करीब आधे घंटे तक जारी रहा, जिससे क्षेत्र की सड़कों पर पानी भर गया और कई स्थानों पर जलभराव की स्थिति बन गई। बारिश के कारण खेतड़ी कस्बे सहित आसपास के क्षेत्रों की मुख्य सड़कें जलमग्न हो गईं। निचले इलाकों में पानी भरने से लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। कई मोहल्लों में घरों के बाहर पानी जमा हो गया। बाजार क्षेत्र में भी पानी भरने से दुकानदारों और ग्राहकों को परेशानी झेलनी पड़ी।

अधिवक्ता को झूठे मामले में फंसाने का आरोप

अजमेर, (कासं)। रामगंज थाना क्षेत्र में बीते दिनों दो गुटों के बीच हुए झगड़े के मामले में पुलिस द्वारा एक अधिवक्ता को जबरन घसीटने और आरोपी बनाने का मामला गरमा गया है। जिला बार एसोसिएशन, अजमेर ने पुलिस की इस कार्रवाई पर रोष व्यक्त करते हुए बड़े स्तर पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

- अजमेर जिला बार एसोसिएशन ने बड़े आंदोलन की चेतावनी दी

जिला बार एसोसिएशन के सचिव रुपेंद्र कुमार परिहार ने मीडिया से बातचीत में बताया कि उनके साथी अधिवक्ता ओमप्रकाश गुर्जर, जो कि चंद्रवरदाई नगर के निवासी हैं, उन्हें पुलिस द्वारा इस मामले में दुर्भावनापूर्ण तरीके से फंसाने का प्रयास किया जा रहा है। परिहार के अनुसार यह घटना इसी महीने की है, जहां दो पक्षों में आपसी मारपीट हुई थी। परिहार ने स्पष्ट किया झगड़े के वक्त अधिवक्ता ओमप्रकाश गुर्जर घटना स्थल पर मौजूद ही नहीं थे। वे घटना स्थल से करीब 500 मीटर दूर चंद्रवरदाई चौराहे के टेंपो स्टैंड पर खड़े थे। इसके बावजूद परिवादी पक्ष के दबाव में पुलिस जानबूझकर उन्हें इस मारपीट के प्रकरण में घसीट रही है और मुलजिम बनाने पर आमादा है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने पुलिस द्वारा आरोपियों के साथ किए गए व्यवहार पर भी सख्त आपत्ति जताई है।

बार सचिव ने आरोप लगाया कि पुलिस ने पकड़े गए मुलजिम पक्ष के लोगों का जुलूस निकाला और बैरक के भीतर उनके साथ बेरहमी से मारपीट की। उन्होंने इसे भारतीय संवैधानिक व्यवस्था और मानवाधिकारों का खुला उल्लंघन बताया है। उन्होंने कहा कि किसी भी अधिवक्ता को दुर्भावनापूर्वक झूठे मुकदमे में फंसाया गया, तो अजमेर का अधिवक्ता शांत नहीं बैठेगा और पुलिस प्रशासन के खिलाफ उग्र आंदोलन की शुरुआत की जाएगी।

इनामी आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। सुखेर थाना पुलिस ने व्यवसायी को आत्महत्या करने के लिए उसकाने वाले दस हजार के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार 4 जुलाई 2022 को अनिल गलुण्डिया ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि 29 जुलाई को मेरे भाई पियूष गलुंडिया ने अपने मित्र सुनील भण्डारी के घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वहां मिले दो सुसाईड नोट में मेरे भाई पियूष ने टीना राठौड़ द्वारा मेरे भाई पर झूठे आरोप लगाने के कारण आत्महत्या कर ली। इस मामले में आरोपी के फरार होने पर दस हजार रूपये का इनाम घोषित किया था। इस मामले में टीना पत्नी सुनील राठौड़ निवासी आगर मालवा सुमरा खेडी आगरा एमपी हॉल फारूक मोहल्ला पिपलिया मण्डी मंदसौर को गिरफ्तार किया।

मकान में आग लगाई, पिता-पुत्र गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। ऋषभदेव कस्बे में पीपली अ गांव में आपसी रंजिश के चलते एक ही परिवार के लोगों ने दो मकानों में आगनजी कर दी। जिससे एक मकान जल कर नष्ट हो गए। इस मामले में पिता-पुत्र को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 21 जून दोपहर में पीपली अ निवासी रामलाल पुत्र लालू, हरिश पुत्र रामलाल, पूंजीलाल पुत्र रामलाल ने आपसी रंजिश के चलते पीपली अ सिकलिया घाटी निवासी भेरा पुत्र कोदरा के मकान में आगजनी कर दी। जिसकी सूचना मिलने पर आईसी थाना रमेश चन्द्र मय टीम ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू किया जब तक एक मकान पूरा तथा दूसरा मकान आधा जिनमें रखा सामान जल कर नष्ट हो गया। मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर टीम ने आरोपी रामलाल व पूजीलाल को गिरफ्तार किया।

ट्रक से बचने के प्रयास में डिवाइडर पर चढ़ी कार पलटी, तीन जने घायल

अनियंत्रित होकर आगे खड़े दो अन्य वाहनों से जा भिड़ी कार

नवलगढ़, (निसं)। कस्बे के बलवंतपुरा रेलवे फाटक के समीप मंगलवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। ट्रक से बचने के प्रयास में एक कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गई और दूसरी लेन में पलट गई। इसके बाद पीछे से आ रही कार उससे टकरा गई तथा अनियंत्रित होकर आगे खड़े दो अन्य वाहनों से जा भिड़ी। इस दुर्घटना में चार वाहन क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि एक महिला सहित तीन लोग घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार सुबह करीब 9:30 बजे झुंझुनूं की ओर से आ रही एक किया कार के सामने चैलासी की दिशा से अचानक एक ट्रक आ गया। टक्कर से बचने के लिए कार चालक ने वाहन को साइड में मोड़ने का प्रयास किया, लेकिन कार का संतुलन बिगड़ गया और वह डिवाइडर पर चढ़ते हुए दूसरी लेन में पलट गई। इसी दौरान पीछे से आ रही एक अन्य कार पलटी हुई कार से जा टकराई। टक्कर का असर इतना तेज था कि दूसरी कार भी नियंत्रण खो बैठी और आगे खड़े दो वाहनों से जा भिड़ी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग सहायता के लिए दौड़ पड़े। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची तथा घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। दुर्घटना के चलते कुछ समय तक यातायात प्रभावित रहा, जिसे पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए जल्द ही सुचारू करवा दिया।

घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें किया कार का डिवाइडर पर चढ़ना, दूसरी लेन में पलटना और पीछे से आ रही कार का उससे टकराना स्पष्ट दिखाई दे रहा है। फुटेज ने हादसे की गंभीरता को उजागर कर दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि उस समय सड़क पर यातायात अधिक होता तो दुर्घटना कहीं अधिक भयावह रूप ले सकती थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर पूरे घटनाक्रम की पड़ताल की जा रही है।

आशा सहयोगिनियों ने प्रदर्शन किया

अलवर, (निसं)। अलवर में जिलेभर से आई आशा सहयोगिनियां अपनी मुख्य मांग राज्य कर्मचारी का दर्जा देने को लेकर सीएमएचओ कार्यालय पहुंचीं। इस दौरान महिलाओं ने 'आशा शोषण बंद करो और हम अपना अधिकार मांगते, नहीं किसी से भीख मांगते' जैसे नारे लगाए और प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रही कंचनलता ने बताया कि धरातल पर स्वास्थ्य सेवाओं का पूरा जिम्मा उनके कंधों पर है। जच्चा-बच्चा की पूरी देखभाल से लेकर 15 साल तक के बच्चों के टीकाकरण का काम भी आशा सहयोगिनियां ही करती हैं। क्षेत्र में मलेरिया या कोई अन्य बीमारी का केस आने पर सबसे पहले आशा सहयोगिनी ही मौके पर पहुंचती हैं। आशा सहयोगिनी कंचनलता ने कहा कि दिन-रात काम करने के बाद भी हमें मानदेय के नाम पर पांच हजार रुपए भी पूरे नहीं मिलते हैं। इतने कम पैसों में घर चलाना मुश्किल हो रहा है।

जोधपुर के 523 व्यावसायिक भवन मालिकों को नोटिस

जोधपुर, (कासं)। विभिन्न शहरों में हो रही आगजनी की घटनाओं के बाद अब जोधपुर नगर निगम भी हरकत में आ गया है। शहर में संभावित आगजनी की घटनाओं को रोकने के लिए नगर निगम ने अग्नि सुरक्षा मानकों की पालना सुनिश्चित करवाने को लेकर व्यापक अभियान शुरू किया है। इसके तहत अग्निशमन मानकों को पूरा नहीं करने वाले 523 व्यावसायिक भवन मालिकों को नगर निगम की अतिक्रमण शाखा एवं फायर शाखा ने नोटिस जारी किए हैं। जिन भवनों में फायर उपकरण उपलब्ध नहीं पाए गए अथवा अग्निशमन एनओसी नहीं थी, उनके विरुद्ध सीज की कार्रवाई भी की जा रही है।

- अग्निशमन मानकों को पूरा नहीं करने पर नोटिस दिया

आयुक्त राहुल जैन ने बताया कि देश के अलग-अलग जगहों पर आगजनी की ऐसी कई बड़ी घटनाएं सामने आई है, जिनमें सैकड़ों लोगों की असामयिक मृत्यु हुई है। शहर में इस तरह की संभावित आगजनी की घटनाओं को रोकने के लिए नगर निगम की ओर से विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत निगम ने शहर की विभिन्न स्कूलों, अस्पतालों, होटलों, कोचिंग संस्थानों, गोदामों एवं अन्य व्यावसायिक गतिविधियों वाले भवनों का विशेष निरीक्षण किया जा रहा है। अभियान के दौरान एमबीसी की गाइडलाइन एवं अग्निशमन सुरक्षा मानकों के अनुसार फायर उपकरणों की उपलब्धता, आपातकालीन निकासी मार्ग, प्रवेश एवं निकास व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की जांच की जा रही है। जिन संस्थानों के पास फायर एनओसी उपलब्ध है, उनका भी नियमित निरीक्षण किया जा रहा है।

युवक ने आसीन्द पुलिस पर लॉकअप में बंद कर मारपीट व अमानवियता का आरोप लगाया

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की आसीन्द थाना पुलिस के खिलाफ एक युवक को अवैध रूप से हिरासत में रखकर बेरहमी से मारपीट करने और अमानवीय व्यवहार करने का एक गंभीर मामला सामने आया है। पीड़ित युवक ने इस संबंध में जिला पुलिस अधीक्षक भीलवाड़ा को लिखित शिकायत सौंपकर न्याय की गुहार लगाई है।

शिकायतकर्ता जेठू लाल गुर्जर निवासी इन्द्रपुरा, बोरेला, तहसील आसीन्द ने बताया कि 19 जून को आसीन्द थाने के कांस्टेबल महादेव जाट ने ट्रैक्टर चलाने के नाम पर एक लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। जायज तरीके से आजीविका कमाने की बात कहकर जब पैसे देने से मना किया गया, तो कांस्टेबल ने फोन पर देख लेने और फर्जी मुकदमे में फंसाकर जिंदगीभर के लिए जेल भेजने की धमकी दी। पीड़ित जेठू लाल के अनुसार, उसी दिन शाम करीब 6.30 बजे जब वे बाजूंदा श्मशान घाट के पास खड़े थे, तब पुलिस की गाड़ी आई। पुलिसकर्मी उन्हें जबरन गाड़ी में बैठाकर आसीन्द थाने ले गए। आरोप है कि थाने ले जाते ही उनके सारे कपड़े उतरवाकर लॉकअप में बंद कर दिया गया। रात के समय कांस्टेबल महादेव जाट, जगदेव जाट, अन्य सिपाही और थानाधिकारी श्रद्धा पचोरी की मौजूदगी में पीड़ित को दूसरे कमरे में ले जाया गया। वहां बेल्ट (पट्टों), पाइप और डंडों से उनकी बेरहमी से पिटाई की गई। पुलिसकर्मियों ने पीड़ित के सिर के बाल उखाड़ दिए और खंभे से बांधकर दोनों कुल्हों पर 50-50 पट्टे मारे। गंभीर रूप से घायल जेठू लाल ने जब पीने के लिए पानी मांगा, तो उन्हें कथित तौर पर टॉयलेट का पानी पीने को दिया गया और मना करने पर पेशाब पिलाने की धमकी दी गई। अगले दिन 20 जून 2026 को पीड़ित के खिलाफ कथित तौर पर झूठी रिपोर्ट तैयार कर उन्हें उपखण्ड अधिकारी के समक्ष पेश किया गया, जहां से परिजनों ने उनकी जमानत करवाई।

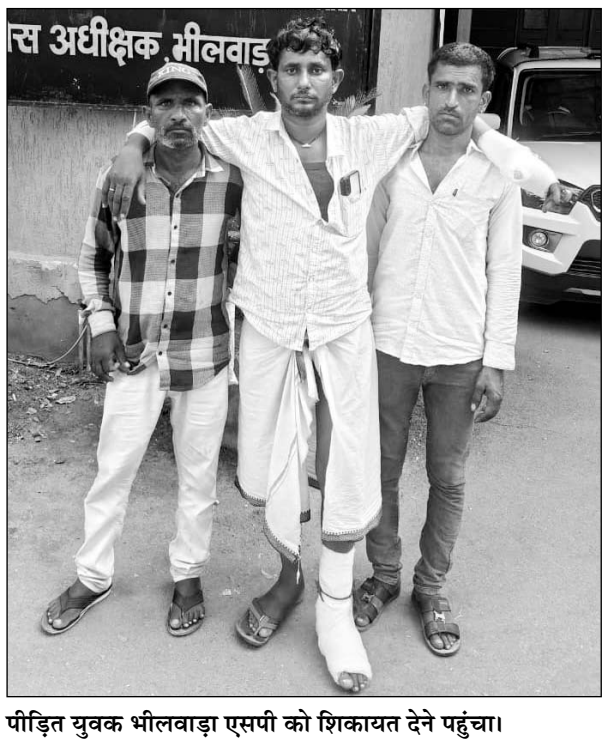

पीड़ित युवक भीलवाड़ा एसपी को शिकायत देने पहुंचा।

- गंभीर रूप से घायल जेठू लाल ने जब पीने के लिए पानी मांगा, तो उन्हें कथित तौर पर टॉयलेट का पानी पीने को दिया गया और मना करने पर पेशाब पिलाने की धमकी दी
- आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने पीड़ित के सिर के बाल उखाड़ दिए और खंभे से बांधकर 50-50 पट्टे मारे
- पीड़ित युवक ने भीलवाड़ा एसपी को लिखित शिकायत सौंपकर न्याय की गुहार लगाई

पुलिस की इस बर्बरता के कारण पीड़ित जेठू लाल गुर्जर का बांया हाथ, बाएं हाथ का अंगूठा और बांया पैर फ्रैक्चर हो गया है, जिसका इलाज आसीन्द के प्राथमिक उपचार केंद्र में करवाया गया है।

पीड़ित ने 22 जून को भीलवाड़ा एसपी को परिवाद सौंपकर आरोपी थानाधिकारी श्रद्धा पचोरी, कांस्टेबल महादेव जाट, जगदेव जाट व अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने, मेडिकल करवाने और सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। इस दौरान ज्ञापन देने वालों में राम सिंह, हरलाल गुर्जर, गोपाल गुर्जर, हेमराज गुर्जर, सहित समाज के लोग मौजूद थे।

सांवलिया सेठ के भंडार से 40.81 करोड़ रुपए की आमद

भंडार के सोने-चांदी के तोल व नगदी गिनती के मौके पर मंदिर अध्यक्ष वैष्णव, पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मंडफिया, (निसं)। भगवान श्री सांवलिया जी सेठ मंडफिया के दरबार में 14 जून को खोले गए भंडार की शेष रही राशि की गिनती मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारीदास वैष्णव की उपस्थिति में सातवें चरण में संपन्न हुई। मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव ने बताया कि मंगलवार को संपन्न हुई सातवें चरण की गिनती से 8 लाख 41 हजार 189 रुपए की नगद प्राप्ति हुई। इसे पूर्व छह चरणों में हुई भंडार गिनती से 33 करोड़ 06 लाख 77 हजार 570 रुपए नगद प्राप्त हुए थे। सातों चरणों को मिलाकर भंडार से 33 करोड़ 15 लाख 18 हजार 759 रुपए नगद प्राप्त हुए हैं।

मंदिर अध्यक्ष वैष्णव ने बताया कि इसके अलावा मंदिर कार्यालय में विभिन्न भक्तों ने विभिन्न स्थानों से ऑनलाइन व मनी ऑर्डर भेज कर एवं स्वयं उपस्थित होकर 7 करोड़ 66 लाख 21 हजार 519 रुपए भेंट स्वरूप जमा किए। अध्यक्ष वैष्णव ने बताया कि भंडार से निकले सोने-चांदी एवं मंदिर कार्यालय में जमा सोने-चांदी का तोल भी किया गया, जिसमें भंडार एवं भेंटकक्ष से एक किलो 738 ग्राम 800 मिलीग्राम सोना एवं 110 किलो 648 ग्राम चांदी भेंट स्वरूप प्राप्त हुई। भगवान श्री सांवलिया जी सेठ के एक माह में भंडार एवं भेंटकक्ष से 40 करोड़ 81 लाख 40 हजार 278 रुपए की कुल आमद हुई। भंडार गिनती में मंदिर बोर्ड अध्यक्ष वैष्णव, अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं मंदिर के मुख्य निष्पादन अधिकारी दिनेश चंद्र धाकड़, बोर्ड सदस्य पवन तिवारी, रामलाल गुर्जर, हरिराम गाडरी, नायब तहसीलदार शिवशंकर पारीक, मंदिर प्रभारी भैरूगिरी गोस्वामी, कालूलाल तेली, मनोहर लाल शर्मा, बिहारीलाल गुर्जर, जितेन्द्र त्रिपाठी सहित मंदिर के कर्मचारी एवं बैंक कर्मचारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त

अवार्ड से सम्मानित होंगे संत हरिओम दास

पावटा। खोरी परमानंद धाम के संत हरिओम दास महाराज को सामाजिक एवं मानवीय क्षेत्र में उनके

उल्लेखनीय योगदान के लिए ग्रेट इंडियन पार्लियामेंट अवार्ड-2026 राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान उन्हें 26 जून को नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रदान किया जाएगा। जानकारी के अनुसार संत हरिओम दास को यह राष्ट्रीय पुरस्कार गौ सेवा, पर्यावरण संरक्षण, जनसेवा तथा धार्मिक एवं सांस्कृतिक जनजागरण के क्षेत्र में किए जा रहे उनके निरंतर कार्यों के लिए दिया जा रहा है। पिछले कई वर्षों से वे समाज सेवा के विभिन्न आयामों में सक्रिय भूमिका निभाते हुए जरूरतमंदों की सहायता, गौवंश संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन के लिए कार्य कर रहे हैं। नई दिल्ली में आयोजित होने वाले सम्मान समारोह में केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले सहित राजनीतिक, सामाजिक एवं धार्मिक क्षेत्र की अनेक प्रमुख हस्तियां मौजूद रहेंगी। समारोह के दौरान संत हरिओम दास को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जाएगा।

कौशल विकास शिविर का समापन

लालसोट। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय राहुवास में हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स के तत्वावधान में आयोजित ग्रीष्मकालीन अभिरुचि एवं कौशल विकास शिविर का मंगलवार को समापन समारोह आयोजित हुआ। समारोह में विभिन्न प्रशिक्षण वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सरपंच मोतीलाल रहे तथा अध्यक्षता प्रधानाचार्य एवं ब्लॉक सहायक कमिश्नर शंभूदयाल मीना ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में एसएमसी अध्यक्ष रामनारायण मीना और धर्मपाल मीना मौजूद रहे। सहायक शिविर प्रभारी रामोतार रैगर ने शिविर का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। शिविर प्रभारी नवीन शर्मा सुकार और सहायक सचिव राजेश शर्मा ने अतिथियों को बच्चों द्वारा तैयार की गई प्रदर्शनी का अवलोकन कराया।

सहायक अभियंता को सौंपा ज्ञापन

निवाई। राजस्थान विद्युत तकनीकी कर्मचारी एसोसिएशन निवाई शाखा द्वारा जयपुर डिस्कॉम के सहायक अभियंता अ-प्रथम को तकनीकी कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण को लेकर ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन के माध्यम से बिजली विभाग के तकनीकी कर्मचारियों के कार्य-विभाजन, उत्तरदायित्व व एफआरटी कार्य प्रणाली के संबंध में दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की गई है, ताकि भविष्य में किसी भी असमंजस या दुर्घटना की स्थिति से बचा जा सके। कर्मचारियों ने बताया कि आदेशों के अभाव में फीडर प्रभारियों एवं लाइन स्टाफ को अत्यधिक व्यावहारिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। एलटी लाइन के रखरखाव, दोष निवारण व तार टूटने जैसे कार्यों के लिए निगम द्वारा एफआरटी को नियुक्त किया गया है और इसके लिए भारी भुगतान भी किया जा रहा है, इसलिए ऐसे कार्यों से विभागीय कर्मचारियों को पूर्णतः मुक्त रखकर सिर्फ एफआरटी को ही पाबंद किया जाना चाहिए।

शिविर में 685 लोगों की स्क्रीनिंग

निवाई। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत संचालित 100 दिवसीय विशेष अभियान के अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर पलेई एवं अलियाबाद में टीबी जांच एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 685 ग्रामीणों की स्क्रीनिंग कर उन्हें टीबी रोग के लक्षणों, बचाव एवं उपचार संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। ब्लॉक हेल्थ सुपरवाइजर विष्णु कान्त खंगार ने बताया कि शिविर में आधुनिक हैंड हेल्ड एक्स-रे मशीन के माध्यम से 176 संदिग्ध व्यक्तियों के चेस्ट एक्स-रे किए गए। जांच के दौरान संभावित मरीजों की पहचान कर उन्हें आगे की जांच एवं उपचार हेतु चिन्हित किया गया। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत टीबी के उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों की विशेष रूप से स्क्रीनिंग की जा रही है। पात्र व्यक्तियों की निक्षय आईडी बनाकर आवश्यक जांच एवं उपचार सुनिश्चित किया जा रहा है। साथ ही ग्रामीणों को टीबी के लक्षणों की पहचान, समय पर जांच, नियमित दवा सेवन तथा रोग की रोकथाम के उपायों के बारे में जागरूक किया गया।

मुखर्जी का पूरा जीवन देश की अखंडता के लिए समर्पित था : सांसद राव राजेंद्र सिंह

कोटपूतली/पावटा। भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि को मंगलवार को भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा बलिदान दिवस के रूप में मनाया गया। जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह, विराटनगर विधायक कुलदीप धनकड़ व भाजपा जिलाध्यक्ष सुरेश बाढ़लीवाल ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।

जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह ने बलिदान दिवस के आयोजनों के तहत बूथ स्तर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम और विचार गोष्ठियों के आयोजन करने का आ ान किया एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जीवनी पढ़ने के लिए कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया। सांसद सिंह ने कहा कि मुखर्जी का पूरा जीवन देश की अखंडता के लिए समर्पित था और कश्मीर के पूर्ण विलय के लिए उनके द्वारा दिया गया नारा 'एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे' आज धरातल पर साकार हो चुका है। उन्होंने कहा कि मुखर्जी के आदर्श और विचार ही भारतीय जनता पार्टी की आत्मा हैं, इसलिए प्रत्येक कार्यकर्ता को उनके 'राष्ट्र हित सर्वोपरि' के मूलमंत्र को जन-जन तक पहुँचाना चाहिए। इस दौरान भाजपा नेताओं, पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं द्वारा देश की एकता और अखंडता के लिए उनके सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कोटपूतली में भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि को बलिदान दिवस के रूप में मनाया

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा द्वीप प्रज्वलित एवं राष्ट्रगीत के साथ की गई। विराटनगर विधायक कुलदीप धनकड़ ने पार्टी का दुपट्टा पहनाकर मंच पर उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया एवं अपने स्वागत भाषण में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर प्रकाश डालते हुए बलिदान दिवस अभियान के रूप में 23 जून से लेकर 06 जुलाई तक आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी। इसी के साथ कार्यक्रम में जयपुर जिले के प्रभारी लक्ष्मीकांत भारद्वाज द्वारा कार्यकर्ताओं को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जीवनी पर प्रकाश डाला।

मुख्य वक्ता भाजपा प्रदेश महामंत्री मिथलेश गौतम ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को बिना परमिट जम्मू-कश्मीर में प्रवेश करने के आरोप में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था और 23 जून 1953 को नजरबंदी के दौरान ही रहस्यमय परिस्थितियों में उनका निधन हो गया था। इस दौरान उनके जीवन, शिक्षा, और राष्ट्रभक्ति के आदर्शों को याद किया गया। उन्होंने अपने उद्बोधन में बताया कि हमें डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जीवनी से कार्यशैली से सभी कार्यकर्ताओं को संगठन के प्रति समर्पित होकर कार्य करने की प्रेरणा लेनी चाहिए।

फलेरा में हीरक जयंती समारोह संपन्न

फुलेरा। वात्सल्य वारिधि पंचम पट्टाधीश 108 आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज के सानिध्य एवं 36 साधु संघ की उपस्थिति में आचार्य श्री धर्म सागर जी महाराज की मुनि दीक्षा के 75वें वर्ष तथा पंचकल्याणक हीरक जयंती के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ संपन्न हुए। 22 एवं 23 जून को आयोजित कार्यक्रमों में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान किए गए। मंगलवार को आचार्य श्री धर्म सागर विधान की पूजा पुण्यार्जक परिवारों द्वारा अष्ट द्रव्यों से विधि-विधानपूर्वक की गई। जल, चंदन, अक्षत, पुष्प, नैवेद्य, दीप, धूप, फल, मेवा एवं श्रीफल आदि द्रव्यों से पूजा संपन्न हुई। मंत्रोच्चार मुनि श्री हितेंद्र सागर जी महाराज द्वारा कराए गए। इस अवसर पर आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज के सानिध्य में आचार्य श्री धर्म सागर भवन एवं आचार्य श्री धर्म सागर सड़क का लोकार्पण समाज के पदाधिकारियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

साप्ताहिक सेवा कार्यक्रम 28 को

शाहपुरा। जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह का जन्मदिन 28 जून के उपलक्ष्य में जयपुर ग्रामीण संसदीय क्षेत्र के भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं एवं आमजन द्वारा हर वर्ष की भांति इस बार भी साप्ताहिक सेवा कार्यक्रम के तहत भारतीय सनातन संस्कृति अनुसार मानव जीव सेवा करते हुए विभिन्न कार्यक्रमों के द्वारा बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। भाजपा जयपुर जिला देहात उत्तर मीडिया प्रभारी सुभाष जोशी ने बताया कि इसके तहत सोमवार को भाजपा युवा मोर्चा पूर्व प्रदेश मंत्री एवं सांसद प्रतिनिधि राजकुमार देवायु सिंह एवं विराटनगर विधायक कुलदीप धनकड़ की उपस्थिति में भाजपा कार्यकर्ताओं की मीटिंग हनुमंत निवास बाग शाहपुरा में आयोजित हुई। जिसके तहत 24 जून को हनुमंत निवास बाग में स्वास्थ्य जांच शिविर, 25 जून को मंदिर में स्वच्छता अभियान, 26 जून को राजकीय अस्पताल में फल वितरण, 27 जून को गौशाला सेवा, 28 जून जन्मदिवस पर वृक्षारोपण आदि।

नाम परिवर्तन

मैने अपना नाम शिरोमणी कंवर से बदलकर गिरिराज राठौड़ पत्नी श्री करण सिंह रख लिया है। भविष्य में मुझे गिरिराज राठौड़ के नाम से जाना जावे। पताः-अ-1 खुड़हाउस, सीकर हाउस, शास्त्रीनगर, जयपुर, राजस्थान

हमने अपने पुत्र का नाम भविक से बदलकर भविक अजमेरा कर दिया है। भविष्य में, उसे भविक अजमेरा पुत्र अंकित अजमेरा एवं महिमा अजमेरा, पताः A-60-A, मेजर शैतान सिंह कॉलोनी, शास्त्री नगर, जयपुर 302016 के नाम से जाना जाये।

मैं लंकाबाई बबन आंवेकर माताजी आर्मी नंबर 17024134W, रैंक CFN आंवेकर श्यामकांत बबनराव, निवासी-गांव भोयरे पठार, तह. नगर, जिला-अहमदनगर, महाराष्ट्र ने अपने बेटे के सर्विस रिकॉर्ड में अपना नाम लंकाबाई से बदलकर लंकाबाई बबन आंवेकर और जन्मतिथि 12-08-1966 से बदलकर 01-01-1973 कर दिया है।

मैं बबन मारुती आंवेकर पिता आर्मी नंबर 17024134W, रैंक CFN आंवेकर श्यामकांत बबनराव, निवासी गांव भोयरे पठार, तह. नगर, जिला-अहमदनगर, महाराष्ट्र, ने अपने बेटे के सर्विस रिकॉर्ड में अपना नाम बबनराव मारुती से बदलकर बबन मारुती आंवेकर और जन्मतिथि 04-04-1962 से बदलकर 01-06-1962 कर दिया है।

मैं अनुसुईया पत्नी आर्मी नंबर 3203132L, एक्स-हवलदार अशोक कुमार डूडी, निवासी गाँव- नैनासर, तहसील- सरदारशहर, ज़िला- चूरू, राजस्थान, मेरे पति के सर्विस रिकॉर्ड मे मेरा नाम अनुसया (Anusaya) व जन्मतिथि 15-08-1990 गलत दर्ज है, सही नाम अनुसुईया (Anusuia) व जन्मतिथि 15-08-1992 सही दर्ज करवाना चाहती हुँ।

खोया पाया

मेरे भूखंड संख्या 51 हथरोई गढ़ी गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड जयपुर की योजना सुख विहार की समिति द्वारा जारी मूल रसीद कहीं गुम हो गई है मिलने पर सूचित करें लिस्सी वर्गिस मोबाइल नंबरः 6381311422

मेरे प्लाट नं-212 गुलाबी नगर गृह निर्माण सहकारी समिति की योजना मोती नगर जयपुर का समिति से जारी मूल सोसाइटी रसीद कही गुम हो गयी है सूचित करे- पूनम चौहान मो. 9829015851

मेरे प्लाट नं- K.N. 246 निजी खातेदारी की योजना- सिंघल पट्टा के मूल दस्तावेज़ आवंटन-पत्र, कब्ज़ा पत्र, स्वीकृति पत्र, साईट प्लान एवं अन्य दस्तावेज़ जयपुर मे खो गये है मिलने पर सूचित करे-वैभव खण्डेलवाल मो. 9871875937

दौसा में बलिदान दिवस मनाया

दौसा। भारतीय जनसंघ के संस्थापक एवं प्रखर राष्ट्रवादी नेता डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि आज बलिदान दिवस के रूप में मनायी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। भाजपा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक गौरव की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित किया।

एकराष्ट्र, एक संविधान, एक निशान, राष्ट्र प्रथम की भावना को ध्यान में रखते हुए उन्होंने अपना जीवन बलिदान कर दिया। जिला अध्यक्ष लक्ष्मी रेला ने कहा कश्मीर से धारा 370,35ए हटाकर मोदी सरकार ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को सच्ची श्रद्धांजलि दी है, कार्यक्रम को प्रदेश मंत्री एकता अग्रवाल, पूर्व जिलाध्यक्ष टीकम सिंह गुर्जर, सत्यनारायण साहरा, नीलम गुजर,ममता सैनी ने भी सम्बोधित किया।

भरतपुर में भाजपा ने डॉ. मुखर्जी का बलिदान दिवस मनाया

भरतपुर (निस)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भरतपुर पहुंचे। जहां भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय भरतपुर में जनसंघ के संस्थापक, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक एवं अखंड भारत के प्रबल समर्थक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं और मीडिया प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए डॉ. मुखर्जी के योगदान को याद किया तथा केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों को विस्तार से रखा।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि आज का दिन भारत के लोकतांत्रिक, भारत के इतिहास में निश्चित रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण दिन है क्योंकि आज पूरा भारत एक ऐसे महामना, एक ऐसे विचारक, एक ऐसे विचार के प्रतिपादक व्यक्ति की पुण्यतिथि मना रहा है, जिसने संघर्ष का रास्ता चुनकर के एक विचार को इस तरह से स्थापित किया कि वो विचार का बीज पूरे विश्व की सबसे बड़ा राजनीतिक दल ऐसा बन गया है।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत मुखर्जी का बलिदान दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए।

और उस विचार की स्थापना के समय से ही जिस मार्ग, जिस रास्ते पर चल कर के वो नव-स्थापित राजनीतिक दल जिस महान लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सत्ता को एक साधन मानते हुए आगे बढ़ रहे हैं, देश की जनता ने पिछले वर्षों में उस पर बड़ा विश्वास और भरोसा व्यक्त किया है। और लगातार तीन बार देश की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का सौभाग्यपूर्ण अवसर दिया है। हम सब सौभाग्यशाली और भी हैं क्योंकि राजस्थान की जनता ने भारतीय जनता पार्टी को आशीर्वाद देकर के, इसी धरती के भरतपुर के लाल भजनलाल के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार बनाने का सौभाग्य दिया है। आज देश और प्रदेश की सरकार जिस तरह से श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के बताए हुए, दिखाए हुए मार्ग पर चल कर भारत को विकसित भारत बनाने, और भारत के सामान्य मानव के जीवन में परिवर्तन लाने के मार्ग पर चल कर काम कर रही है, आज भारत का परिवर्तन पूरा विश्व महसूस कर रहा है। पिछले 12 वर्षों में जिस तरह से भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने एक तरफ गरीब के जीवन में परिवर्तन लाने का सफलतापूर्वक काम किया।

ईटावा के कमलेश को शिविर में मकान का पट्टा मिला

जयपुर। जयपुर जिले की ईटावा भोजजी ग्राम पंचायत निवासी कमलेश कुमार सोनी पैतृक जमीन के पट्टे के लिए पटवारी, गिरदावर, तहसीलदार समेत कई अधिकारियों के कार्यालयों में जा-जाकर थक गया था। वह अपने मकान का पट्टा लेकर अपने मन को संतुष्ट करना चाहता था कि यह उसी का घर है, अब उसे कोई बेदखल नहीं कर सकता, उसके बाद उसके बच्चे इस घर के मालिक होंगे लेकिन सब जगह हाथ-पैर मारने के बाद भी अब तक उसे पट्टा नहीं मिल पा रहा था।

वह अपने मकान का पट्टा लेकर अपने मन को संतुष्ट करना चाहता था कि यह उसी का घर है, अब उसे कोई बेदखल नहीं कर सकता, उसके बाद उसके बच्चे इस घर के मालिक होंगे लेकिन सब जगह से अब तक उसे पट्टा नहीं मिल पा रहा था

ईटावा भोजजी ग्राम पंचायत के कमलेश कुमार सोनी को ग्रामीण सेवा शिविर में पट्टा वितरण किया।

सोमवार को ईटावा भोजजी ग्राम पंचायत में ग्रामीण सेवा शिविर लगने की जानकारी मिलने पर कमलेश पुत्र रामगोपाल सोनी वहां पहुंचा और अपनी समस्या बताई। ग्राम पंचायत ने उसे निर्धारित प्रक्रिया अनुसार पट्टा जारी कर शिविर स्थल पर ही पट्टा दे दिया। मकान का मालिकाना हक मिलने पर कमलेश ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए शिविर को आमजन के लिए वरदान बताया है।

चाकसू में मातमी धुनों के बीच निकाला आलम सद्दे का जुलूस

चाकसू। चाकसू कस्बे में मुस्लिम समाज ने मंगलवार को शाम को हजरत अलम बरदार की शहादत की याद में मातमी धुनों के बीच आलम सद्दे का जुलूस निकाला। आलम सद्दे का जुलूस मस्जिद लुहारान से रवाना हुआ जो मोहल्ला कराखानीयान , देशवालीयान ,व नागोरी मोहल्ले से होते हुए दलालो के मोहल्ले में पहुंचा इसके बाद हे गमी महोल व मातमी धुनों के साथ मुस्लिम युवाओ का जुलूस मुख्य बाजार होता हुआ पीर जलाल शाह बाबा के परिसर में पहुंचा । इस दौरान अखाडो से युवको ने शारिरिक प्रदर्शन के साथ कई तरह के करतब भी दिखाये वही जुलूस में एक घोड़ी के करतब भी आकर्षक रहे इस दौरान रास्ते मे कई स्थानो पर ठंडे पानी व शर्बतों की छबीले लगाई गई। इस अवसर पर लोगो ने फातिया भी पढी वही ईमाम हुसैन के डोरे भी बांधे । गौरतलब है कस्बे में 25 जन की रात्री व 26 जून को दिन में 7 ताजिये निकाले जायेंगे जिनकी तैयारियां जोरों पर चल रही है वही पुलिस प्रशासन ने ताजियेदारो के लाइसेंस बनवा कर उपलब्ध करवा दिये है । इस अवसर पर चाकसू थानाधिकारी मनोहर लाल मेघवाल के नेतृत्व में सुरक्षा व्यवस्था के अच्छे इंतजाम कर रखे थे। आलम सद्दे के जुलूस में मुस्लिम नोजवान वेकफेयर सोसायटी अध्यक्ष आमीन खान, सचिव इरफान खत्री , उस्ताद शमीम भाई , मुस्लिम महासभा के इकबाल भाटी , हाफिज शाहिद , हाफिज शाह ,रज्जाक लुहार , अनीश भाई सहित कई समाज के लोग मौजूद थे। वही चाकसू एसीपी भवानी सिंह ने मोहर्रम के अवसर पर सीएलजी व पुलिस मित्रो की एक आवश्यक मीटिंग ली जिसमे तजियेदारो ने साफ -सफाई, बिजली के ढीले तारो की खिंचाई , पानी की व्यवस्था की बात रखी बैठक में थाना प्रभारी मनोहर लाल मेघवाल, नगरपालिका स्वास्थ्य निरीक्षक कुलजीत सिंह आदि।

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति (फ.स.), चौमूँ जयपुर

राधाबाग कॉलोनी सीकर रोड चौमूँ

PH. NO. 01423-220047 FAX No. 01423-223873, Email:- KUMS.CHOMUFV@rajasthan.gov.in

क्रमांक-22994481 **निविदा सुचना** दिनांक-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस मंडी समिति में 2026-27 में जल एवं प्रकाश व्यवस्था के संचालन एवं रख-रखाव के कार्य करवाने हेतु ठेके पर देने के लिये इच्छुक निविदादाताओं से निविदायें आमंत्रित की जाती हैः-

क्र. सं.	कार्य/व्यवस्था का नाम	ठेके की अवधि	ठेके हेतु प्रक्रिया	निविदा प्रस्तुत एवं निविदा खोलने की दिनांक
1	जल एवम् प्रकाश व्यवस्था के संचालन एवं रख-रखाव हेतु	एक वर्ष	निविदा	30.06.2026

जल एवं प्रकाश व्यवस्था के संचालन एवं रख-रखाव हेतु प्राप्त निविदाओं को उसी दिन दोपहर 02.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं (यदि कोई उपस्थित हों) के समक्ष खोला जायेगा। निविदा से सम्बंधित अन्य विस्तृत विवरण, शर्तें व जानकारी www.sppp.rajasthan.gov.in एवं विभागीय वेबसाईट www.mandi.agriculture.rajasthan.gov.in पर तथा किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में कार्यालय में उपस्थित होकर अवलोकन की जा सकती है।

सचिव
कृषि उपज मण्डी समिति (फ.स.) चौमूं जयपुर

कार्यालय नगर परिषद, टोंक

क्रमांक - एमसीटी / 2026-27/4261-63 दिनांक - 23.06.2026

इश्तेहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्ति द्वारा पट्टा बनवाने हेतु पत्रावली प्रस्तुत की गई है।

क्र.सं.	नाम पिता/पति	कॉलोनी	साईज	भूखण्ड संख्या	पट्ट की श्रेणी
1	सुरेश चन्द जाट/जवाहर लाल जाट	एन्जल प्राईम	88.88 वर्गगज	49	कृषि भूमि
2	मोती शंकर तिवारी/कैलाश चन्द तिवारी	द्वारिका नगरी	150 वर्गगज	64	कृषि भूमि
3	विमला शर्मा/मोती शंकर तिवारी	द्वारिका नगरी	150 वर्गगज	30	कृषि भूमि
4.	गणेश शर्मा/ रूपनारायण शर्मा	महावीर नगर एक्सटेंशन	150 वर्गगज	114	कृषि भूमि
5	जितेन्द्र कुमार/नेमीचन्द जैन	महावीर नगर एक्सटेंशन 2	180.75 वर्गगज	21	कृषि भूमि
6	श्वेता वैद पुत्री श्री पुखराज वैद परिन श्री पीयुष जैन/कृतिका जैन पत्नि श्री नितिन कुमार जैन	महावीर नगर विस्तार	168.37 वर्गगज	20 व 21-ए	कृषि भूमि
7	नेमी चन्द जैन/स्वरूप चन्द जैन	महावीर नगर विस्तार	324.91 वर्गगज	22-ए व 23	कृषि भूमि
8	मोती शंकर तिवारी/कैलाश चन्द तिवारी	द्वारिका नगरी	150 वर्गगज	95	कृषि भूमि
9	संजीदा/अब्दुल अजीज	कच्ची वस्ती नहर के पास धन्ना तलाई	133.33 वर्गगज	06	कृषि भूमि
10	लाली देवी/पप्पू लाल जाट	बृज विहार सी	79.86 वर्गगज	53-सी	कृषि भूमि
11.	दीपक चौधरी / हेमराज जाट	बृज विहार सी	94.44 वर्गगज	53-बी	कृषि भूमि
12	संतोष/अशोक कुमार	शिव शक्ति नगर	50 वर्गगज	110	कृषि भूमि
13	विजेन्द्र सिंह/मान सिंह	गणपुति नगर	22.22 वर्गगज	47	कृषि भूमि
14	हेमलता चौधरी/श्री मदन लाल चौधरी	तिलक नगर	166.66 वर्गगज	85, 86, 87	कृषि भूमि
15	भगवान नारायण गौतम/कैलाश चन्द तिवाडी	द्वारिका नगर	150 वर्गगज	321	कृषि भूमि
16	कजोडमल बैरवा/धूलाराम बैरवा	कनक वाटिका	88.88 वर्गगज	173	कृषि भूमि
17	सरिता वाढीया/महेन्द्र बैरवा	गणपति नगर	66.66 वर्गगज	272	कृषि भूमि
18	बच्ची देवी/टीकाराम मीना	त्रिवेणी नगर	77.77 वर्गगज	82-बी	कृषि भूमि
19	मौसनी भाई/दिनेश गौणा	त्रिवेणी नगर	77.77 वर्गगज	82-ए	कृषि भूमि
20.	धनराज मीणा/श्योजी लाल मीणा	पार्श्वनाथ एनक्लेव ब्लॉक-बी	133.33 वर्गगज	181, 182	कृषि भूमि
21.	बाबुडी/गेन्दी लाल	पार्श्वनाथ एनक्लेव ब्लॉक-बी	65.66 वर्गगज	114	कृषि भूमि
22	बाबूडी/गेन्दी लाल	पार्श्वनाथ एनक्लेव ब्लॉक-बी	66.66 वर्गगज	123	कृषि भूमि
23	ताहेरा/लियाकतुल्ला खां	ग्रीन पार्क बी	100 वर्गगज	24, 25	कृषि भूमि
24	दशरथ खिंची/मुलचन्द खिंची	अम्बिका कॉलोनी	111.11 वर्गगज	40	कृषि भूमि
25.	रामपाल खिंची/मूलचन्द खिंची	अम्बिका कॉलोनी	111.11 वर्गगज	40-ए	कृषि भूमि
26.	विकास कुमार बैरवा/राजेश कुमार बैरवा	बसन्त विहार	150 वर्गगज	25	कृषि भूमि
27.	अर्चना बैरवा/संजय दत्त बैरवा	जय सन्तोष नगर	51.11 वर्गगज	90, 91	कृषि भूमि
28.	मन्जू गुप्ता/भगवान दास गुप्ता	बनी पार्क	88.88 वर्गगज	242	कृषि भूमि
29	नवदीप जीतरवाल/गोपाल लाल जाट	आर्शीवाद नगर	77.50 वर्गगज	14	कृषि भूमि
30	नवदीप जीतरवाल/गोपाल लाल जाट	आर्शीवाद नगर	111.11 वर्गगज	41	कृषि भूमि
31	सीता/गोपाल	आर्शीवाद नगर	111.11 वर्गगज	42	कृषि भूमि
32	जय नारायण वर्मा/मोती लाल वर्मा	गणपति नगर	150 वर्गगज	126	कृषि भूमि
33.	प्रेमचन्द/मुलचन्द	अम्बिका कॉलोनी	275 वर्गगज	20-सी	कृषि भूमि
33	मुन्नी बाई/मोहन लाल	अम्बेडकर कॉलोनी	90 वर्गगज	26-बी	कृषि भूमि
34	शिवराज जाट/रामनिवास जाट	एन्जल प्राईम	88.88 वर्गगज	68	कृषि भूमि
35	शिवराज जाट/रामनिवास जाट	एन्जल प्राईम	88.88 वर्गगज	67	कृषि भूमि
36.	राजेश कुमार बैरवा/कजोडमल बैरवा	बसन्त विहार कॉलोनी	150 वर्गगज	24	कृषि भूमि
37	सीता चौधरी/नेहनू लाल चौधरी	रिलायंस पेट्रोल पम्प के सामने	150 वर्गगज	09	कृषि भूमि
38	हरिराम सैनी/प्रहलाद सैनी	सन सिटी	100 वर्गगज	718, 719	कृषि भूमि
39	रजिया बानी/इकरामुद्दीन	विजय नगर कॉलोनी	150 वर्गगज	180	कृषि भूमि
40	शंकर लाल चन्देल / रंग लाल खटिक	रामकृष्ण नगर	175 वर्गगज	60	कृषि भूमि

यदि इस कार्य से किसी आम, खास को उज/आपत्ति हो तो परिषद में प्रकरण सम्बन्धित दस्तावेजात सहित 07 दिवस के भीतर-भीतर अपनी आपत्ति भय प्रकरण से सम्बन्धित दस्तावेजात सहित प्रस्तुत करें, अन्यथा बाद मियाद गुजरने पर किसी भी उज/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा और नियमानुसार चाहा गया पटटा जारी कर दिया जायेगा।

आयुक्त
नगर परिषद टोंक

भण्डारी-मुखर्जी के जीवन से युवा प्रेरणा लेकर राष्ट्रसेवा करें : कटारिया

अलवर। पंजाब के राज्यपाल गुलाब चन्द कटारिया और राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को प्रताप ऑडिटोरियम में सुन्दर सिंह भण्डारी एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर आयोजित व्याख्यान माला में देशसेवा और सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 19 वरिष्ठजनों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

मंगलवार को अलवर के प्रताप ऑडिटोरियम में सुन्दर सिंह भण्डारी चेरिटेबल ट्रस्ट उदयपुर की ओर से सुन्दर सिंह भण्डारी एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर व्याख्यान माला एवं विशिष्ट जन सम्मान समारोह आयोजित हुआ। जिसमें पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चन्द कटारिया और राजस्थान विधानसभा स्पीकर वासुदेव देवनानी मुख्य अतिथि रहे।

अलवर में सुन्दर सिंह भण्डारी एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर कार्यक्रम में वरिष्ठजन को सम्मानित किया।

पंजाब के राज्यपाल गुलाब चन्द कटारिया और देवनानी को मिशन सच नेटवर्क के डायरेक्टर राजेश रवि ने 'जैन आइकॉन्स अलवर' पुस्तक भेंट की

इस मौके पर राज्यपाल गुलाब चन्द कटारिया ने दोनों महापुरुषों को नमन करते हुए कहा कि सुन्दर सिंह भण्डारी का सादगीपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पित रहा। युवा पीढ़ी को इनके जीवन से प्रेरणा लेकर देशभक्ति के प्रति संकल्पित भावना से कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्र हमें सब कुछ देता है, हमें भी जिम्मेदार नागरिक के रूप में देश सेवा के कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। भारत ऋषि-मुनियों की तपोस्थली रही है और हमें भारतीय संस्कृति के मूल्यों को आत्मसात करना चाहिए।

राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का व्यक्तित्व प्रेरणादायी रहा और उनका जीवन राष्ट्रीय भावना के निर्माण को समर्पित रहा। उन्होंने देशभक्ति की भावना के साथ प्रखर राजनीतिज्ञ के रूप में काम करते हुए देश को आगे बढ़ाया। समारोह में सम्मानित वरिष्ठजनों ने राष्ट्र प्रेम को अग्रणी रखते हुए समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किया है। युवा पीढ़ी को इनसे सीख लेकर देश को आगे बढ़ाने में भूमिका निभानी चाहिए।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि भण्डारी और मुखर्जी के आदर्श, नैतिक मूल्य और राष्ट्रभक्ति आज भी प्रासंगिक हैं। डॉ. मुखर्जी राष्ट्र की अखण्डता के विचार पर बल देते थे और इस विचार को भण्डारी ने आगे बढ़ाने के लिए निरन्तर कार्य किया।

IEM - UEM Group | Jaipur

University of Engineering & Management

Admissions OPEN

Approvals & Accreditations

QS I-GAUGE | CAMBRIDGE English Educational Partner | GU Global University Rankings | THE World University Rankings 2026 | IOH | PRESTIGIOUS | UGC (University under Section 2(f) of the UGC Act) | AICTE APPROVED | NAAC ACCREDITED | AIU MEMBER | BOARD OF APPRENTICESHIP TRAINING (NORTHERN REGION)

UEM
GOOD EDUCATION, GOOD JOBS

EXCELLENCE IN PLACEMENTS. FUTURE IN THE MAKING.

Regular Placement Drives for
2026 Pass-Out Bath & 2027 Pre-Final Year Students

Top Placements

Esha Mishra – Walmart Global Tech India
Aman Sharma – Metacube Software Pvt. Ltd.
Avinash Kumar – Metacube Software Pvt. Ltd.
Sourabh Chhipa – Metacube Software Pvt. Ltd.
Jiya Saraf – MTX
Nistha Bhura – MTX
Pulkit Kr.Verma – Ubuy Technologies
Simran Kumari – Celebal Technologies
Piyush Sharma – Eazy ERP
Kingshuk Bairagi – Cape Electric
Pranjal Bhattacharjee – Polycab India Pvt. Ltd.
Jatin Kumawat – Metacube Software Pvt. Ltd.
Karan Kumawat – Tata Consultancy Services (TCS)
Dhanurdhar Sharma – Eazy ERP
Aniruddha Mukherjee – TCS Digital
Sanchita Brahma – Tech Mahindra
Snehasish Bhakat – HashedIn Technologies by DELOITTE
Soumen Pal – Metacube Software Pvt. Ltd.
Aakash Sahani – Ubuy Technologies Pvt. Ltd.
Subham Gourisaria – Tata Consultancy Services (TCS)
Tamoghno Moulik – Bosch
Tisha Bhattacharya – Tata Consultancy Services (TCS)
Ankita Priyadarshini – Indus Tower Pvt. Ltd.
Roshan Kumar – Mechlin Technologies

TOP RECRUITERS AT UEM JAIPUR

TCS Tata Consultancy Services | Infosys | wipro | cognizant
Capgemini | accenture | Tech Mahindra | pwc
Deloitte. | IBM | HCLTech | L&T Technology Services
metacube | Kreeti Technologies | CAPE ELECTRIC | cadence

...and many more leading national & international companies

PLACEMENT HIGHLIGHTS

- Strong participation from leading IT, Core Engineering, Analytics, Consulting, Finance & Startups
- Students bag multiple offers in AI, Data Science, Cyber Security, Cloud, VLSI, Core & more
- Trusted by recruiters for our students' dedication, discipline, knowledge & expertise in emerging technologies
- We strive to provide placement opportunities to each and every eligible candidate

Academic Partners
TCS Tata Consultancy Services | IBM | sas | IIDE | Cambridge

Foreign University Collaborations
UNLV | Brunel University London | Richard A. Chaifetz School of Business Saint Louis University | GIIM

More than 18000+ Certification
Harvard Business School | coursera | LinkedIn Learning | Infosys Springboard | Cambridge | IBM | edX

Scholarships of 7 CRORES Plus Provided
72 LAKHS Per Annum HIGHEST PACKAGE OFFERED
150 + Design Patents Granted
740 + Patents Published
800+ Research Paper Published

Ph.D Admissions (July-2026 Session)

Eligibility and Admissions Criteria as per the UGC Guidelines & Regulations

Applications are invited from highly motivated and research-oriented candidates for the Ph.D Programme in the following disciplines:

- Computer Science & Engineering • Computer Applications
- Mechanical Engineering • Electrical Engineering • Civil Engineering
- Electronics & Communication Engineering • English • Management
- Physics • Chemistry • Mathematics • Physiotherapy

B.TECH | M.TECH
Computer Science & Engineering | Data Science | AIML
Cloud Computing & Visualization | Electrical Engineering
Electronics & Communication Engineering | Civil Engineering
Mechanical Engineering

BBA | MBA
Marketing | Finance | Human Resource | Technology Management
Operations & Supply Chain Management | Digital Marketing
Hospital & Healthcare Management

MBA Executive
Marketing | Finance | Human Resource
Operations & Supply Chain Management
Hospital & Healthcare Management
Technology Manage

BCA | MCA
Data Science | Artificial Intelligence & Machine Learning
Full Stack Development | Cyber Security & Cloud Computing
AI & ML (Industry Integrated)

BPT | MPT
Cardiopulmonary | Orthopaedics | Neurology
Musculoskeletal | Pediatrics | Sports

PGDY
Post Graduate Diploma in Yoga

SCHOLARSHIPS UPTO 100%*

Study Abroad Program – USA, CANADA, UK, AUSTRALIA & SINGAPORE
Industry Established 5 Labs
Leading University for 6G Projects – Government of India
Institution of Happiness – QS I-GAUGE Global Rankings Platform
World University Rankings 2026

Admission Helpline No.: 9887313330, 9887433330, 9887413330 | WhatsApp 9887313330

Campus: 'Gurukul' Udaipuria Mod, Sikar Road, Jaipur - 303807 (Rajasthan) | www.uem.edu.in

मैं बस इस पल का मज़ा लेना चाहता हूँ और अपनी टीम के साथियों के साथ जश्न मनाना चाहता हूँ। मैं इस पल का पूरा फ़ायदा उठा रहा हूँ और देखना चाहता हूँ कि हम सब मिलकर कितनी दूर तक जा सकते हैं। - लियोनेल मेसी

अर्जेंटीना के फ़ुटबॉलर, वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के बाद बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

मार्केटा वांद्रोसोवा

विंबलडन की पूर्व चैंपियन मार्केटा वांद्रोसोवा को सोमवार को डोपिंग रोधी परीक्षण से इनकार करने के कारण चार साल के लिए निलंबित कर दिया गया। चेक गणराज्य की इस खिलाड़ी ने कहा कि जब परीक्षण एजेंट ने बिना अपनी सही पहचान बताए देर रात उनके दरवाजे की घंटी बजाई तो उन्हें 'मानसिक तनाव' और डर महसूस हुआ। अंतरराष्ट्रीय टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी ने यह घोषणा करते हुए कहा कि वांद्रोसोवा ने दिसंबर में परीक्षण कराने से इनकार कर दिया था और यह फैसला एक स्वतंत्र पंचाट ने लिया है।

क्या आप जानते हैं ?... एक मैच में सर्वाधिक गोल : रूस के ओलेग सालेन्को ने साल 1994 के वर्ल्ड कप में एक ही मैच (कैमरून के खिलाफ) में 5 गोल करने का अविश्वसनीय रिकॉर्ड बनाया था।

FIFA WORLD CUP 2026

आज के मैच

इंग्लैंड बनाम घाना

सुबह 1.30 बजे

पनामा बनाम क्रोएशिया

सुबह 4.30 बजे

कोलंबिया बनाम डीआर कांगो

सुबह 7.30 बजे

फ्रांस ने इराक को 3-0 से हराकर नॉकआउट में बनाई जगह, एम्बाप्पे ने दागे दो गोल

फिलाडेल्फिया, 23 जून। फीफा विश्व कप 2026 में फ्रांस ने मंगलवार को इराक को 3-0 से हराकर अंतिम 32 में अपनी जगह पक्की कर ली। मुकाबले का सबसे चर्चित पहलू रहा किलियन एम्बाप्पे का शानदार प्रदर्शन और बीच मैच में खराब मौसम के कारण हुआ लंबा व्यवधान। फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे ने प्रतियोगिता में अपना दूसरा दोहरा गोल दागते हुए टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। उनके दोनों गोलों के बीच लगभग तीन घंटे का अंतर रहा, क्योंकि क्षेत्र में तेज़ तूफान और बारिश के कारण दूसरे हाफ की शुरुआत लगभग दो घंटे तक टालनी पड़ी। एम्बाप्पे के इन गोलों के साथ विश्व कप में उनके कुल गोलों की संख्या 16 हो गई और उन्होंने जर्मनी के पूर्व दिग्गज स्ट्राइकर मिरोस्लाव क्लोज़े के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

मेसी के दो गोल से अर्जेंटीना की जीत, ऑस्ट्रिया को हराकर नॉकआउट चरण में पहुंची टीम

डलास, 23 जून। फीफा विश्व कप 2026 में अर्जेंटीना ने अपने प्रशंसकों का भरोसा कायम रखते हुए ऑस्ट्रिया को भारतीय समयानुसार मंगलवार को 2-0 से हराकर नॉकआउट चरण में जगह पक्की कर ली। कप्तान लियोनेल मेसी ने दोनों गोल दागकर टीम को जीत दिलाई और एक बार फिर बड़े मंच पर अपनी अहमियत साबित की। मैच से पहले ही डलास शहर अर्जेंटीना के रंग में रंग गया था। हजारों समर्थकों ने पारंपरिक बांदेराजो आयोजन में हिस्सा लेकर शहर को नीले-सफेद रंग में सजा दिया था। मुकाबले के दिन भी स्टेडियम में अर्जेंटीना समर्थकों का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।

मुकाबले की शुरुआत में अर्जेंटीना को बड़ा मौका मिला जब वीडियो समीक्षा के बाद टीम को पेनाल्टी दी गई। हालांकि मेसी इस अवसर को गोल में नहीं बदल सके और उनका शॉट बाहर चला गया। यह विश्व कप 2022 में पोलैंड के खिलाफ चूकी पेनाल्टी के बाद देश के लिए उनकी पहली पेनाल्टी चूक रही।

इसके बाद ऑस्ट्रिया ने कुछ समय तक अर्जेंटीना पर दबाव बनाया और मुकाबले को संतुलित बनाए रखा। लेकिन 39वें मिनट में अर्जेंटीना को बढ़त मिल गई। थियागो आल्माडा ने फाकुंडो मेडिना के पास को चतुराई से छोड़ दिया और गेंद मेसी तक पहुंची। मेसी ने संतुलित अंदाज में गेंद को गोल में पहुंचाकर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ में ऑस्ट्रिया ने वापसी की कोशिश की और एक खतरनाक अवसर बनाया, लेकिन गोलरक्षक एमिलियानो मार्टिनेज़ ने शानदार बचाव किया।

नॉर्वे ने सेनेगल को 3-2 से हराकर नॉकआउट दौर में बनाई जगह

न्यूयॉर्क/न्यू जर्सी, 23 जून। फीफा विश्व कप 2026 में नॉर्वे ने सोमवार (भारतीय समयानुसार मंगलवार) को सेनेगल को रोमांचक मुकाबले में 3-2 से हराकर अंतिम 32 में अपनी जगह पक्की कर ली। नॉर्वे की जीत के नायक एरलिंग हालांड रहे, जिन्होंने दूसरे हाफ में दो गोल दागे। मुकाबले की शुरुआत नॉर्वे के लिए शानदार रही। टीम को शुरुआती बढ़त मार्कस पेडर्सन ने दिलाई। इसके बाद दूसरे हाफ में एरलिंग हालांड ने आक्रामक खेल दिखाते हुए लगातार दो गोल कर नॉर्वे को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। हालांकि सेनेगल ने हार नहीं मानी। इस्माइला सार ने नॉर्वे के तीसरे गोल के पहले और बाद में दो गोल कर मुकाबले को रोमांचक बना दिया।

आर.डी. सिंह मेमोरियल गोल्फ में डॉ. देवेंद्र उप विजेता

जयपुर, 23 जून। जयपुर के रामबाग गोल्फ क्लब में आयोजित मासिक मेडल चतुर्थ संस्करण के आ.डी.सिंह मेमोरियल गोल्फ प्रतियोगिता में डॉ देवेंद्र कुमार ने 10 से 16 हैंडीकैप वर्ग में 36 अंक प्राप्त कर उप विजेता बने। डॉ देवेंद्र द्वारा इसी माह की गोल्फ प्रतियोगिता में लगातार दूसरा पुरस्कार हासिल किया है। इस ग्रुप के विजेता हैदर अली के भी डॉ देवेंद्र के बराबर ही 36 अंक ही थे परंतु बैक 9 होल में अधिक अंक होने से हैदर को विजेता घोषित किया।

राजस्थान की वुशू खिलाड़ी दिव्यांशी का भारतीय टीम में चयन

जयपुर, 23 जून। हुबेई, चीन में 24 से 29 जून 2026 तक आयोजित होने वाली एसबीओ इंटरनेशनल वुशू प्रतियोगिता में भाग लेने वाली भारतीय वुशू टीम में कोटा, राजस्थान की दिव्यांशी का चयन हुआ। हीरानंद कटारिया, उपाध्यक्ष, भारतीय वुशू संघ व अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ ने बताया कि दिव्यांशी 60 किलोग्राम भारवर्ग में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए, पदक की दावेदारी पेश करेंगी। राजेश कुमार टेलर, वुशू कोच ने बताया कि दिव्यांशी का चयन दिनांक 4 से 8 जून तक श्रीनगर में आयोजित सलेक्शन ट्रायल व राष्ट्रीय स्तर पर नियमित शानदार प्रदर्शन के आधार पर हुआ है तथा दिव्यांशी का अगला लक्ष्य सितम्बर में जापान में आयोजित होने वाले एशियाई खेलो में भाग ले कर देश के लिए पदक जीत, देश व प्रदेश का नाम रोशन करना का है।

राजस्थान स्टेट शूटिंग चैम्पियनशिप में मानिनी कौशिक को गोल्डन डबल

जयपुर, 23 जून। मानिनी कौशिक ने हाल ही में खत्म हुई स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप 2026 में दो गोल्ड मेडल और एक ब्रॉन्ज मेडल जीता। वह 50 मीटर 3 1 और प्रोन इवेंट में गोल्ड मेडल और 10 मीटर एयर राइफल इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीतने में कामयाब रहीं। इस तरह मानिनी ने पिछली लगातार पांच स्टेट चैंपियनशिप में 9 गोल्ड मेडल और दो ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। खास बात यह है कि मानिनी अभी 50 मीटर प्रोन कैटेगरी में नेशनल रैंकिंग में पहले नंबर पर हैं। उन्हें 2026 1 वर्ल्ड कप काहिरा इजिप्ट के लिए भी चुना गया है, जहां वह 50 मीटर राइफल 3 1 इवेंट में इंडिया को रिप्रेज़ेंट करेंगी।

राज्यवर्धन राठौड़ की पहल पर खिलाड़ियों के लिए विशेष पौष्टिक डाइट शुरू की जायेगी

जयपुर, 23 जून। युवा मामले एवं खेल मंत्री राजस्थान सरकार कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ की पहल पर राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद द्वारा संचालित सभी खेल अकादमियों एवं क्रीड़ा संस्थानों में प्रशिक्षणरत खिलाड़ियों के लिए पहली बार विशेष पौष्टिक आहार की व्यवस्था लागू की जा रही है। खेल मंत्री कर्नल राठौड़ ने कहा कि प्रदेश के प्रतिभावान खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने के लिए विश्वस्तरीय प्रशिक्षण के साथ-साथ विश्वस्तरीय पोषण मिलना भी आवश्यक है। इसी सोच के साथ यह निर्णय लिया गया है। नई डाइट योजना के अंतर्गत खिलाड़ियों को प्रतिदिन उच्च प्रोटीन एवं ऊर्जा युक्त भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। इसमें बादाम, खजूर, उबले अंडे, मौसमी फलों के जूस दिए जाएंगे। मुख्य भोजन में पनीर, मटन, चिकन, विभिन्न प्रकार की दालें, मल्टीग्रेन रोटियां तथा मौसमी सब्जियां शामिल रहेंगी। शाकाहारी एवं मांसाहारी खिलाड़ियों के लिए अलग-अलग संतुलित मेन्यू तैयार किया गया है।

रोहित और सविता को पद्मश्री, विजय अमृतराज को पद्म भूषण

नई दिल्ली, 23 जून। टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाले भारत के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा को मंगलवार, 23 जून को नई दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश के चौथे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म श्री से नवाजा। रोहित शर्मा उन 65 बड़ी हस्तियों में शामिल थे, जिन्हें इस दूसरे सिविल इनवेस्टीट्यूर सेरेमनी में सम्मानित किया गया। रोहित के अलावा भारतीय महिला हॉकी टीम की स्टार गोलकीपर सविता पूनिया को भी पद्म श्री मिला, जबकि टेनिस के लेजेंड विजय अमृतराज को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।

दिग्गजों के एलीट क्लब में शामिल हुए रोहित शर्मा

यह प्रतिष्ठित सम्मान हासिल करने के साथ ही रोहित शर्मा भारतीय क्रिकेट के एक बेहद खास और एलीट क्लब में शामिल हो गए हैं। वह देश के उन चुनिंदा लगभग 40 क्रिकेटर्स की लिस्ट में आ गए हैं, जिन्हें अब तक पद्म श्री से नवाजा गया है। इस सम्मान के साथ रोहित का नाम अब विजय हजारे और नवाब पटौदी जैसे पुराने जमाने के दिग्गजों से लेकर सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, एमएस धोनी और विराट कोहली जैसे मॉडर्न मास्टर्स की आइकॉनिक लीग में जुड़ गया है।

अल्जीरिया ने जॉर्डन को 2-1 से हराकर नॉकआउट की उम्मीदें जिंदा रखी

सैन फ्रांसिस्को, 23 जून। फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप जे मुकाबले में मंगलवार को अल्जीरिया ने शानदार वापसी करते हुए जॉर्डन को 2-1 से हराकर अपनी नॉकआउट चरण में पहुंचने की उम्मीदें जिंदा रखीं, जबकि जॉर्डन का टूर्नामेंट सफर यहीं समाप्त हो गया।

मैच की शुरुआत से ही अल्जीरिया ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और लगातार आक्रमण किए, लेकिन जॉर्डन की मजबूत रक्षापंक्ति ने लंबे समय तक उन्हें सफलता नहीं मिलने दी। इसके उलट जॉर्डन ने मिले मौके का फायदा उठाते हुए 36वें मिनट में बढ़त हासिल कर ली। अल्जीरियाई रक्षण पंक्ति की गलती के बाद बने तेज आक्रमण को निजार अल-रशदान ने निचले कोने में शानदार शॉट लगाकर गोल में बदल दिया।

पहला हाफ में 1-0 से पीछे रहने के बाद अल्जीरिया ने दूसरे हाफ में दबाव बढ़ाया और वापसी की शुरुआत 69वें मिनट में हुई। स्थानापन्न खिलाड़ी नाथिर बेनबुआली ने रियाद महरेज के कॉर्नर पर शानदार हेडर लगाकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद अल्जीरिया ने

लगातार दबाव बनाए रखा और 82वें मिनट में एक और कॉर्नर से निर्णायक गोल आया। बॉक्स में बनी अफरा-तफरी के बीच अमीन गुइरी ने नजदीक से गेंद को गोल में पहुंचाकर अल्जीरिया को 2-1 की बढ़त दिला दी। अंतिम मिनटों में जॉर्डन ने बराबरी की कोशिश की, लेकिन अल्जीरिया ने बढ़त बचाए रखी और महत्वपूर्ण जीत दर्ज की।

क्रीड़ा परिषद के सचिव राजकेश मीणा हर बुधवार को सुनेंगे खिलाड़ियों की समस्याएं

जयपुर 23 जून। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद द्वारा राज्य में खेल और खिलाड़ियों के विकास तथा उनकी समस्याओं के त्वरित निवारण के लिए एक बड़ी पहल की गई है। सवाई मानसिंह (एसएमएस) स्टेडियम स्थित परिषद मुख्यालय पर अब नियमित जनसुनवाई के अतिरिक्त प्रत्येक बुधवार को विशेष जनसुनवाई का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में क्रीड़ा परिषद द्वारा आधिकारिक सूचना जारी कर प्रदेश के समस्त खिलाड़ियों, खेल प्रशिक्षकों (कोचेस), विभिन्न खेल संघों और खेल जगत से जुड़े संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया गया है।

इस विशेष जनसुनवाई की मुख्य विशेषता यह होगी कि इसमें खेल और खिलाड़ियों से जुड़े तमाम विषयों, शिकायतों, सुझावों और समस्याओं की सुनवाई स्वयं क्रीड़ा परिषद के सचिव द्वारा की जाएगी। इस दौरान परिषद के अन्य संबंधित अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहेंगे ताकि खिलाड़ियों के मामलों और शिकायतों का तुरंत निस्तारण किया जा सके। इस कदम से खेल प्रशासन में पारदर्शिता बढ़ेगी और सामान्य स्तर पर खिलाड़ियों को अपनी बात सीधे उच्चाधिकारियों तक पहुँचाने का मौका मिलेगा। क्रीड़ा परिषद द्वारा तय किए गए कार्यक्रम के अनुसार, यह विशेष जनसुनवाई प्रत्येक बुधवार को दोपहर 2.30 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम परिसर में आयोजित की जाएगी। परिषद प्रबंधन ने सभी संबंधित खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और खेल पदाधिकारियों से अपील की है कि वे इस निर्धारित समय सारणी के अनुसार उपस्थित होकर अपनी समस्याओं को दर्ज कराएं और इस विशेष जनसुनवाई का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने दागा दूसरा गोल, पुर्तगाल ने बनाई 3-0 की बढ़त

ह्यूस्टन स्टेडियम, 23 जून। क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए पहले ही हाफ में अपना दूसरा गोल दागा। रोनाल्डो ने 39वें मिनट में शानदार गोल किया और उज्बेकिस्तान के खिलाफ टीम को 3-0 से आगे किया। रोनाल्डो का विश्व कप में यह 10वां गोल है और वह पुर्तगाल के लिए फीफा विश्व कप में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। विश्व कप में रोनाल्डो का यह 17वां गोल था और इसके साथ ही वह विश्व कप में सर्वाधिक गोल करने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे आगे सिर्फ लियोनेल मेसी हैं जिनके नाम फीफा विश्व कप में 18 गोल हैं।

रोनाल्डो का गोल - रोनाल्डो ने शुरुआती मिनटों में ही उज्बेकिस्तान पर बढ़त दिला दी। रोनाल्डो ने छठे मिनट में गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। रोनाल्डो ने मौके को पूरी तरह भुनाया और गोल दागा। रोनाल्डो का फीफा विश्व कप में यह नौवां गोल था। क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने यह गोल किया और यह एक ऐतिहासिक गोल है। वह छह विश्व कप में गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। क्रॉस के लिए यह बिल्कुल सही जगह पर थे और उन्होंने बहुत ही शानदार तरीके से गोल पूरा किया।

देवेंद्र शेखावत क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 23 जून। अंडर-16 समर कप में देवेंद्र शेखावत क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 39 ओवर में 150 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाए। राजवीर ने 29 और कौशलेंद्र ने 22 रनों का योगदान दिया। शास्त्री क्रिकेट अकादमी की ओर से अमित मीणा ने 3 और रोहन जैन ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी शास्त्री क्रिकेट अकादमी 26 ओवर में 61 रन पर ऑल आउट हो गई। देवेंद्र शेखावत क्रिकेट अकादमी की ओर से नईम खान ने 3, लक्ष्य और अभी प्रजापत ने 2-2 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच नईम खान को चुना गया।

बगड़ अकादमी ने मिनर्वा अकादमी को 118 रन से हराया

जयपुर, 23 जून। जयपुर के स्थानीय रेलवे ग्राउंड पर चल रहे हैं हाजी गनी मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट में पहला मैच बगड़ क्रिकेट अकादमी और मिनर्वा क्रिकेट अकादमी के बीच खेला गया। जिसमें पहले बल्लेबाजी करते हुए मगर की बगड़ क्रिकेट अकादमी ने 206 रन बनाए। जिसमें परवेज ने 81 रन व शुभम ने 48 रन की पारी खेली। मिनर्वा की ओर से गेंदबाजी में सुमित बागोरिया ने 3 विकेट व हर्ष सोनी ने 2 विकेट लिए। जवाब में मिनर्वा अकादमी 88 रन पर ही ऑल आउट हो गई। जिसमें अर्जुन ने 25 रन व प्रवीर ने 24 रन बनाए। बगड़ अकादमी की ओर से गेंदबाजी में विनय ने 3 विकेट व कार्तिक और अमित ने 2-2 विकेट लिए। बगड़ अकादमी ने मिनर्वा अकादमी को 118 रन से हराया। दिन का दूसरा मुकाबला बगड़ क्रिकेट अकादमी और जयपुरिया क्रिकेट अकादमी के बीच खेला गया। जिसमें पहले बल्लेबाजी करते हुए बगड़ अकादमी ने 274 रन बनाए। जिसमें डेविड सिंह ने 84 रन व प्रतीक मान ने 53 रन व शुभम ने 48 रन बनाए। जयपुरिया अकादमी की ओर से गेंदबाज में है हेमान्य भारद्वाज ने 4 विकेट लिए। जवाब में जयपुरिया अकादमी 218 रन मना पाई। जिसमें राहुल खंडेलवाल ने 103 रन व साहिब ने 33 रन बनाए। बगड़ क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में विनय अमित व ईमान ने 2-2 विकेट लिए।

आर.डी. बाहेती जयपुर जिला ओपन बैडमिंटन चैम्पियनशिप का शुभारंभ, सभी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी तीसरे दौर में पहुंचे

जयपुर, 23 जून। आर.डी. बाहेती मेमोरियल जयपुर जिला ओपन बैडमिंटन चैम्पियनशिप-2026 का शुभारंभ मंगलवार सुबह 10:30 बजे एसएमएस स्टेडियम इंडोर बैडमिंटन हॉल में भव्य समारोह के साथ हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रदीप बाहेती, सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश एन.के. जैन, अशोक बाहेती एवं संजय बाहेती ने स्वर्गीय आर.डी. बाहेती के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया। इस अवसर पर एन.के. जैन ने दीप प्रज्ज्वलित कर प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया।

उद्घाटन समारोह के दौरान अतिथियों ने खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता के पहले दिन खेले गए मुकाबलों में सभी वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीसरे दौर में प्रवेश किया। सचिव मनोज दासोत अनुसार आज पहले दिन लगभग 120 मैच खेले गए अंडर-15 बालक एकल में युवराज सिंह शेखावत ने लक्ष्य खोईवाल को 15-7, 15-8 से पराजित कर तीसरे दौर में जगह बनाई।

अंडर-15 एवं अंडर-17 बालिका एकल में पयजा सिंह ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए दोनों वर्गों में तीसरे दौर में प्रवेश किया। अंडर-17 वर्ग में उन्होंने दीप्ति यादव को 15-3, 15-3 से हराया। वहीं, अंडर-17 बालिका वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त आराध्या जैन ने तनिष्का जैन को हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। अंडर-15 बालिका एकल में दूसरी वरीयता प्राप्त रिद्धि बत्रा भी जीत दर्ज कर तीसरे दौर में पहुंचने में सफल रही।

उद्घाटन समारोह के दौरान प्रदीप बाहेती ने अपने पिता स्वर्गीय आर.डी. बाहेती की खेलों के प्रति भावना और इच्छा को याद करते हुए घोषणा की कि आर.डी. बाहेती चैरिटेबल ट्रस्ट हर वर्ष जयपुर जिला बैडमिंटन प्रतियोगिता को प्रायोजित करता रहेगा। जिला सचिव मनोज दासोत के अनुसार प्रतियोगिता की औपचारिक शुरुआत प्रथम शटल खेलकर माननीय एन.के. जैन एवं प्रदीप बाहेती ने की। इस अवसर पर संस्था के पैट्रन राजीव नागौरी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए उन्हें स्मृति-चिन्ह भेंट किए।

समारोह में आयोजन सचिव अतुल गुप्ता, रितु लोहिया, संजय भार्गव, विकास माथुर, जगदीश खत्री एवं सुरेंद्र गोयल सहित अनेक खेल प्रेमी एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। आयोजन सचिव अतुल गुप्ता ने बताया कि बुधवार को अंडर-11, अंडर-15 एवं अंडर-17 बालक एवं बालिका वर्ग के एकल मुकाबले खेले जाएंगे, जिनमें रोमांचक प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी।

सीकर ने झुंझुनूं को हराया, क्वार्टरफाइनल मैच में उदयपुर ने जोधपुर को हराया

जयपुर, 23 जून। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय सीनियर वीमेन प्रतियोगिता के के आज खेले गए सेमीफाइनल व क्वाटर फाइनल मैचों का परिणाम :-

आरसीए अकादमी सेमीफाइनल सीकर - झुंझनू (सीकर 34 रन से जीती जी आर ग्राउंड क्वाटर फाइनल जोधपुर -उदयपुर, उदयपुर 2 विकेट से जीती।

राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड प्रतियोगिता (सुपर लीग) मैचों के दूसरे दिन जयपुर ने जालोर को पारी व विशाल अंतर से हराया व प्रतियोगिता मेडिप्य गजराज का दोहरा शतक, कार्तिकय चौधरी का शतक

जयपुर - जालोर मैच, जयपुर पारीव 170 रनोसे जीती। सीकर - करौली मैच, सीकर पहली पारी 747 /7 घोषित टीम के लिए, दिव्य गजराज 261, पार्थ यादव 92, सोहन 57 व हिमांशु नेहरा 58 रन। नागौर - चूरू मैच, नागौर पहली पारी 233 आल आउट। चूरू पहली पारी 250 आल आउट। टीम के लिए राजवीर सिंह 58 व सचिन चौधरी 53 रन। बीकानेर -उदयपुर मैच, बीकानेर पहली पारी 220 आल आउट। उदयपुर पहली पारी 313 आल आउट।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD ELECT DIV. KOTA

क्रमांक-248 दिनांक-12/6/26

Notice Inviting Bid No 07/2026-27

Bid for "01 No Electrification work " NIT No. 07/2026-27 are invited from interested bidders up to 6.00 PM on 28.06.2026 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in,http://sppp.raj.nic.in) of the state departmental website. The approximate value of the procurement is Rs 141.65 Lac

UBN No.- 1. PWD2627WSOB04842

(Rajendra Kumar Vasanwal) Executive Engineer PWD Elect Division Kota

DIPR/C/10751/2026

कार्यालय अधीक्षण अभियंता जलग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग, कोटा

पताः- प्रथम तल जिला परिषद् भवन सीएडी कोटा, पिन कोड 324009

ई-मेल - SEWDSC.KOTA@RAJASTHAN.GOV.IN

क्रमांकः लेखा / 2026-27/648 दिनांक :- 16/6/26

NOTICE INVITING BID

NIB No 06 YEAR 2026-27

Bids for NRM Works, estimated value INR 94.53 Lacs are invited from interested bidders up to 6.00 PM, 29.06.2026. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state. or

NIB NO.-WSC2627A0435

UBN NO.-WSC2627WSOB00679

(उमेश चन्द्र गुप्ता) अधीक्षण अभियन्ता जलग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग कोटा

DIPR/C/10941/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड-द्वितीय सवाई माधोपुर

क्रमांक : 328 दिनांकः 15/6/26

ई-निविदा सूचना संख्याः 05/2026-27 खण्ड-द्वितीय सवाई माधोपुर

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड कार्यालय के अधीन उपखण्डो में एसआर टू सीडी एवं रिनिवल सडक निर्माण कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के यथोचित श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण बेवसाईट साईट www.dipronline.org व www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN NO. :- 1. PWD2627WSOB04961, 2. PWD2627WSOB04962, 3. PWD2627WSOB04963

अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड-द्वितीय सवाई माधोपुर

DIPR/C/10893/2026

राजस्थान सरकार

कार्यालय ग्राम पंचायत गोलासन पंचायत समिति सांचौर, जालोर

क्रमांक / निविदा / 2026-27/35 दिनांक :- 15.6.2026

ई-निविदा सूचना संख्या- 01 वर्ष 2026-27

पंचायत समिति सांचौर के अधीनस्थ ग्राम पंचायत गोलासन वित्तीय वर्ष 2026-27 की अवधि के लिए महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजनान्तर्गत कराये जाने वाले समस्त निर्माण कार्यों हेतु (अनुबंध सम्पादन की तिथि से 31.03.27) निर्माण सामठाी (माल एवं सेवाऐं) आपूर्ती तथा उपकरण उपलब्ध करवाने हेतु दर अनुबंध (रेट कांट्रेक्ट) राजस्थान लोक उपापन पारदर्शिता अधिनियम 2012 व नियम 2013 एवं राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के अनुसार जी एस टी अधिनियम 2017 में पंजीकृत अनुभवी एवं जिन्होने अपनी माह मार्च 2026 की फाईलिंग की हों एवं ऐसे विनिर्माताओं, विक्रेताओं, आपूर्तिकर्ताओं जो किसी भी राजकीय संस्थान / उपक्रमों से बोली लगाने से विवर्जित/ब्लेक लिस्टेड नहीं हो, से ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया द्वारा निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधी तिथियां, समय, शर्तें, निविदा की अनुमानित राषि एवं निविदा का अन्य विस्तृत विवरण कार्यालय समय में संबंधित कार्यालय में एवं राज्य लोक उपापन पोर्टल है www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in पर अवलोकन / डाउनलोड किया जा सकता। निविदा के NIB NO. ZJR2627A0273 & UBN NO. ZJR2627GLOB00306 है।

ग्राम पंचायत का नाम	अनुमानित लागत	अमानत राशि रूपये में	ऑनलाईन बोली दस्तावेज डाउनलोड/अपलोड करने की दिनांक व समय	प्रोसेसिंग शुल्क, निविदा शुल्क एवं अमानत राशि मय तकनिकी बिड भौतिक रूप से ग्राम पंचायत में जमा कराने की दिनांक व समय	ऑन-लाईन निविदा खोलने की दिनांक
गोलासन	90.00 लाख	180000	16.06.2026 से 26.06.2026	26. 29.06.26 को 01.00 PM तक	29.06.26 को 1.00 PM से

जीवाराम चौधरी, प्रशासक ग्राम पंचायत-गोलासन पं.स. सांचौर (जालोर)

DIPR/C/10906/2026

विजलाराम देवासी, ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत-गोलासन पं.स. सांचौर (जालोर)

राजस्थान-सरकार

कार्यालय जिला परिवीक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, ब्यावर

उदयपुर रोड़ चूंगी नाका, साकेत पुलिस स्टेशन के पीछे, ब्यावर

ई-मेल : dlo.sje.beaw@rajasthan.gov.in 01462299053

क्रमांकः-सान्याअवि/ब्यावर/ई-टेण्डर/2026-27/942 दिनांकः- 11/06/226

ई-निविदा सूचना 04/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा राजस्थान लोकउपापन मे पारदर्शिता अधिनियम, 2012 एवंनियम 2013 के अन्तर्गत मानव संसाधन की सेवाओ के उपापनो के सम्बन्ध मे वित्त विभाग के आदेश क्रमांक एफ 2 (1) वित्त / एसपीएफसी / 2017 संख्या 1/2018 जयपुर दिनांक 30.04.2018 एव श्रीमान निदेशक एव संयुक्त शासन सचिव सान्याअवि के पत्रांक राजकाज रेफरेंस न. 20849414 दिनांक 04.06.2026 के तहत् वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतू कार्यालय जिला परिवीक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, ब्यावर के अधीन संचालित विभागीय राजकीय छात्रावासों जिनमें रसोईसा / चौकीदार पदस्थापित नहीं है, में रसोईया / चौकीदारी के कार्य जॉब बेसिस आधार पर कार्य कराने हेतु इच्छुक श्रम आपूर्तिकर्ताओ / स्वंय सहायता समूहो / संवेदक से निम्नानुसार ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं-

क्र. सं.	जॉब कार्य का संक्षिप्त विवरण	अनुमानित वाषिक लागत राशि रू.	02 प्रतिशत धरोहर राशि रू.	निविदा शुल्क राशि रू.	आर.आई.एस. एल. प्रक्रिया शुल्क
01	विभागीय राजकीय छात्रावासों में खाना बनाने व चौकीदारी कार्य जॉब बेसिस आधार पर करवाया जाना।	4350000/-	87000/-	500/-	500/-

ई-निविदा कार्यक्रम

1	ई प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा प्रपत्र बिड डाटा सीट इत्याद्दि डाउनलोड करने की प्रारंभ तिथि व समय	11.06.2026	12.00 PM
2	ई प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा प्रस्तुत करने की प्रारंभतिथि व समय	11.06.2026	12.00 PM
3	ई प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा प्रपत्र बिड डाटा सीट इत्याद्दि अपलोड करने की अन्तिम तिथि व समय	25.06.2026	11.00 PM
4	अमानत राशि, निविदा शुल्क एवं आर.आई.एस.एल. प्रक्रिया शुल्क एवं निविदा दस्तावेज कार्यालय मे प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि व समय	25.06.2026	01.00 PM
5	तकनीकी निविदा खोलने की तिथि व समय	25.06.2026	03.00 PM

ऑन-लाईन बिडिंग के लिए निविदा दाता का सूचना प्रौधोगिक अधिनियम 2000 के अनुसार डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र (DSC) होना आवश्यक है। निविदा दस्तावेज मय शर्ते sjerajasthan.gov.in व sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। तकनीकी निविदा उन्ही निविदादाताओं की खोली जायेगी जिनके द्वारा निविदा अमानत / धरोहर राशि के डिमाण्ड ड्राफ्ट जो की जिला परिवीक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, ब्यावर के नाम तथा निविदा प्रपत्र शुल्क ऑनलाईन ई-ग्रास से चालान 500 रू एवं RISL ई निविदा प्रक्रिया शुल्क राशि ऑनलाई न ई-ग्रास से चालान 500/- रूपयें Managing Director, RISL, Jaipur (Payable at Jaipur) के नाम से नियत तिथी एवं समय तक कार्यालय में प्रस्तुत कर दी गई होगी। तकनीकी निविदा खोलने की तिथि को अवकाश घोषित हो जाने पर अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जावेगी। उक्त निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्ता को होगा।

UBN NO. SOC2627SLOB00044

जिला परिवीक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ब्यावर

DIPR/C/11074/2026

राजस्थान को अपने हिस्से का जल मिलेगा, जल प्रबंधन को मजबूती देगा- भजनलाल

सीआर पाटिल व नायब सिंह के साथ उन्होंने यमुना जल परियोजना के एमओए को अंतिम रूप दिया

नई दिल्ली/जयपुर, 23 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल एवं हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ यमुना जल परियोजना से संबंधित बैठक में भाग लिया। बैठक में परियोजना के क्रियान्वयन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई तथा मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट (एमओए) के महत्वपूर्ण बिन्दुओं को अंतिम रूप दिया गया। साथ ही, किशाऊ बांध परियोजना से संबंधित विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने कहा कि राज्यों के बीच समन्वय स्थापित कर जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में, यमुना जल परियोजना को प्रभावी एवं दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि परियोजना के तहत, पानी को पारंपरिक नहर प्रणाली की बजाय, पाइपलाइन के माध्यम से पहुंचाने का प्रस्ताव है, जिससे जल संरक्षण सुनिश्चित होने के साथ ही वितरण व्यवस्था अधिक व्यापक बनेगी।

उन्होंने कहा कि किशाऊ बांध परियोजना से जुड़े छह राज्यों के मुद्दों का भी समाधान हो गया है और शीघ्र ही उससे संबंधित एमओए भी किया जाएगा। इससे राजस्थान, दिल्ली और हरियाणा सहित, अन्य राज्यों को भी लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल एवं हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ यमुना जल परियोजना के संबंध में महत्वपूर्ण बैठक की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यमुना जल परियोजना राजस्थान, विशेषकर शेखावाटी क्षेत्र, के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह परियोजना क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास तथा लाखों लोगों के जीवन स्तर में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यमुना जल परियोजना के क्रियान्वयन से जल्द ही राजस्थान को अपने हिस्से का पानी प्राप्त होगा, जिससे किसानों, उद्योगों और आमजन को व्यापक लाभ मिलेगा। साथ ही, प्रदेश में जल प्रबंधन को मजबूती मिलेगी और विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को साकार करने में भी सहायता मिलेगी।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि रेणुका, लखवार और किशाऊ परियोजनाओं के क्रियान्वयन से मिलने वाले पानी से राजस्थान तथा दिल्ली के साथ ही, हरियाणा के लोगों को भी फायदा मिलेगा।

- **जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने कहा कि इस परियोजना में पारंपरिक नहर प्रणाली की बजाय पाइप लाइन से पानी पहुँचाना प्रस्तावित है। इससे जल संरक्षण सुनिश्चित होगा तथा वितरण व्यवस्था व्यापक बनेगी।**
- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यह परियोजना शेखावाटी क्षेत्र के लिये अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास तथा लाखों लोगों का जीवन स्तर सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी।**

दान राशि में कथित गबन की चर्चाओं के बीच राम मंदिर ने व्यवस्थायें बदलीं

अयोध्या, 23 जून। राम मंदिर की दानराशि में कथित गबन और चोरी के मामले सामने आने के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने दान गणना और प्रबंधन व्यवस्था में कई महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। अब दान गणना कक्ष में प्रवेश करने वाले कर्मियों के लिए बिना जेब वाले विशेष वस्त्र पहनना अनिवार्य कर दिया गया है।

मोबाइल फोन, बैग, झोला, पर्स और अन्य निजी सामान लेकर प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। साथ ही, प्रवेश और निकासी के समय कर्मियों की जांच भी की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, दानपात्रों से निकलने वाली नकदी की गणना के दौरान पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए गणना कक्ष में लगे सीसीटीवी कैमरों की संख्या छह से बढ़ाकर 10 कर दी गई है। गणना प्रक्रिया की रिकॉर्डिंग की जा रही है और कई स्तरों पर निगरानी रखी जा रही है। सूत्र बताते हैं कि नई व्यवस्था के तहत गणना कक्ष में जाने वाले प्रत्येक कर्मचारी का रिकॉर्ड रखा जा रहा है। गणना से पहले और बाद में कर्मियों की उपस्थिति दर्ज की जा रही है। पूरी प्रक्रिया का दस्तावेजीकरण किया जा रहा है।

मंदिर प्रशासन की ओर से किए गए ये बदलाव उस समय सामने आए हैं, जब दानराशि में अनियमितताओं को लेकर एसआईटी जांच चल रही है।

- **दान गणना कक्ष में प्रवेश करने वाले कर्मियों को अनिवार्य रुप से बिना जेब वाले विशेष वस्त्र पहनने होंगे**

एसओजी ने प्रयोगशाला सहायक परीक्षा की ओएमआर शीट में फर्ज़ीवाड़ा पकड़ा

फर्ज़ी तरीके से अंक बढ़वाकर चयन सूची में शामिल दो अभ्यर्थी गिरफ्तार

- **ओएमआर शीट की स्कैनिंग का कार्य करने वाली अधिकृत एजेंसी से कार्मिकों ने 27 अभ्यर्थियों की ओएमआर शीट में अनुचित तरीके से कांट-छांट कर उनके अंक बढ़ा दिए और उन्हें अनंतिम चयन सूची में शामिल करा दिया।**

जयपुर, 23 जून। राजस्थान में सरकारी भर्ती परीक्षाओं में धांधली करने वाले गिरोहों के खिलाफ कार्रवाही करते हुए, स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप (एसओजी) ने प्रयोगशाला सहायक सीधी भर्ती परीक्षा-2018 में हुए ओएमआर शीट फर्जीवाड़े का बड़ा खुलासा किया है। एसओजी ने फर्जी तरीके से अंक बढ़वाकर चयन सूची में शामिल हुए दो अभ्यर्थियों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि जिन अभ्यर्थियों के वास्तविक अंक महज 2 और 4 थे, उन्हें ओएमआर शीट में हेरफेर कर 165 और 191 अंक दिलाकर चयनित करा दिया गया था।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि प्रयोगशाला सहायक सीधी भर्ती परीक्षा-2018 से जुड़े मामले में एसओजी थाना में प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है। अनुसंधान के दौरान पता चला कि परीक्षा की ओएमआर शीट स्कैनिंग का कार्य करने वाली अधिकृत एजेंसी राभव लिमिटेड के कार्मिकों ने अभ्यर्थियों से मिलीभगत कर बड़े स्तर पर फर्जीवाड़ा किया था।

जांच में सामने आया कि एजेंसी के कार्मिक विनोद कुमार गौड़ और शादान खान ने कुल 27 अभ्यर्थियों की ओएमआर शीट में अनुचित तरीके से कांट-छांट कर उनके अंक बढ़ा दिए और उन्हें अनंतिम चयन सूची में शामिल करवा दिया। एसओजी इस मामले में पहले ही विनोद कुमार गौड़, शादान खान तथा कंपनी के कार्यकारी निदेशक रामप्रवेश सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

एसओजी के अनुसार, राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा संदेह के आधार पर मूल ओएमआर शीटों की दोबारा स्कैनिंग करवाई गई, जिसमें चौंकाने वाले तथ्य सामने आए।

जांच में पाया गया कि करौली जिले के टोडाभीम थाना क्षेत्र के गांव नांगललाट निवासी महेन्द्र कुमार मीना (31) के प्राप्तांक स्कैनिंग के दौरान बढ़ाकर 165 अंक दर्शा दिए गए थे। जबकि मूल ओएमआर शीट की पुनः स्कैनिंग में उसके वास्तविक अंक मात्र 4 पाए गए।

वहीं, दौसा जिले के मंडावर थाना क्षेत्र के ग्राम नादना निवासी देवेन्द्र सिंह गुर्जर (28) के अंक स्कैनिंग के दौरान बढ़ाकर 191 दर्शाए गए थे। पुनः जांच में उसके वास्तविक अंक केवल 2 पाए गए।

एसओजी के अनुसार, इस फर्जीवाड़े के जरिए अनंतिम रूप से चयनित हुए अन्य 25 संदिग्ध अभ्यर्थियों की भूमिका भी जांच के दायरे में है। उनकी तलाश में टीमों द्वारा विभिन्न स्थानों पर दबिश दी जा रही है और जल्द ही अन्य गिरफ्तारियां भी हो सकती हैं।

केन्द्रीय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कार्य मंत्रालय और मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय में राज्य मंत्री के पद पर थे। वे अगस्त 2024 से मध्य प्रदेश से राज्यसभा सांसद थे।

बतौर राज्यसभा सांसद, 21 जून को ही उनका कार्यकाल खत्म हुआ था। भाजपा ने उन्हें फिर से उम्मीदवार नहीं बनाया था। कुरियन केरल में भाजपा के सीनियर नेताओं में एक हैं। माना जा रहा है कि हाल ही में केरल विधानसभा चुनावों में पार्टी के उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन न करने की वजह से उन्हें फिर से मौका नहीं मिला।

केन्द्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल की चर्चाएं शुरु?

प्रधानमंत्री मोदी की राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात के बाद ये चर्चाएं चलने लगीं

नई दिल्ली, 23 जून। केन्द्रीय कैबिनेट में संभावित फेरबदल की चर्चाओं के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। पीएम मोदी की राष्ट्रपति से यह मुलाकात पद्म पुरस्कार समारोह के बाद राष्ट्रपति भवन में हुई है। इस मुलाकात के बाद राजनीतिक गलियारों में एक बार फिर मोदी कैबिनेट में बदलाव को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

पीएम मोदी और राष्ट्रपति की इस बैठक के एजेंडे को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। साथ ही केन्द्र सरकार की ओर से मंत्रिपरिषद में किसी संभावित बदलाव या फेरबदल को लेकर भी कोई औपचारिक बयान जारी नहीं किया गया है। फिर भी, इस मुलाकात को संभावित केन्द्रीय कैबिनेट विस्तार या फेरबदल से जोड़कर देखा जा रहा है, जिससे राजनीतिक हलकों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। फिलहाल सभी की नजरें सरकार की ओर से आने वाले किसी आधिकारिक ऐलान पर टिकी हैं।

- **राष्ट्रपति तथा प्रधानमंत्री की ओर से बैठक के एजेंडा के बारे में अधिकृत रूप से कुछ नहीं कहा गया है। मंत्रिपरिषद में संभावित फेरबदल पर भी कोई औपचारिक बयान नहीं आया है।**

'म.प्र. में यूसीसी को मुस्लिमों का भी समर्थन'

भोपाल, 23 जून। मध्य प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के लिए सभी जिलों में जन परामर्श बैठकें हो चुकी हैं। नागरिकों के 9 लाख से अधिक सुझाव प्राप्त हुये हैं और 90 प्रतिशत से भी अधिक नागरिक यूसीसी के पक्ष में हैं। अल्पसंख्यक समुदाय का भी बड़ी संख्या में समर्थन प्राप्त हुआ है। यह जानकारी मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को मंत्रालय में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले अपने संबोधन में दी। उन्होंने कहा कि यूसीसी के लिए सभी जिलों में जन परामर्श बैठकें शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। राज्य स्तरीय परामर्श बैठक 22 जून को भोपाल में हुई। इसमें सभी आयोगों, विभागों, राजनैतिक दलों और धर्मगुरुओं के साथ पृथक-पृथक बैठकें आयोजित कर मत लिया गया।

ईरान के तेल पर अमेरिकी प्रतिबंध हटने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उत्पादक देशों पर भी काफी निर्भर है। 2025 में भारत के लगभग आधे कच्चे तेल आयात ओपेक देशों से आए थे। जब भी पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ता है, यह निर्भरता जोखिम पैदा करती है।

ऐसे में ईरान की वापसी से भारत को सप्लाई का एक और महत्वपूर्ण जरिया मिल सकता है।

2018 में अमेरिकी प्रतिबंध दोबारा लागू होने से पहले, ईरान भारत के प्रमुख तेल आपूर्तिकर्ताओं में शामिल था। भारतीय रिफाइनरियां ईरानी कच्चे तेल को उसकी प्रतिस्पर्धी कीमतों, अनुकूल ऋण शर्तों और कुछ अन्य स्रोतों की तुलना में कम माल ढुलाई लागत के कारण पसंद करती थीं। प्रतिबंध लगने से पहले भारत ईरानी तेल के सबसे बड़े खरीदारों में से एक था।

प्रतिबंधों ने कई वर्षों तक ईरानी तेल आयात का रास्ता लगभग बंद कर दिया। अब, भले ही यह राहत अस्थायी हो, इससे भारतीय रिफाइनरियों और ईरानी आपूर्तिकर्ताओं के बीच बातचीत फिर शुरू हो सकती है।

क्या भारत फिर से ईरानी कच्चा तेल खरीदना शुरू कर सकता है? फिलहाल, तुरंत नहीं।

मौजूदा छूट केवल 60 दिनों के लिए है और यह जारी कूटनीतिक वार्ताओं से जुड़ी हुई है। रिफाइनरियां आमतौर पर बड़े पैमाने पर खरीदारी करने से पहले दीर्घकालिक स्पष्टता चाहती हैं।

फिर भी, यह कदम संकेत देता है कि यदि वार्ताएं आगे बढ़ती हैं, तो ईरानी तेल धीरे-धीरे वैश्विक बाजार में लौट सकता है। केवल यह संभावना भी भारत के लिए लाभदायक हो सकती है।

बाजार में अधिक तेल उपलब्ध होने का मतलब आमतौर पर कम कीमतें और खरीदारों के लिए बेहतर सौदेबाजी की शक्ति होता है। भले ही भारत सीधे तौर पर ईरान से तेल खरीद में बहुत ज्यादा बढ़ोतरी न करे, लेकिन ग्लोबल सप्लाई बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतों को नियंत्रित रखने और आयात लागत कम करने में मदद कर सकती है।

एक और वजह, जिससे भारत इस घटनाक्रम पर बारीकी से नज़र रख रहा है, वह है होर्मुज़ जलडमरूमध्य। भारत के तेल आयात का एक बड़ा हिस्सा इसी संकरे समुद्री मार्ग से होकर गुजरता है, जो फारस की खाड़ी को वैश्विक बाजारों से जोड़ता है।

हाल के क्षेत्रीय तनावों ने सप्लाई बाधित होने और तेल की कीमतों में तेज उछाल की आशंकाएं बढ़ा दी थीं। अमेरिका और ईरान समझौते में समुद्री सुरक्षा और होर्मुज़ जलडमरूमध्य से जहाजों की स्वतंत्र आवाजाही से जुड़े वादे शामिल हैं।

यदि इस मार्ग से जुड़े जोखिम कम होते हैं, तो यह भारत के लिए सकारात्मक होगा, क्योंकि उसकी ऊर्जा आपूर्ति का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से आता है। भारत का वार्षिक कच्चे तेल का आयात बिल 100 अरब डॉलर से कहीं अधिक है और वैश्विक तेल कीमतों के अनुसार यह काफी बदलता रहता है। कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में मामूली गिरावट भी एक वर्ष में भारत के अरबों डॉलर बचा सकती है। इसी कारण भारतीय नीति-निर्माता प्रमुख तेल उत्पादक क्षेत्रों में होने वाले घटनाक्रमों पर लगातार बारीकी से नज़र रखते हैं। यदि ईरानी तेल की आपूर्ति बड़े पैमाने पर लौटती है और भू-राजनीतिक तनाव कम होते हैं, तो तेल की कीमतों पर दबाव बना रह सकता है। इससे भारत को महंगाई नियंत्रित रखने, आयात लागत घटाने और बाहरी आर्थिक संतुलन को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्रियों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सीपीआई (एमएल) के 2 विधायकों ने भी नाथवानी को वोट दिया। आरजेडी का चौथा वोट अवैध घोषित हो गया।

झामुमो ने सुनिश्चित किया कि उसके प्रत्याशी को आवश्यक 28 वोटों के बजाय 30 वोट मिलें, जिससे कांग्रेस खेमे में हलचल मच गई। कांग्रेस के उम्मीदवार प्रणव झा को 20 वोट मिले, जबकि पीरामल नाथवानी, जिनके पास 24 वोट ही थे, को 28 वोट मिल गए और वे राज्यसभा में प्रवेश कर गए। हेमंत सोरेन ने नाथवानी को हार्दिक बधाई दी, लेकिन उन्होंने पराजित कांग्रेस उम्मीदवार के बारे में कोई टिप्पणी नहीं की। कांग्रेस इस घटनाक्रम से बेहद नाराज है और इससे झारखंड मुक्ति मोर्चा, आरजेडी और वाम दलों के बीच दरारें और गहरी हो गई हैं। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या कांग्रेस झारखंड में गठबंधन सरकार छोड़ने के लिए तैयार है, जिससे भाजपा के लिए रास्ता खुल सकता है, या फिर वह इस अपमान को सहकर आगे बढ़ जायेगी।

अजीबोगरीब नीति है ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

देवेन्द्र फड़नवीस की भविष्य की नेतृत्व संभावना मजबूत होती, जो आरएसएस के भी करीबी माने जाते हैं। इसी तरह, अगर टीएमसी के बागी सांसद भाजपा में शामिल होते, तो इससे पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी की एक बड़ी और प्रभावशाली छवि बनती।

चूंकि टीएमसी और शिवसेना (यूबीटी) के टूटे हुए गुट पहले से ही एनडीए के सहयोगी हैं, इसलिए अब निर्णय लेने की शक्ति अमित शाह के हाथ में है। हालांकि भाजपा लोकसभा में अभी भी अल्पमत में है, लेकिन भाजपा के बजाय एनडीए को मजबूत करने का यह सिलसिला जारी रहने की संभावना है। यदि समाजवादी पार्टी में संभावित विभाजन होता है, तो यह उम्मीद की जा सकती है कि टूटने वाले गुटों को अनुप्रिया पटेल के "अपना दल (सोनेलाल)" या ओम प्रकाश राजभर की "सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी" में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

एसआईटी ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जून को तीन सदस्यीय एसआईटी का गठन किया था। ट्रस्ट ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से एसआईटी गठित कर कथित अनियमितता को लेकर लगे आरोपों की जांच करने की मांग की थी। एसआईटी में लखनऊ के मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, आईजी रेंज किरन एस और विशेष सचिव वित्त नील रतन को शामिल किया गया था। विजय वी पंत और किरन एस ने शुरुआती रिपोर्ट सौंपी है।

री-नीट परीक्षा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तरह की अन्य सामग्री नहीं मिली है। उससे पूछताछ भी पूरी हो चुकी है। ऐसे में उसके भविष्य को देखते हुए उसे जमानत दी जाए। अभियोजन पक्ष की ओर से इसके विरोध में कहा गया कि आरोपी अपने अन्त:वस्त्र में मोबाइल छिपाकर लाई थी और परीक्षा में पूछे गए सवालों को एआई के जरिए हल करने के फिराक में थी। ऐसे में मामले की गंभीरता को देखते हुए उसे जमानत नहीं दी जाए। अर्जी पर सुनवाई करते हुए अदालत ने आरोपी छात्रा को जमानत देने से इनकार कर दिया है।

गौरतलब है कि इस संबंध में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बिंदायका की केन्द्र अधीक्षक ने 21 जून को बिंदायका पुलिस थाने में लोक परीक्षा अनुचित साधन निवारण अधिनियम, 2024 की धारा-3 व 10(2), बीएनएस की धारा-318(4) तथा आईटी एक्ट की धारा-66 के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

राष्ट्रपति मुर्मू ने 2 पद्मविभूषण, 7 पद्मभूषण व 55 पद्मश्री पुरस्कार बांटे

केरल के पत्रकार पी. नारायणन तथा उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश के.टी. थॉमस को पद्मविभूषण प्रदान किया

नई दिल्ली, 23 जून। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में आयोजित नागरिक अलंकरण समारोह के दूसरे चरण में अभिनेता ममूटी, पार्श्व गायिका अलका याज्ञनिक, क्रिकेटर रोहित शर्मा, अभिनेता आर. माधवन और पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन सहित, 64 हस्तियों को पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया। इस अवसर पर दो पद्म विभूषण, सात पद्म भूषण और 55 पद्म श्री पुरस्कार प्रदान किए गए।

समारोह में केरल के प्रख्यात मलयालम पत्रकार पी. नारायणन को साहित्य एवं शिक्षा तथा उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश के.टी. थोमस को लोक कार्य के क्षेत्र में योगदान के लिए पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया।

राष्ट्रपति ने मलयालम सिनेमा के दिग्गज अभिनेता ममूटी को उनके लंबे और उत्कृष्ट फिल्मी योगदान के लिए पद्म भूषण से सम्मानित किया। भारतीय संगीत जगत की प्रसिद्ध गायिका अलका याज्ञनिक को उनके बहुमूल्य योगदान के लिए पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।

विकास जैफ की प्रतिनियुक्ति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आया है कि "ग्रामीण विकास मंत्री ने इस नियुक्ति के आदेश दिए थे, जैफ खुद आदेश की कॉपी लेकर विभाग में पहुंचे थे।" हैरानी की बात है कि पूरे मामले में जैफ की भूमिका संदिग्ध और विभाग को दिए गए जवाब के विपरीत होने के बावजूद, कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में जैफ को क्लीन चिट देते हुए मामले को रफा-दफा करने की सिफारिश तक कर डाली। जबकि कमेटी को विपरीत तथ्य मिले थे ऐसे में अब जैफ की इस प्रतिनियुक्ति और उसके बाद हुई जांच की "गोलमोल" रिपोर्ट पर कई सवाल उठ रहे हैं।

गौरतलब है कि गत 31 मार्च 2026 को ग्रामीण विकास विभाग से जुड़े बायोफ्यूल प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं परियोजना निदेशक सुरेन्द्र सिंह राठौड़ ने आदेश जारी कर विकास जैफ को बायोफ्यूल प्राधिकरण में संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद पर तत्काल प्रभाव से लगाने के आदेश जारी किए थे। इस आदेश में कहा गया था कि कौशल नियोजन एवं उद्यमिता विभाग में सहायक निदेशक (प्रशिक्षण) के पद पर कार्यरत विकास जैफ, स्वयं के विभाग से एनओसी लेकर पद संभालेंगे। ज्ञात रहे कि विकास जैफ फिलहाल राजस्थान औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान आमेट (राजसमंद) में कार्यरत हैं तथा उनके पास राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान दौसा का अतिरिक्त चार्ज भी है।

मजेदार बात यह है कि इस प्रतिनियुक्ति की पत्रावली 30 मार्च को शुरू हुई और 31 मार्च की शाम को नियुक्ति आदेश जारी हो गए। जैसे ही इस नियुक्ति की भनक कौशल उद्यमिता विभाग को लगी तो निदेशक (प्रशिक्षण) मुनीश कुमार शर्मा ने इस नियुक्ति आदेश को अवैध करार देते हुए निरस्त कर दिया। उनकी ओर से जारी आदेश में कहा गया कि विकास जैफ और सुरेन्द्र सिंह राठौड़ दोनों ने ही इस नियुक्ति से पूर्व उनके विभाग से कोई स्वीकृति अथवा अनुमति नहीं ली। ऐसे में यह आदेश विभागीय नियमों के अनुरूप नहीं है। दूसरी ओर, कौशल नियोजन एवं उद्यमिता विभाग के वरिष्ठ शासन उप सचिव नरेश गोकलानी ने सहायक निदेशक (प्रशिक्षण) विकास जैफ को नोटिस जारी करते हुए 7 दिन में स्पष्टीकरण मांगा था। इस नोटिस में विकास जैफ से तीन बिंदुओं पर जवाब मांगा गया था। उनसे पूछा गया है कि क्या बायोफ्यूल प्राधिकरण में पदस्थापन के लिए विकास जैफ ने कोई आवेदन किया था? यदि आवेदन किया था तो कब और किस माध्यम से अथवा सीधे ही बायोफ्यूल प्राधिकरण में आवेदन किया था? क्या उन्होंने आवेदन से पूर्व कौशल नियोजन एवं उद्यमिता विभाग से इस संबंध में प्रशासनिक अनुमति प्राप्त की थी? विकास जैफ ने 7 अप्रैल को इस नोटिस का जवाब देते हुए कहा कि "बायोफ्यूल प्राधिकरण, ग्रामीण विकास विभाग में प्रतिनियुक्ति किए जाने हेतु मेरे द्वारा कोई आवेदन नहीं किया गया।" शेष 2 बिंदुओं पर उन्होंने जवाब में "लागू नहीं" अंकित किया। जैफ के इस जवाब से असंतुष्ट कौशल उद्यमिता विभाग ने मामले की उच्चस्तरीय जांच करवाने के आदेश 10 अप्रैल को जारी किए। इस कमेटी में बायोफ्यूल प्राधिकरण के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेन्द्र कुमार शर्मा, परियोजना निदेशक एवं उप सचिव ईजीएस रतनलाल अटल तथा ग्रामीण विकास विभाग की शासन उप सचिव प्रतिष्ठा पिलानिया शामिल थे। इस राज्य स्तरीय कमेटी ने 16 जून को अपनी रिपोर्ट सौंपी, जिसमें यह तो स्वीकार किया कि "ग्रामीण विकास मंत्री ने इस नियुक्ति के लिए आदेश दिए थे, पत्रावलियों की प्रतिलिपि लेकर जैफ खुद विभाग में पहुंचे थे।" यह मामला सामने आने के बाद भी जांच कमेटी ने इस गंभीर प्रकरण को यह कहते हुए समाप्त करने की सिफारिश कर डाली कि "विकास जैफ की प्रतिनियुक्ति इस शर्त पर दी गई थी कि वे अपने विभाग से एन.ओ.सी. लाएंगे, चूंकि वे इसमें असमर्थ रहे, जिस पर प्रतिनियुक्ति रद्द करने के आदेश हो चुके हैं, अब प्रकरण में किसी प्रकार की कार्यवाही अपेक्षित नहीं है।"

जांच कमेटी की रिपोर्ट में सामने आया कि विकास जैफ ने ग्रामीण विकास मंत्री को प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करके बायोफ्यूल प्राधिकरण में संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी अथवा उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रिक्त पद पर प्रतिनियुक्ति करने का निवेदन किया था, जिस पर मंत्री ने 30 मार्च को मुख्य कार्यकारी अधिकारी को इस संबंध में "अविलम्ब आवश्यक कार्यवाही" करने के निर्देश दिए थे। मंत्री के निर्देशों की पालना में इस प्रार्थना पत्र को पीयूसी बनाकर उसी दिन विभागीय ऑनलाइन पत्रावली पर भेज दिया गया।

नाम परिवर्तन कई बार भारी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नरसंहार की योजना और उसका क्रियान्वयन तत्कालीन अविभाजित बंगाल के प्रधानमंत्री हुसैन शहीद सुहरावर्दी ने किया था। मुस्लिम लीग की पाकिस्तान बनाने और देश के विभाजन की मांग के समर्थन में ग्रेट कलकत्ता किलिंग को अंतिम चेतावनी के रूप में देखा जाता है।

बाद में पाकिस्तान बनने के बाद, हुसैन शहीद सुहरावर्दी उस देश के प्रधानमंत्री भी चुने गए। सड़क का नाम बदलने के बाद नए मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने कहा कि कई दशकों बाद कोलकाता उस बोझ से मुक्त हुआ है, जिसमें उसे ऐसे राजनीतिक नेता का नाम ढोना पड़ रहा था, जिसने बंगाल में नरसंहार करवाया था।

हालांकि नाम बदलने के तुरंत बाद यह तथ्य सामने आया कि सड़क का नाम उस विवादास्पद राजनेता के चाचा के नाम पर रखा गया था। बताया गया कि इस एवेन्यू का नाम हसन सुहरावर्दी के नाम पर था, जो कोलकाता विश्वविद्यालय के पहले मुस्लिम कुलपति थे। हसन सुहरावर्दी एक चिकित्सक थे। वे शिक्षाविद और सैनिक भी थे। ब्रिटिश शासन ने उन्हें नाइटहुड की उपाधि प्रदान की थी। कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति के तौर पर उनके कार्यकाल के दौरान विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह में बंगाल के लैफ्टिनैंट गवर्नर स्टैनली जैक्सन पर क्रांतिकारी बीना दास ने हमला किया था।

उस हमले के दौरान, हसन सुहरावर्दी ने स्टेनली जैक्सन की जान बचाई थी। स्वाभाविक रूप से इसके बाद उन्हें सम्मानित किया गया और कई महत्वपूर्ण पद दिए गए, जिनमें कोलकाता विश्वविद्यालय का शीर्ष पद भी शामिल था। उनके सम्मान में कोलकाता नगर निगम ने, जिसके मेयर कभी सुभाष चंद्र बोस भी रह चुके थे, पार्क सर्कस से हसन सुहरावर्दी के निवास की ओर जाने वाली सड़क का नाम उनके नाम पर रखा था। कई लोगों का कहना था कि सुहरावर्दी एवेन्यू का नाम बदलने का मतलब था, "बंगाल के कसाई" का नाम हटाना। फिर भी, सुहरावर्दी नाम अपने साथ ऐसी कड़वी ऐतिहासिक स्मृतियां लेकर आता है, जिनसे उसे अलग करना मुश्किल है।

सड़कों, गलियों और इलाकों के नाम बदलना कोई नई बात नहीं है। राज्य के वामपंथी शासन के दौरान हैरिंगटन स्ट्रीट, जहां कोलकाता में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास स्थित है, का नाम बदलकर हो ची मिन्ह सरणी कर दिया गया था। यह कदम अमेरिका के प्रति राजनीतिक असहमति जताने के रूप में देखा गया था।

आज वियतनाम और उससे जुड़ी कई बातें अमेरिकियों के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। लेकिन बंगालियों को सुहरावर्दी स्वीकार्य नहीं है, और आम तौर पर लोग इस नए नामकरण से संतुष्ट दिखाई दिए।

नई सरकार के लिए पार्क सर्कस भी एक संवेदनशील इलाका है। भाजपा सरकार के सत्ता में आते ही आदेश जारी किया गया कि कोई भी धार्मिक स्थल प्रचार-प्रसार के लिए लाउडस्पीकर का उपयोग नहीं कर सकेगा।

इसके बाद पार्क सर्कस में बड़ी संख्या में मुस्लिम एकत्र हो गए और उन्होंने पुलिस चौकियों पर पथराव शुरू कर दिया, जिससे ड्यूटी पर तैनात कई पुलिसकर्मी घायल हो गए।

इसके अलावा कुछ वाहनों और अन्य संपत्तियों में आग भी लगा दी गई।

पुलिस को कानून-व्यवस्था बहाल करने का आदेश दिया गया और मात्र दो घंटे के भीतर स्थिति नियंत्रण में ले ली गई। उत्तेजित मुसलमानों की भारी भीड़ को पीछे खदेड़ दिया गया।

नवनियुक्त मुख्यमंत्री ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और कड़ा संदेश दिया कि हमले और संपत्ति का नुकसान किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वे सबसे अधिक प्रभावित इलाकों में गए और कहा कि यदि ऐसे हमले दोबारा हुए, तो वे उनके लिए सबसे सख्त पुलिस मंत्री साबित होंगे। इस संदेश का अपेक्षित प्रभाव पड़ा और पार्क सर्कस क्षेत्र में शांति लौट आई। यह स्थिति तृणमूल कांग्रेस के शासनकाल में हो रही घटनाओं से बिल्कुल उलट थी, जब पुलिसकर्मियों को बुरी तरह पीटा जाता था और वे हमलावरों से बचने के लिए छिपने की जगह ढूंढ़ते थे। बंगाल में हालात बदल चुके हैं, और काफी हद तक बदल चुके हैं।

प्रशासन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विशेष ध्यान दिया जा रहा है। गौरतलब है कि पचपदरा रिफाइनरी राजस्थान की सबसे महत्वपूर्ण औद्योगिक परियोजनाओं में से एक मानी जा रही है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908